हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 06 सितम्बर 2024 | वर्ष: 02 | अंक :115 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

पीएम मोदी का आदेश, बाढ़ प्रभावित तेलंगाना और आंध्र का दौरा करेंगे शिवराज, बोले- केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है

शिवराज ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर मैं, आज और कल आंध्रप्रदेश, तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करूंगा। उन्होंने कहा कि आज आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर वहां भाइयों-बहनों और किसानों से चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली:दक्षिण के दो राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। केंद्र आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मौजूदा बाढ़ की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और उसने विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है जो राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर मौके पर ही आकलन करेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान दोनों की राज्यों का दौरा करेंगे और स्थिति की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें ये आदेश दिया गया है।शिवराज ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर मैं, आज और कल आंध्रप्रदेश, तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करूंगा। उन्होंने कहा कि आज आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर वहां भाइयों-बहनों और किसानों से चर्चा करूंगा। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुई क्षति आकलन के लिए विजयवाड़ा में अधिकारियों के साथ बैठक करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कल तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित खम्मम जिले सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा कर वहां जनता के साथ

चर्चा करूंगा। फसल क्षति आकलन के लिए किसान भाइयों-बहनों से बात करूंगा।भाजपा नेता ने लिखा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों की टीम मेरे साथ रहेगी। हमारे अधिकारी, राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर फसल क्षति आकलन के लिए बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की जनता के साथ पूरी तरह खड़ी है और संकट से बाहर निकालने में उनकी हर संभव मदद करेगी।हीं, अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि आंध्र प्रदेश में जारी बाढ़ के हालात पर मोदी सरकार करीब से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने आज अतिरिक्त सचिव (आपदा प्रबंधन), गृह मंत्रालय के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम का गठन किया। टीम बाढ़ प्रबंधन, जलाशय प्रबंधन, बांध सुरक्षा के मुद्दों आदि का मौके पर आकलन करने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। मैं इस अद्भुत पहल के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को बधाई देता हूं।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव सूर्य के प्रभाव का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को एक साथ लाता है। यह एक ऐसा त्योहार है जो हमें एक बेहतर ग्रह बनाने में मदद करेगा।नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2015 में, क्रअ की शुरूआत एक छोटे पौधे के रूप में हुई। यह आशा और आकांक्षाओं का क्षण था। आज, यह नीति और कार्य को प्रेरित करने वाला एक विशाल वृक्ष बन रहा है। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में क्रअ की सदस्यता 100 देशों के आंकड़े तक पहुंच गई है। इसके अतिरिक्त, 90 और देश पूर्ण सदस्यता प्राप्त करने के लिए रूपरेखा समझौते का अनुमोदन कर रहे हैं। इस संगठन का विकास 'एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड' के दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है।मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए हैं। हम नवीकरणीय ऊर्जा में पेरिस प्रतिबद्धताओं को हासिल करना।

ब्रीफ न्यूज

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बोस, मुख्यमंत्री ममता ने शिक्षक दिवस पर बधाई दी,

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक समुदाय की सराहना की और उन्हें ह्यह्यसमाज की रीढ़ह्लह्ल बताया। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस अवसर पर शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट कर कहा, ह्यह्यशिक्षक दिवस के इस मौके पर, महान विद्वान और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. एस राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर, मैं उनकी महान विरासत को याद करती हूं और साथ ही हमारे पूरे शिक्षक समुदाय के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करती हूं।उन्होंने कहा कि माता-पिता के अलावा, शिक्षक ही एकमात्र व्यक्ति है जिनके सामने लोग सम्मान से सिर झुकाते हैं। बनर्जी ने कहा, ह्यह्यहमारे शिक्षक हमारे मार्गदर्शक हैं और हमारी प्रेरणा तथा शक्ति के स्तंभ हैं। वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। हम अपने शुरूआती वर्षों में और उसके बाद भी हमारा मार्गदर्शन करने के लिए उनके हमेशा आभारी रहेंगे।राज्यपाल बोस ने भी शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को शुभकामनाएं

'अगर माफिया ने सिर उठाने की हिम्मत की तो हम उसे तबाह कर देंगे': योगी

एजेंसी

उत्तर प्रदेश:उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की। फूलपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "अगर माफिया ने सिर उठाने की हिम्मत की तो सरकार उसे नष्ट कर देगी"। उन्होंने कहा, "हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है और मेरी सरकार हमारी बेटियों और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जाएगी। और मैं फिर से दोहराता हूं, अगर माफिया ने सिर उठाने की हिम्मत की तो सरकार उसे नष्ट कर देगी।किसी का नाम लिए बिना उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि "माफिया के खिलाफ बुलडोजर चलाने के लिए साहस की जरूरत होती है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "माफिया के सामने झुकने वाले बुलडोजर नहीं चला सकते। इसके बजाय, उन्हें बुलडोजर देखते ही दिल का दौरा पड़ जाता है।योगी आदित्यनाथ की यह टिप्पणी समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ राज्य में दोषियों से जुड़े अवैध ढांचों को गिराने के लिए बुलडोजर के विवादास्पद इस्तेमाल को लेकर वाकयुद्ध के बीच आई है। बुधवार को अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री आवास की वैधता पर सवाल उठाते हुए पूछा, "क्या मुख्यमंत्री आवास का नक्शा स्वीकृत हो चुका है? वे निजी लाभ के लिए बुलडोजर का दुरुपयोग करते हैं।बुलडोजर में दिमाग नहीं होता, केवल स्टीयरिंग व्हील होता है।" जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर किसी में बुलडोजर चलाने का "साहस या क्षमता" नहीं होती। उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाने के लिए दिल और दिमाग दोनों की जरूरत होती है, जिसका मतलब है कि केवल दृढ़ संकल्प और क्षमता वाले लोग ही ऐसे काम कर सकते हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की।

हरियाणा भाजपा में भगदड़! कैबिनेट मंत्री रणजीत चौटाला का इस्तीफा, टिकट नहीं मिलने से हैं नाराज, निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान

एजेंसी

हरियाणा:हरियाणा में भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पहली सूची में कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला का नाम शामिल नहीं है। इसके बाद चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। रणजीत सिंह चौटाला भाजपा द्वारा रानिया विधानसभा से टिकट न दिए जाने से नाराज थे। भाजपा आलाकमान ने आगामी हरियाणा चुनाव के लिए 67 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची से नौ मौजूदा विधायकों को हटा दिया है। रानिया सीट से बीजेपी ने शीशपाल कंबोज को मैदान में उतारा है। भाजपा नेता रणजीत सिंह चौटाला ने कहा कि मैं रानिया विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडूंगा।

लालकृष्ण आडवाणी ने रिन्यू कराई भाजपा की सदस्यता, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंचे थे आवास

एजेंसी

नई दिल्ली:भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को 'संगठन पर्व, सदाशयता अभियान 2024' अभियान के तहत अपनी भाजपा सदस्यता को नवीनीकृत करने के लिए पार्टी संस्थापक लालकृष्ण आडवाणी के आवास पर गए। भाजपा प्रमुख शाम को अपनी सदस्यता नवीनीकृत करने के लिए वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी के आवास पर भी जाएंगे। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भाजपा सदस्यता प्रमाणपत्र सौंपा।भाजपा ने आगामी

चुनावों से पहले अपने आधार का विस्तार करने और अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 2 सितंबर को अपना सदस्यता अभियान शुरू किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सदस्यों से अपना आधार बढ़ाने के लिए महिलाओं, युवाओं और उन क्षेत्रों में जहां वे परंपरागत रूप से कमजोर रहे हैं।

मनीष सिसोदिया ने देश को विकसित बनाने का दे दिया फॉमूला, शिक्षकों के लिए कर दी यह बड़ी मांग

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया ने देश को विकसित बनाने का नया फॉमूला दे दिया है। शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली नगर निगम द्वारा आयोजित 'शिक्षक सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि अगर भारत 2047 तक एक विकसित देश बनना चाहता है तो एक शिक्षक का वेतन एक आईएएस अधिकारी से अधिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज 2047 के भारत की बहुत चर्चा हो रही है। आज यहां जो शिक्षक बैठे हैं, आपके पास जो बच्चे हैं, वे 2047 के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। 2047 का

भारत इन्हीं बच्चों पर निर्भर है। लेकिन नीति निमार्ताओं को भी उनके लिए कुछ करना होगा। अपने संबोधन में सिसोदिया ने कहा कि भारत जैसे देश में जहां हम हजारों-हजार साल से गुरू को भगवान का दर्जा देते आये हैं, एक शिक्षक की सैलरी किसी भी सरकारी अधिकारी से तो अधिक होनी चाहिए? यहां तक कि 30-35 साल के अनुभवी अध्यापक की सैलरी कैबिनेट सेक्रेटरी, (जोकि 30-35 साल के अनुभवी कअर अधिकारी होते हैं।

डीके शिवकुमार के खिलाफ 'आय से अधिक संपत्ति' केस पहुंचा रउ, हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती

एजेंसी

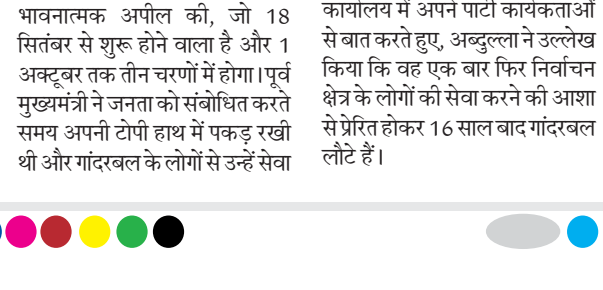

कर्नाटक:हाई कोर्ट द्वारा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ याचिका खारिज करने के कुछ दिन बाद अब यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया है। बीजेपी विधायक बसन गौड़ा पाटिल यतनाल ने सुप्रीम कोर्ट पहुंचकर संदेश दिया है कि वह कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। यत्नाल ने अवैध संपत्ति अर्जित करने के मामले में डीके शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई केस वापस लेने के सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट में अर्जी दायर

की थी। 29 अगस्त को हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी।कर्नाटक हाई कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका को सुनवाई योग्य करार नहीं दिया जिसमें उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले की जांच के लिए दी गई सहमति वापस लेने संबंधी कांग्रेस सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति के सोमशेखर और न्यायमूर्ति उमेश एम अडिगा की खंडपीठ ने राज्य सरकार के 26 दिसंबर, 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज भी कर दिया, जिसमें 74.93 करोड़ रुपये के डीए मामले को जांच के लिए लोकायुक्त को भेजने का आदेश दिया गया था।

'महाराष्ट्र के DNA में है कांग्रेस की विचारधारा', राहुल गांधी बोले- शिवाजी की मूर्ति ढहने पर हर व्यक्ति से मांगनी चाहिए

एजेंसी

महाराष्ट्र:कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। सांगली जिले में रैली में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस विचारधारा का गढ़ है, यहां के लोगों में हमारी पार्टी का डीएनए है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति होती थी, लेकिन आज भारत में वैचारिक लड़ाई है। हम सामाजिक प्रगति चाहते हैं लेकिन वे (भाजपा) चाहते हैं कि केवल चुनिंदा लोगों को ही सारा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और हमारा गठबंधन यह

सुनिश्चित करेगा कि देश में जाति आधारित जनगणना हो। उन्होंने दावा किया कि मैंने लोकसभा में कहा है कि कांग्रेस जाति जनगणना कराएगी। हमारा गठबंधन इसे पूरा करेगा। राहुल ने यह भी पूछा कि मैं जानना चाहता हूं कि शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने पर उनसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा माफी मांगे जाने की क्या वजह थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को प्रतिमा ढहने के लिए न केवल शिवाजी महाराज से, बल्कि महाराष्ट्र के हर व्यक्ति से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम यहां डॉ. पतंगराव कदम जी की याद में आए हैं। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी कांग्रेस, महाराष्ट्र और देश को दे दी। कदम जी ने शिक्षा और विकास से जुड़े काम किए, साथ ही पूरी जिंदगी कांग्रेस के साथ खड़े रहे। जब इंदिरा गांधी जी चुनाव हारी थीं, तब भी कदम जी उनके साथ खड़े थे।

उमर अब्दुल्ला ने आज बडगाम से अपना नामांकन पत्र भरा, कहा- मेरा सम्मान आपके हाथों में है

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर:नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को बडगाम से अपना नामांकन पत्र भरा। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर के गांदरबल के लोगों से भावनात्मक अपील की, जो 18 सितंबर से शुरू होने वाला है और 1 अक्टूबर तक तीन चरणों में होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने जनता को संबोधित करते समय अपनी टोपी हाथ में पकड़ रखी थी और गांदरबल के लोगों से उन्हें सेवा करने का एक और मौका देने का आग्रह किया। भावुक दिख रहे अब्दुल्ला ने उनसे समर्थन की अपील करते हुए कहा कि मेरा सम्मान आपके हाथों में है। मुइन दस्तर (मेरी पगड़ी), मुइन इज्जत (मेरा सम्मान), मुइन टोपी (मेरी टोपी), आपके हाथों में हैं, अथ करिव राच (इसे बनाए रखें),ह्व उन्होंने अपनी टोपी पकड़ते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस मुझे अपनी सेवा करने का एक मौका दीजिए, मैं आपसे हाथ जोड़कर अपील कर रहा हूं।एनसी कार्यालय में अपने पार्टी कार्यकताओं से बात करते हुए, अब्दुल्ला ने उल्लेख किया कि वह एक बार फिर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करने की आशा से प्रेरित होकर 16 साल बाद गांदरबल लौटे हैं।

मोदी सरकार में समझौता सिर्फ कागज का टुकड़ों पर नहीं होता इसलिए 35 साल तक लड़ने वाले त्रिपुरा के दो उग्रवादी संगठनों ने कर लिया शांति समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली: मोदी सरकार ने साल 2014 से लेकर अब तक विभिन्न प्रयासों के जरिये पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति स्थापित करने में काफी हद तक सफलता हासिल की है। पूर्वोत्तर के विभिन्न उग्रवादी संगठनों ने मोदी सरकार के कार्यकाल में ही हथियार डाले हैं और मुख्यधारा के जीवन में वापसी की है। इसी कड़ी में त्रिपुरा सरकार तथा राज्य के दो उग्रवादी समूहों ने एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का मकसद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा को समाप्त करना और शांति लाना है। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा की उपस्थिति में यह समझौता किया गया।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र खासकर आदिवासियों की संस्कृति, भाषा और पहचान को संरक्षित रखते हुए

उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न सिर्फ पूर्वोत्तर और दिल्ली के बीच की खाई को पाटकर उन्हें सड़क, रेलवे और उड़ानों के जरिए जोड़ा है, बल्कि दिलों के बीच की दूरी को भी पाटा है। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही शांति और प्रगति की दिशा में त्रिपुरा की यात्रा में एक नया मील का पत्थर स्थापित हो गया है।हम आपको बता दें कि यह शांति समझौता ह्यनॉर्थ ब्लॉकह्ल में किया गया। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और गृह मंत्रालय तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद थे। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार में अपना भरोसा जताते हुए एनएलएफटी और एटीटीएफ ने 35 साल पुराने संघर्ष को समाप्त करने और मुख्यधारा में लौटने, हिंसा छोड़ने और समृद्ध एवं विकसित त्रिपुरा के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, "मोदी सरकार पूर्वोत्तर के, खासकर आदिवासी समूहों की संस्कृति, भाषा और पहचान को संरक्षित रखते हुए, समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

पूर्व मंत्री स्व. रामदेव महतो की पुण्यतिथि पर बिहार के विकास : संभावनाए और चुनौतियों के विषय पर संगोष्ठी

- विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं, पीएम मोदी ने बिहार के लिए पिटारा खोला : डॉ. दिलीप जायसवाल
- 2005 के पहले बिहार में विकास मुद्दा नहीं था, राजा, रानी और राजकुमार ,राजकुमारी ही थे : सम्राट चौधरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 5 सितंबर। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामदेव महतो की 17 वीं पुण्यतिथि के मौके पर बिहार के विकास :संभावनाएं और चुनैतियों के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस मौके पर उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय महतो की जीवनी के कई अनछुए पहलुओं से उपस्थित लोगों को रूबरू कराया तथा बिहार के विकास की चर्चा की।

इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, विधानसभा अध्यक्ष नन्दकिशोर यादव, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पटना साहिब के साँसद रविशंकर प्रसाद सहित उपस्थित तमाम लोगों ने स्व. महतो को याद किया। इस संगोष्ठी को आये लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि जब मनुष्य के जाने के बाद भी उनके अच्छे कर्मों के कारण याद किया जाए तभी वह महापुरुष होते है। आज हम सभी यहां स्व. रामदेव महतो को याद कर रहे हैं। यह हमसभी को यह बड़ी सीख देती है कि हमे भी समाज के लिए अच्छा काम करना चाहिए जिससे हमारे जाने के बाद भी लोग हमें याद करें।

बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रदेश के विकास को देखना होगा तो पटना को ही देखा जा सकता है। पटना में कई फ्लाईओवर बन गए, गांव तक सड़कें बन गई। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास आज विकास कोई मुद्दा नहीं रह गया, जिसे वह उठा सके। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ दिन विशेष राज्य के दर्जे का मुद्दा उठाया लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए पिटारा खोला तो उस मुद्दे पर भी ये चुप हो गए। उन्होंने कहा कि अब इन्हें केवल अपराध दिखता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब एक दुष्कर्म की घटना घटी तो विपक्ष के नेता काफी मुखर हुए लेकिन जब राजद नेता आरोपी निकला तो उनकी बोलती बंद हो गई। बिहार की जनता सब जानती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने घोटाला, भ्रष्टाचार कर अपने बेटों की खुशी के लिए धन अर्जित किये, लेकिन बेटा नौवीं फेल राह गया। उन्होंने कहा कि अगर आज आम लोगों का बेटा नौवीं फेल रहे तो चपरासी की भी नौकरी नहीं मिलेगी । और यही कुछ दिन पहले बिहार में रोजगार दिखा रहे थे।

उन्होंने कहा कि बिहार की दशा और दिशा तय करने के लिए एनडीए की ही जरूरत है।

इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्व. रामदेव महतो को याद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा पर लोगों को पूरा भरोसा है। भाजपा जो कहती है उसे कर के भी दिखाती है।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पुराने दिनों की चर्चा करते हुए तंज कसते हुए कहा कि 2005 में एनडीए की सरकार बनने के पहले बिहार में विकास की बात नहीं होती थी। तब एक राजा एक रानी और उनके राजकुमार, राजकुमारी थे। उनके राज में बिहार में न बिजली था, न सड़क था, न विकास था।

उन्होंने कहा कि तब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने बिहार के विकास के लिए 6000 करोड़ रुपए का राशि दी थी। राबड़ी देवी ने बिहार के विकास के लिए पैसा केंद्र से मांगा था। मगर 2005 तक एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ, जब एनडीए की सरकार बनी तब यह पैसा खर्च हो सका। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद बिहार में विकास दिखा है। आज केंद्र में नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है तो बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व है। डबल इंजन की सरकार में विकास दिख रहा है।

सदाकत आश्रम में पूर्व राष्ट्रपति डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 136 वीं जयन्ती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गयी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 5 सितम्बर,24आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में पूर्व राष्ट्रपति डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 136 वीं जयन्ती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गयी । कार्यकर्म की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष डा0 मदन मोहन झा ने की इस अवसर पर डा0 राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष डा0 मदन मोहन झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही शिक्षक का समाज में बड़ा स्थान रहा है। शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता हैं तथा उनका सम्मान हमेशा होना चाहिए।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, ब्रजेश पाण्डेय ,मीडिया विभाग के चेयरमेन राजेश राठौड़, लाल बाबु लाल, कपिलदेव प्रसाद यादव, प्रो अम्बुज किशोर झा, ज्ञान रंजन, सौरभ सिन्हा, सुधा मिश्रा, राजकिशोर सिंह, धनंजय शर्मा, अब्दुल बकी सज्जन, डॉ इरशाद खां, विमलेश तिवारी, निधि पाण्डेय, रमाशंकर पाण्डेय, राहुल पासवान, ,गुरुदयाल सिंह, सतेन्द्र पासवान, अनूप कुमार, मिहिर झा एवं अन्य कांग्रेसजनों ने भी डा0 राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यापर्ण किया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में महावीरपुरम शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवानः विद्या भारती की उत्तर बिहार प्रांतीय इकाई लोक शिक्षा समिति द्वारा सिवान विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शहर के महावीरी सरस्वती शिशु मंदिर महावीरपुम के छात्र-छात्राओं ने शिशु वर्ग के प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश नारायण सिंह से मिली जानकारी के अनुसार महावीरी सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने पांच विषयों में तीन विषय में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं, वहीं एक विषय में द्वितीय स्थान प्राप्त कर के विभाग के तीनों जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया हैं। प्रभारी प्रधानाचार्य अशोक कुमार सिंह ने बताया कि महावीरपुरम शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने अंग्रेजी, वैदिक गणित व संस्कृति बोध परियोजना में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं। वहीं विज्ञान विषय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया हैं।

प्रभारी प्रधानाचार्य ने बताया कि अंग्रेजी विषय में भैया शांतनु,बहन सुहानी व भैया आरव व संस्कृति बोध परियोजना में भैया आयुष, भैया अविचल व भैया प्रतीक एवं वैदिक गणित में भैया वैश्वत,बहन पूजा व बहन पूर्वी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं विज्ञान विषय में भैया पियुष, भैया जितेश व भैया कृष्ण कुमार की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया हैं।

महावीरी सरस्वती शिशु मंदिर महावीरपुम के छात्र-छात्राओं के इस शानदार प्रदर्शन पर विद्या भारती के विभाग निरीक्षक राजेश कुमार रंजन व विद्यालय के सचिव कौशलेंद्र प्रताप व प्रधानाचार्य कमलेश नारायण सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं एवं संरक्षक आचार्य प्रभा कुमारी, मनोज तिवारी, प्रभा राय व संजय कुमार को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि महावीरी सरस्वती शिशु मंदिर महावीरपुम के छात्र-छात्राएं प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता

हुसैनगंज के उमवि सरेयां के हेडमास्टर का हार्ड अटैक से हुई मौत, परिजनों पर टुटा पहाड़, शिक्षकों में शोक की लहर,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी

हुसैनगंजः प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय सरेयां के प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार का हृदय गति रुक जाने के कारण बुधवार को निधन हो गया .उनके निधन होने पर उनके परिजनों में कोहरा मच गया.वहीं शिक्षक जगत में भी शोक की लहर दौड़ पड़ी.बताया जाता है कि प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार बिमार चल रहे थे उन्हें बुखार था और सांस लेने में परेशानी हो रही थी.सिवान का इलाज चलने से उनका कोई लाभ नहीं था.उनको बेहतर इलाज के लिए उनका पुत्र अभिषेक कुमार गोरखपुर ले जा रहा था इस दौरान गोरखपुर पहुंचने के पहले ही उनका सांस चलना बंद हो गया.फिर भी उन्हें गोरखपुर अस्पताल ले जाया गया. वहाँ डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.उनके शव को उनका पुत्र द्वारा उनके पैतृक गांव आंदर थाना के सिंगही में ले जाया गया.जहां पर शव को पहुंचते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई. वहीं उनके परिजनों के रोने और चिल्लाने से पूरा गांव शोक की लहर में डूब गया.चारों तरफ मातम छा गया. बताया जाता है कि उनके परिवार में उनके एक पुत्र और एक पुत्री हैं.पुत्री विवाहित है वहीं पुत्र इस बार नीट की परीक्षा का काउंसलिंग गया में कराकर आया था.अब उनका एडमिशन होना बाकी है.पुत्र को नीट की परीक्षा में चयनित होने पर अरविंद कुमार बहुत पसंद थे कि मेरा लड़का डॉक्टर बन गया.लेकिन ईश्वर को यह मंजूर नहीं था अरविंद कुमार अपने पुत्र को डॉक्टर बनते देख सकें. अरविंद की मौत की खबर सुनते ही जिले व प्रखंड के शिक्षकों ने उनके घर सिंगही जाकर शोक सम्मेलन व्यक्त करने पहुंचे उनमें मुख्य रूप से तेज बहादुर सिंह, विनय शंकर सिंह, मोहम्मद असगर अली, अशोक उपाध्याय, रामसागर शर्मा, रविंद्र गुप्ता, राजेश कुमार प्रसाद,,रामप्रवेश सिंह, शंभू सिंह, शमशाद अली सहित अन्य थे.वहीं उनके उमवि सरेयां में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मौन धारण किए.वहीं उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की.इस अवसर पर राजीव कुमार, राजेश यादव, मोहन प्रसाद, अलका कुमारी, मधुबाला ,किरण सहाय, शैलेश पांडे, नजीर हुसैन,रविंद्र कुमार, शंभू प्रसाद,,कुंदन, अभिषेक, सबीना, नीतू, मुकेश यादव, शंभू नाथ चौधरी, अजीत कुमार, अजीत सत्यार्थी, मृत्युंजय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे.प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार के परिजनों ने बताया कि 1994 में प्राथमिक मध्य विद्यालय भीखपुर भगवानपुर प्रखंड सिसवन में उनकी प्रथम नियुक्ति हुई थी.उसके बाद 2013 से उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरेयां में कार्यरत थे.उनका सेवानिवृत्ति 2031 में था. शिक्षकों ने बताया कि अरविंद कुमार बहुत नेक और हसमुख इंसान थे.सभी शिक्षकों के साथ भाईचारगी निभाते थे. अब स्थान लेना किसी शिक्षकों के लिए असंभव होगा.

हुसैनगंज में हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाई गई शिक्षक दिवस, बच्चों ने शिक्षकों को उपहार देकर किया सम्मानित,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी

हुसैनगंजसीवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ छात्र व छात्राओं ने मनाया. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने अपने कक्षों को बैलून, फूलझड़ी तथा फूलमालाओं से सजाया था. वहीं अपने कक्षा शिक्षकों को केक काटते के लिए आमंत्रित किया. वहीं उन्हें उपहार देकर सम्मानित भी किया. शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को टॉफी देकर मुंह मीठा किया गया. इस अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुतुबछपरा उर्दू में भी बड़े धुमधाम से शिक्षक दिवस मनाया गया. प्रधानाध्यापक मो.हसमुद्दीन द्वारा सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला गया. इस अवसर पर धानाध्यापक मो. हसमुद्दीन, राजेश कुमार, शहाबुद्दीन, मो. तौसीफ अनवर, नेसार अहमद, अख्तरी खातून, लाडली खातून, खलील अहमद, हरेन्द्र मांझी, फरजाना अंजूम, शाहिना कुतुबी, आरफा नाजमी, प्रीति निहारिका, अभिनंदन कुमार, शाहिन परवीन सहित अन्य उपस्थित थे.

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने 86(छियासी) भूमिहीन परिवारों को भू-बंदोबस्ती का पर्चा का किया वितरण

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

अभियान बसेरा दो के तहत जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने 86(छियासी) भूमिहीन परिवारों को भू-बंदोबस्ती का पर्चा का किया वितरण।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने अनुमंडल सभागार, फुलपरास में आयोजित भू-बंदोबस्ती पर्चा वितरण कार्यक्रम में सरकार कि महत्वपूर्ण योजना अभियान बसेरा के तहत फुलपरास अंचल अंतर्गत 47, खुटौना अंचल अंतर्गत 23, लौकही अंचल अन्तर्गत 13, एव घोघरडीहा अंचल अंतर्गत- 03 कुल 86(छियासी) भूमिहीन परिवारों को भू-बंदोबस्ती का पर्चा वितरीत किया ।चानो कुमारी, पारो देवी, फुलकुमारी देवी, जशोवती देवी, विमला देवी, आशा देवी, रेणु देवी, विभा देवी, बबिता देवी समेत कई लाभुकों के चेहरे पर सरकार की अभियान बसेरा के तहत भूमि पर्चा प्राप्त होने की खुशी स्पष्ट झलक रही थी।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी पात्र लाभुकों को उपलब्ध करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि शेष बचे सर्वेक्षित भूमिहीन परिवारों को भी अभियान बसेरा के तहत भूमि पर्चा उपलब्ध करवाने हेतु अग्रेतर करवाई की जा रही है ।कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी ने अनुमंडल कार्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया।

मधुबनी क्षेत्र भ्रमण के क्रम में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने स्टॉर्म वाटर ड्रैनेज सिस्टम के प्लांट निर्माण स्थल का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी नगर निगमके *क्षेत्र भ्रमण के क्रम में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने स्टॉर्म वाटर ड्रैनेज सिस्टम के तहत बुडको द्वारा निमार्णाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल का किया औचक निरीक्षण।अधिक-से-अधिक संख्या में श्रमिकों का उपयोग कर योजना को जल्द से जल्द पूर्ण करने का दिया निर्देश।नगर निगम द्वारा निर्मित यूरिनल का भी किया निरीक्षणनियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का दिया निर्देश। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने क्षेत्र भ्रमण के क्रम में स्टॉर्म वाटर ड्रैनेज सिस्टम के तहत बुडको द्वारा निमार्णाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण स्थल, भच्छी, महाराजगंज का औचक निरीक्षण किया. गौरतलब है कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्टॉर्म ड्रैनेज सिस्टम के तहत निकलने वाले अपशिष्ट को उपचारित कर उसे निपटान के लिए सुरक्षित बनाएगा तथा अवशेष जल को सिंचाई हेतु नहर में प्रवाहित किया जाएगा. जिलाधिकारी ने ट्रीटमेंट के बाद अवशेष जल के अन्य उपयोग के विकल्पों पर विस्तृत विमर्श किया तथा बुडको अभियंता को इस संबंध में कई आवश्यक दिशानिर्देश दिए.ट्रीटमेंट प्लान के निर्माण में एजेंसी द्वारा कम संख्या में लगाए गए श्रमिकों को देखकर जिलाधिकारी ने गहरा असंतोष व्यक्त किया और कहा कि अधिक-से-अधिक संख्या में श्रमिकों का उपयोग कर योजना को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए. उन्होंने कहा कि स्टोर्म ड्रैनेज प्रोजेक्ट तथा सीवरेज प्लांट निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी.इसके उपरांत जिलाधिकारी ने थाना चौक पर नगर निगम द्वारा निर्मित यूरिनल का निरीक्षण किया. उन्होंने यूरिनल के नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया ताकि जिस उद्देश्य से यूरिनल का निर्माण किया गया है, उस उद्देश्य कि पूर्ति हो सके. मौके पर डीडीसी दीपेश कुमार, नगर आयुक्त अनिल चौधरी के साथ विभाग के अन्य पदाधिकारी व अभियंता मौजूद रहे

इन्नरव्हील क्लब सारण द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षिकाओं का सम्मान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

5 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर इन्नरव्हील क्लब सारण ने तीन सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षिकाओं—डॉ. ज्ञानति सिंह, शकुंतला देवी, और वीणा श्रीवास्तव—को क्लब की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने उन्हें शॉल, डायरी, पेन, और प्रमाणपत्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। शिक्षिकाओं ने अपने जीवन के अनमोल अनुभव साझा करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा दी। यह जीवन भर चलने वाली प्रकिया है ।कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष सुषमा गुप्ता ने कुशलतापूर्वक किया, और धन्यवाद ज्ञापन अंजू फैशन ने प्रस्तुत किया। इस गरिमामय आयोजन में क्लब की चार्टर अध्यक्ष अनु जायसवाल, सेक्रेटरी अंकिता जायसवाल, रेनू गुप्ता, मंजू गुप्ता, शालिनी अग्रवाल, सुनिधि गुप्ता, गुड़िया, प्रिया साह और विकास कुमार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के बारे में जानकारी क्लब संपादक रचना कुमारी ने दी।

राजद के राजेश कुमार भटकू सहित सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

शिक्षक दिवस के मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक संघ के नेता सरोज कुमार सहित कई शिक्षकों ने ली भाजपा की सदस्यता

भाजपा किसी परिवार की पार्टी नहीं : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 5 सितंबर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक समारोह में आज पटना साहिब के पूर्व राजद प्रत्याशी राजेश कुमार भटकू सहित सैकड़ों राजद के लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। शिक्षक दिवस के मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक संघ के नेता सरोज कुमार सहित कई शिक्षकों ने भी भाजपा की सदस्यता ली है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह प्रदेश के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने इन सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई और पार्टी में स्वागत किया।

डॉ. जायसवाल ने पार्टी में आए सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा किसी परिवार की पार्टी नहीं बल्कि एक विचारधारा की पार्टी है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि आज भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा है और इसकी नीतियों को लोग पसंद कर भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। राजद से आए लोगों का स्वागत करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि आपके आने से भाजपा और मजबूत होगी। भाजपा की सदस्यता लेने वालों में पटना साहिब विधानसभा से राजद के पूर्व प्रत्याशी राजेश कुमार भटकू, बच्चन प्रसाद मेहता, धीरेंद्र कुमार , संजय रामय, राज राय, विनोद कुमार, राजेश कुमार, रंजीत कुमार सोनी, बबलू साह, अजय यादव , वीरेंद्र यादव, अशोक यादव, विनोद पासवान प्रमुख हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों के द्वारा भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि शिक्षक शुरू से मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के तहत समाज के हर वर्ग को हम भाजपा परिवार से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हैं । इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ,प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमीत प्रकाश बबलु ,सह कोषाध्यक्ष आशुतोष शंकर ,प्रशिक्षण प्रभारी मृत्युंजय झा ,सतपाल नरोतम, विनोद शर्मा, टी एन सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी एवं विधान पार्षद डॉ. संजय मयूख ने कहा कि वह शिक्षक के महत्व को जानते हैं क्योंकि उनके माता-पिता भी शिक्षक हैं।

शिक्षक देश निर्माण और समाज निर्माण का अवसर प्रदान करते हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 5 सितंबर। बिहार भाजपा प्रदेश मुख्यालय के कैलाशपति मिश्र सभागार में आज शिक्षक दिवस के मौके पर अटल शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉक्टर दिलीप जायसवाल ने की। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कई शिक्षकों को सम्मानित किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा कि शिक्षको की तुलना किसी से नहीं कि जा सकती है। शिक्षक ही दीपक की तरह खुद अपने को जलाकर बच्चों में ज्ञान एवं संस्कार का प्रसार करते हैं एवं समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि वही बच्चे भविष्य बनते हैं इसलिए शिक्षकों को सभी को सम्मान देना चाहिए डॉ. जायसवाल ने कहा कि शिक्षक सही अर्थों में मार्गदर्शक होते हैं और समाज मे ज्ञान की रोशनी फैलाने का काम करते हैं। मनुष्य में आये अंधकार को शिक्षक ही ज्ञान रूपी रोशनी से प्रकाशमय कर देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक देश निर्माण और समाज निर्माण का भी अवसर प्रदान करते हैं ।

मधुबनी रीजनल सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों ने राधाकृष्णन के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किया ,इस अवसर पर शिक्षकों का भव्य सम्मान किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर मधुबनी रीजनल सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने शिक्षकों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन के छात्रों ने शिक्षकों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन गया। इस की शुरूआतडॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें माल्यार्पित किया। शिक्षिका एवं शिक्षक को गिफ्ट देकर किया। स्कूल के छात्रों ने अपने शिक्षकों के सम्मान एवं स्वागत अवसर पर केक काटकर किया गया।रीजनल सेकेंडरी स्कूलके निदेशक डाङ्ग. आर एस पांडे,प्रिंसिपल मनोज कुमार झा , एफप्रत्यूष परिमल पांडे, ने स्कूल के सभी शिक्षक.शिक्षिकाएं ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें माल्यार्पित किया। निदेशक डाङ्ग. आर एस पांडे एवं मनोज झा,प्रत्यूष परिमल पांडे,ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को स्मरण करते हुए उन्हें चीर स्मरणीय बताते हुए उनके पद चिन्ह पर चलने का अपने बच्चों परामर्श दिया,रीजनल सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल मनोज झा ने भी अपने से बच्चों में खूब उत्साह भरा साथ ही अन्य सभी शिक्षकों ने भी बच्चों को अपनी अभिव्यक्ति से खूब उत्साहित किया। विद्यालय के तरफ से सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को गिफ्ट से सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में रीजनल सेकेंडरी स्कूलके

के निदेशक डाङ्ग. आर एस पांडे,प्रिंसिपल मनोज कुमार झा , एफप्रत्यूष परिमल पांडे, स्कूल के सभी शिक्षक.शिक्षिकाएं सहित स्कूल सभी छात्र-छात्राएं अभिभावक को बधाई दी इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र छात्रा भी उपस्थिति रहे ।

आपसी तालमेल के साथ विभाग कार्य करें और दशहरा के पहले रिजल्ट दे :- डॉ सी एन गुप्ता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- आमजन की समस्या का त्वरित निवारण ही एकमात्र उद्देश्य
- बोले विधायक विभाग के अधिकारियों त्वरित रूप से पूर्ण करें कार्य

छपरा विधायक डॉक्टर सी एन गुप्ता ने आपसी तालमेल के साथ विभागों को कार्य करने का निर्देश देते हुए दशहरा के पहले काम रिजल्ट दिखाने का निर्देश दिया.इस दौरान विभाग के अधिकारियों के साथ ब्रह्मपुर श्याम चक ठल 19 पर जलजमाव का निरीक्षण विधायक ने विगत दिनों विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ किया.विधायक ने जनता की परेशानी को दशहरा के पहले दूर करने का स्पष्ट दिशा निर्देश दिया.इस दौरान विधायक ने बुडको द्वारा नाला बनाकर आदर्श कॉलोनी के नाला को मुख्य सड़क से जोड़ने का निर्देश दिया।

इस दौरान मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग अनुज कुमार,कुमारी आंचल सदर सीओ,आनंद कुमार सहायक अभियंता बुडको,विकाश कुमार सहायक अभियन्ता नगर निगम, जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान,दीप शिखा सहायक अभियंता ,कृष्णा शर्मा वार्ड पार्षद प्रतिनिधि,राज किशोर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार आगमन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के जोरदार स्वागत की तैयारी- दिलीप जायसवाल

नड्डा देंगे बिहार को बड़ी सौगात, स्वास्थ्य सुविधाओं में होगी बढोत्तरी, कई अस्पतालों का करेंगे उद्घाटन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्पटना, 05/09/2024भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा के बिहार आगमन पर पार्टी की ओर से उनके स्वागत की जोरदार तैयारी की गई है। डॉ. जायसवाल ने कहा अपने बिहार दौरे के दौरान श्री नड्डा बिहार को स्वास्थ्य परिक्षेत्र में बड़ी सौगात देने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि श्री नड्डा के आगमन से बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मोदी 3.0 के स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार शुक्रवार को बिहार आएंगे। जेपी नड्डा दो दिवसीय सरकारी दौरे पर बिहार आएंगे। इस दौरान वे 2 दिनों में 4 अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री के बिहार आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। डॉ. जायसवाल ने कहा कि बिहार भ्रमण के दौरान जेपी नड्डा आईजीआईएमएस नेत्र अस्पताल सहित चार मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वे अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे। सबसे पहले वे आईजीआईएमएस के आई हॉस्पिटल का उद्घाटन करेंगे।पटना के बाद उनका भागलपुर जाने का भी कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि भागलपुर में स्वास्थ्य मंत्री दो सौ बेड के सुपर स्पेशलियलीटी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे। वहां से गया जाएंगे, जहां मगध मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय बिहार दौरे के दूसरे दिन सात सितम्बर को जेपी नड्डा पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल जाएंगे। केंद्रीय मंत्री एमसीएच में बन रहे नए ब्लॉक को देखेंगे। उन्होंने कहा कि वहीं शनिवार को पटना में पीएमसीएच में निरीक्षण के बाद उनका दरभंगा जाने का कार्यक्रम है। दरभंगा में एम्स के लिए प्रस्तावित स्थल का मुआयना करने वाले हैं। दरभंगा में बिहार का दूसरा एम्स बनने वाला है। इसके लिए शोभन बाइपास के पास बिहार सरकार ने जमीन का अधिग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद श्री नड्डा दरभंगा और मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले हैं। मुजफ्फरपुर स्थित एसकेएमसीएच और दरभंगा के डीएमसीएच में सुपर स्पेश्यलिटी सेंटर का निर्माण हो चुका है। इनके उद्घाटन का इंतजार किया जा रहा था। केंद्रीय मंत्री के बिहार दोरे के साथ ही लोगों का इंतजार खत्म हो जाएगा। उत्तर बिहार के इन दोनों अस्पतालों पर बहुत लोड है। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में इलाज शुरू हो जाने के बाद बिहार की जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

अपराधी मस्त, जनता त्रस्त पुलिस बेबस ये हाल हो गया है दिल्ली पुलिस का...!!!

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

उत्तर पूर्वी दिल्ली।राजधानी दिल्ली के उत्तर पूर्वी जिले में अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गोली चलना, चाकू बाजी होना, या किसी की हत्या हो? जाना एक आम बात हो गई है। वहीं दूसरी और ऐसे मामलों में कार्रवाई को लेकर पुलिस के रवैये पर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल ही में उत्तर पूर्वी जिले के थाना न्यू उस्मानपुर इलाके में तमंचे की नोक पर हुई लूटपाट को पुलिस ने बड़ी ही आसानी से स्नैचिंग में तब्दील कर दिया था, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज निकाल कर पूरे मामले का पदार्फाश कर दिया था। उस घटना को लेकर उत्तर पूर्वी जिले की पुलिस सवालों के घेरे में है। बावजूद इसके ऐसी ही एक और घटना उत्तर पूर्वी दिल्ली के मौजपुर इलाके में घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 3 सितंबर 2024 की रात को समय लगभग 10:30 बजे, दो बेखौफ बदमाश सरे आम गोली चलाकर दहशत का माहौल पैदा कर देते हैं। उस दौरान एक महिला को गोली लगने से बाल-बाल बची। काफी जद्दो-जहद के बाद इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई। लेकिन शिकायतकर्ता को अभी तक एफआईआर की कॉपी भी नहीं दी गई। ना ही अभी तक इस मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी है। जबकि आरोपी उसी इलाके में लगातार खुले घूम रहे हैं। इलाके के जिम्मेदार व्यक्ति सुनील त्यागी, जोकि आर डब्ल्यू ए, के प्रेसिडेंट है, उन्होंने इस मामले में बातचीत करने के लिए थाना जाफराबाद के रलड को फोन किया। तो थाना प्रभारी ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया, और उन्हें यह कहकर फोन काट दिया कि, आप इस मामले में मेरे से बात ना करें। आप सीधा जांच अधिकारी से बात करें। पुलिस के इस रवैये को लेकर स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है। वहीं दूसरी ओर मौजपुर के निवासी 27 वर्षीय हिमांशु के साथ बीते जुलाई माह में भी इसी प्रकार की घटना घटी थी। जिसमें कुछ बदमाश पिस्तौल लेकर उनके घर में घुस आए थे। और उनकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी थी। जब उन्होंने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी, साथ ही आरोपियों के नाम भी बताए (प्रिंस कसाना और लीलू कसाना) तो पुलिस ने उन्हें कहा कि आप इस घटना में पिस्तौल का जिक्र ना करें। नहीं तो उल्टा आपके ऊपर ही मुकदमा दर्ज हो जाएगा। पुलिस ने उन्हें डरा धमका कर मामूली धाराओं के तहत धमकी देने की शिकायत दर्ज की। उसके बाद वह पिछले एक महीने से दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के पास चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक उनके मामले में भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि पुलिस की इस ढील के कारण हमें डर के साये में जीना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस के ऐसे रवैये को देखते हुए, लगता है कि, पुलिस किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है। पुलिस की इसी ढील के कारण अपराधियों में कानून का बिल्कुल भी खौफ नहीं है। आवश्यक

शिक्षक दिवस पर शिक्षको ने अपने विधालय के छात्रों को अतिथि के रूप मे भोजन परोस कर खिलाया और छात्रों का मान सम्मान किया।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 5 सितम्बर बृहस्पतिवार। दुरौंधा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न स्कूलों मे छात्रों ने अपने भारत देश के शिक्षाविद् और प्रथम उपराष्ट्रपति डॉक्टर श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवनी पर शिक्षको ने प्रकाश डाला उनके जन्म दिन 5 सितम्बर को क्यों शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाता है विस्तार पूर्वक बताया गया। वही उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इन्टर कॉलेज सवान विग्रह मे प्रधाना ध्यापिका श्रीमती दीपिका कुमारी के नेतृत्व मे विधालय के शिक्षको ने छात्रों को अतिथि के रूप मे, दूधनाथ साह दुर्गेश कुमार, धर्मनाथ प्रसाद पिंटू, कन्हैया सिंह ,अजमेरी खातून,राकेश रंजन, गुंजन कुमार, धीरज यादव, अंशिता सिंह, मोहम्मद, प्रियंका मौर्या, खुशबू, कुमारी चुन्नू, रानी कुमारी, नाइट गार्ड राज कुमार इत्यादि ने अतिथि भोज का आयोजन कर अपने हाथो से भोजन परोस कर खिलाया और सभी छात्रों का उज्वल भविष्य का शुभकामनाएं दी और देश के छात्रों को धरोहर बताया।

रेयाज आलम ने मुस्लिम समुदाय से नए राजनीतिक आंदोलनों के बारे में सतर्कता बरतने की अपील की

प्रशांत किशोर की जन सुराज मुहिम पर जताई चिंता

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 3 सितंबर – प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉपोरेट पेशेवर रेयाज आलम ने बिहार के मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वे राज्य के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नए राजनीतिक व्यक्तित्वों और दलों को अपनाने में सतर्कता बरतें। आलम के ये बयान जन सुराज मुहिम की हालिया गतिविधियों के मद्देनजर आए हैं, जिसका नेतृत्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर कर रहे हैं और जो मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश कर रही है।

समुदाय को संबोधित करते हुए, रेयाज आलम ने राजनीति की जटिलता पर जोर दिया, जिसे उन्होंने अतीत के अनुभवों, वर्तमान की वास्तविकताओं और भविष्य की उम्मीदों का संगम बताया। उन्होंने समझदारी से निर्णय लेने और रणनीतिक योजना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, खासकर ऐसे समय में जब नए राजनीतिक खिलाड़ी उभर रहे हैं। आलम ने नए चेहरों के साथ जल्दबाजी में संबंध बनाने से बचने की सलाह दी और समुदाय से आग्रह किया कि वे इन व्यक्तियों की नीयत और क्षमताओं की अच्छी तरह जांच करें।

आलम ने कहा, "राजनीति, अपने स्वभाव में, ऐसे विकल्प प्रस्तुत करती है जो हमारे समुदाय के भविष्य को आकार दे सकते हैं। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, हमें अपनी राजनीतिक निष्ठाओं में सतर्क और विवेकपूर्ण होना आवश्यक है। प्रशांत किशोर के नेतृत्व में जन सुराज का उभरना, हालांकि बेशक एक नया अवसर प्रतीत होता है, लेकिन हमें इस पर विश्वास करने से पहले इसकी गहराई से जांच करनी चाहिए। ऐतिहासिक उदाहरण यह

दर्शाते हैं कि जल्दबाजी में किए गए राजनीतिक गठबंधन हमारे समुदाय के हितों की उपेक्षा कर सकते हैं।आलम ने सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ स्थायी रुख अपनाने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को राजनीतिक सहयोगियों के आकलन का मानक बताया। उन्होंने राजद के नेता लालू प्रसाद यादव की प्रशंसा की, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ अपने रुख पर कभी समझौता नहीं करते और मुस्लिम समुदाय के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए हमेशा अग्रणी रहे, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों रेयाज आलम ने प्रशांत किशोर की जन सुराज मुहिम पर अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि इसने मुस्लिम बहुल जिलों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है और हालिया बैठकों का उद्देश्य मुस्लिम मतदाताओं से जुड़ना है। आलम ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए कहा कि मायावती के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय से किए गए वादे वास्तविक राजनीतिक समावेश में बदल नहीं सके थे।आलम ने कहा, "चुनावी लाभ के लिए मुस्लिम समुदाय का उपयोग करना और चुनावों के बाद उन्हें हाशिए पर डालना, भारतीय राजनीति में बार-बार देखा गया है। हमें सतर्क रहना होगा ताकि हम उसी निराशा के चक्र में न फंसें और हमारा समर्थन उन लोगों को मिले जो वास्तव में हमारी भलाई के लिए प्रतिबद्ध हों।

रेयाज आलम का संबोधन बिहार के मुस्लिम समुदाय से एकता और सावधानी की अपील है, जिसमें उन्होंने नए राजनीतिक संगठनों के साथ गठबंधन करने से पहले दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि एकजुट और सतर्क समुदाय सूचित निर्णय ले सकता है जो उसके हितों की रक्षा करेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और सम्मान को बढ़ावा देगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
रेयाज आलम
प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉपोरेट पेशेवर

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बैली रोड पटना में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बैली रोड पटना में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ` इस समारोह में विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मनोयोगपूर्वक भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने की। मुख्य अतिथि सह अध्यक्ष के रूप में अपनी उपस्थिति में उन्होंने संपूर्ण कार्यक्रम को अत्यंत ही व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाया। दीप प्रज्वलन एवं गुरु वंदना से सृजित आनंदमयी एवं भाव प्रधान वातावरण में छात्र-छात्राओं ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति से सबका मन मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर छात्रों एवं शिक्षकों के द्वारा सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के

जीवनवृत पर प्रकाश डाला गया तथा उनके गुणों का बखान किया गया` इस मौके पर बारहवीं की छात्रा अनामिका एवं प्रिया ने माता-पिता एवं गुरु की

चरणवंदना से सम्बंधित गीत की प्रस्तुति से वातावरण को मोहक रूप प्रदान कर दिया। प्राचार्य महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में शिक्षक दिवस मनाये जाने के कारण, औचित्य आदि पर विस्तारपूर्वक सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित किया तथा उनके त्याग, समर्पण, कर्मनिष्ठा से सीख लेने की बात कही। उन्होंने ने भारतरत्न सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन को भारतमाता का सच्चा सपूत बताया तथा उन्हें एक महान दार्शनिक, शिक्षाविद, राजनेता समाजसेवी, लेखक, प्रखर वक्ता एवं कुशल संपादक के रूप में याद किया। उन्होंने उनके जीवनसंघर्ष एवं उपलब्धियों का उल्लेख कर छात्रों को इससे प्रेरणा लेने का सन्देश दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं के छात्र शाश्वत राज एवं स्वीकृति सिंह ने किया।

नाव पलटने से 9 लोग डूब गए। इसमें नाव सवार 2 सगे भाई की मौत गई। बाकी 7 लोगों को जिला प्रशासन की टीम और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर बचा लिया है। घटना के बाद इलाके के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रशासन की टीम ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया है। घटना जिले के कांटी थाना क्षेत्र के कलवारी गांव का है। जहां लगभग 9 लोग एक नाव पर सवार होकर जमीन मापी के लिए बूढ़ी गंडक नदी को पार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक नाव अनियंत्रित होकर बीच नदी में ही पलट गई। इसके बाद नाव पर सवार सभी लोग बूढ़ी गंडक नदी में डूबने लगे। लेकिन हादसे के बाद स्थानीय लोगों द्वारा 7 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। डूबने से कलवारी गांव निवासी 2 भाई डॉ.अजित कुमार चौधरी और मौत हो गई है। घटना की सूचना पर कांटी अंचल अधिकारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। वहीं, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया गया है। पश्चिमी एसडीएम श्रेया ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई की कांटी के कलवारी गांव के एक नाव से 9 लोग नदी पार कर रहे थे। इसमें से नाव पलटने के कारण सभी डूबने लगे। 7 लोगों को बचा लिया गया है। जबकि 2 लोगों की डूब कर मौत हो गई। उनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया जा रही है। विनोद चौधरी ने बताया कि हमलोग नाव पर सवार होकर मिथनसराय जमीन देखने गए थे। जमीन सर्वे का काम हो रहा उसी को लेकर चौहदी लिखने गए थे। उधर से वापस आ रहे थे। तभी अचानक नाव डूब गया। सभी लोग डूब गए।

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा- सरकार फैसला ले चुकी है, स्कूल अपनी कमियां दूर करे

पटना। वित्त रहित स्कूलों के अनुदान के बकाया पैसे का भुगतान जल्द किया जाएगा। सरकार की तरफ से इस संबंध में निर्णय ले लिया गया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी कि वित्त रहित स्कूलों के बकाया राशि का जल्द भुगतान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नियम के मुताबिक वित्त रहित शिक्षकों को कुछ मूलभूत सुविधाएं देनी होती है, जहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। ऐसे स्कूलों का कोर्स सस्पेंड किया गया था। अब एक बार फिर से स्कूलों

को कहा गया है कि अपनी सुविधाओं को बेहतर बनाए सरकार अपना काम कर रही है। राज्य के लगभग 45 हजार वित्त रहित शिक्षक प्रदेश के 1450 अनुदानित माध्यमिक, इंटरमीडिएट और डिग्री कॉलेजों में कार्यरत हैं। कई कॉलेजों को 6 से 9 साल से अनुदान की राशि नहीं मिली है। इसके लिए वो पिछले कई वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। दो दिन पहले विधान परिषद में शिक्षक कोटे से जीत कर आए सभी टछउ ने भी इसकी मांग की थी, तब शिक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया था कि इसका समाधान जल्द निकाल लिया जाएगा। वहीं लागातार डोमिसाइल नीति में हो रहे बदलाव की मांग पर शिक्षा मंत्री ने कहा है कि फिलहाल राज्य की अपनी डोमिसाइल नीति है।

घर से उठाकर ले गए, चिल्लाई तो मुंह पर कपड़ा बांधा, मौत के बाद छोड़कर भागने लगे

गया। में 5 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप हुआ है। बच्ची अपनी छोटी बहन और पिता के साथ घर के बाहर सोई थी। शराब के नशे में गांव के दो युवक उसे उठा कर ले गए। दोनों ने नशे में नदी किनारे ले जाकर बच्ची से दुष्कर्म किया। मासूम जब रोने लगी तो उसके मुंह पर कपड़ा बांध दिया। रेप के दौरान ही बच्ची की मौत हो गई। भागने के दौरान एक युवक पकड़ा गया। जबकि दूसरे आरोपी को उसके घर से पकड़कर पुलिस को सौंप दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। बच्ची के शव को

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज गया भेज दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान संदीप कुमार मांझी और गौतम पासवान के रूप में हुई है। एसएचओ अजीत कुमार ने दोनों आरोपियों से थाने में पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया। दोनों की उम्र 20 और 25 साल है। मृतका के पिता ने बताया कि आने वाले तीज त्योहार को लेकर पत्नी पड़ोस में रात के समय झूमर गाने चली गई थी। जिसके बाद मैं घर के बाहर दो नाबालिग बेटियां को लेकर सो गया। इसी दौरान अभियुक्त नाबालिग बेटी को उठा कर ले गया। गहरी नींद के कारण पता नहीं चला। ढूंढते नदी किनारे पहुंचे तो गांव का युवक संदीप मांझी भागने लगा। लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा।

आरा सिविल कोर्ट के हेड क्लर्क को किया निलंबित

आरा। सिविल कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा काम में लापरवाही बरतने पर एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद कर्मचारियों ने बुधवार को आरा सिविल कोर्ट में काम का बहिष्कार कर दिया है। सभी कर्मचारी कोर्ट परिसर में काम का बहिष्कार कर बाहर बैठे हुए है। वहीं, सीजेएम ऑफिस के हेड क्लर्क विनोद कुमार शर्मा को सस्पेंड किया गया है। इन्होंने 2021 के अक्टूबर में सीजेएम ऑफिस में हेड क्लर्क में ज्वाइन किया था। उससे पहले एडीजे वन में क्लर्क थे। वहीं, निलंबित क्लर्क विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि चरपोखरी 93/9 के रेकड के संबंध में आदेश फलप कर 7 पन्ना और FIR का एक पन्ना मिल गया। बाकी रेकड नहीं मिलने की वजह से बिना नोटिस और बिना शोकॉज के मुझे सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मुझसे स्पष्टीकरण मांगा भी नहीं गया है। इसके विरोध में हमलोग लगभग 300 कर्मचारी न्याय काम से अलग है।

संक्षिप्त डायरी

पेरिस पैरालिंपिक में मेडल से चूके जमुई के शैलेश

जमुई। के एक छोटे से गांव से आने वाले दिव्यांग एथलीट शैलेश कुमार पेरिस पैरालिंपिक में मेडल से चूक गए हैं। वह पुरुष हाई जम्प T-42/63 कैटेगरी में 1.85 मीटर के बेस्ट जंप के साथ चौथे स्थान पर रहे। वे महज 0.03 मीटर से चुके हैं। वहीं, इसी कैटेगरी में भारत को दो मेडल हासिल हुआ। शरद कुमार ने 1.88 मीटर जंप कर सिल्वर मेडल जीता। जबकि मरियप्पन थांगावेलु ने 1.85 मीटर का जंप कर तीसरा स्थान हासिल किया। अमेरिका के ईजरा फ्रेच 1.94 मीटर जंप कर पहले नंबर पर रहे। शैलेश पैरालंपिक में बिहार से भाग लेने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। पिछले साल के पैरालिंपिक में भी उन्होंने ट्रायल दिया था, लेकिन चौथे स्थान पर रहे। शैलेश का जमुई के अलीगंज प्रखंड के इस्लामनगर इलाके में जन्म हुआ है। वह किसान परिवार से आते हैं। वह बचपन से ही दाहिने पैर से दिव्यांग हैं। शैलेश की सफलता की कहानी भी काफी संघर्षों से भरी है। पिता पेशे से किसान हैं और मां गृहिणी है। पिता पूरे दिन खेतों में कुदाल चलाकर खेती के जरिए घर परिवार चलाते हैं। बेटे और उसके खेल के लिए भी पैसे इकट्ठा करते हैं। लेकिन, शैलेश ने अपने पिता का मान बढ़ाने के लिए अपने आप को इस हद तक बेहतर बना लिया है। प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले शैलेश ने बताया कि स्कूल में जब प्रतियोगिता हो रही थी, तो उनका किसी ने नाम दे दिया था। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी। जब प्रतियोगिता हुई तो उनका हाई जंप, लॉन्ग जंप और 100 मीटर के रेस में नाम था। शैलेश काफी अचंभित हुए, लेकिन फिर भी उन्होंने तीनों प्रतियोगिता में भाग लिया और अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद से शैलेश के मन में स्पोर्ट्स के लिए रुचि जाग गई। 24 वर्षीय शैलेश साल 2011 से स्पोर्ट्स में काफी एक्टिव हैं। शैलेश बताते हैं कि जब उन्होंने फैमिली से स्पोर्ट्स में करियर बनाने की बात कही तो परिवारवालों ने साफ मना कर दिया। उनका कहना था कि पढ़ाई करके उन्हें अफसर बनना है, लेकिन शैलेश के बड़े भाई ने उन्हें काफी सपोर्ट किया। बाद में उन्होंने स्पोर्ट्स के लिए अपने आप को तैयार किया। बिहार में वैसी फैसिलिटी नहीं मिलने के कारण काफी स्ट्रगल करनी पड़ी। वह नंगे पांव खेत में दौड़कर प्रैक्टिस करते थे। उनके पास प्रॉपर स्पोर्ट्स शू के लिए पैसे तक नहीं थे। 2017 में जयपुर में आयोजित नैशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शैलेश ने नंगे पांव खेलते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। मां प्रतिमा देवी का कहना है कि शैलेश जन्म से ही दिव्यांग था। शैलेश को पालने में बहुत दिक्कत और परेशानी हुई। एक किसान होकर खेती-बाड़ी कर गाय का दूध बेचकर उसे पढ़ाए। बचपन से दिव्यांग जन्म लेने के कारण उसे पटना में भी इलाज कराया, लेकिन वहां भी पैर ठीक नहीं हुआ। चिंता भी थी कि क्यों भगवान ने इस तरह इसको जन्म दिया है। उसका आगे क्या होगा। मां के मुताबिक, 'डॉक्टर का कहना था कि उसका ऑपरेशन करना पड़ेगा। ऑपरेशन कराने से शैलेश के पिता मना कर दिया। उनका कहना था लड़का है, रहने दीजिए। लड़की होती तो चिंता की बात होती। 2 साल तक शैलेश को मायके नवादा में लेकर रहे। वहां भी इलाज कराए, एक महीने तक एक्सरसाइज भी करवाए, लेकिन ठीक नहीं हुआ। वह दिव्यांग ही रह गया। उसकी पढ़ाई के लिए हमने अपना खेत गिरवी रखा। कर्ज भी लिए।' इधर, पिता शिवनंदन यादव ने बताया कि शैलेश के नाना ने हमारी बहुत मदद की थी। पटना में डॉक्टर ने कहा कि बिना ऑपरेशन शैलेश का पैर ठीक नहीं हो पाएगा। शैलेश के पैर के ऑपरेशन के बारे में जब हमसे राय ली गई, तो हमने डर से मना कर दिया। शैलेश जब पढ़ाई करने लगा था, तब उसके लिए 2 बीघा जमीन गिरवी रखी। शैलेश पढ़ना भी चाहता था। खेलता भी था। वह स्कूल समय पर जाता था। पिता ने आगे बताया, 'हमें पता ही नहीं चलता था कि वह पढ़ रहा है या खेल रहा है। शैलेश पेरिस में खेलने से पहले 2023 में पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था। शैलेश ने जमुई, पटना, हरियाणा, गुजरात में भी खेला है। अभी वह पेरिस में खेल रहा है। शैलेश के साथ उसके जो भी साथी प्रैक्टिस में जाते थे, वह कहते थे कि हम तुमसे जीत नहीं पाएंगे। उसके साथ प्रैक्टिस करने के लिए कोई तैयार नहीं होता था। उसके साथ कई लड़कों ने प्रैक्टिस किया, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली।'

वनकर्मी और ग्रामीणों में डर, अधिकारियों ने लोगों से जंगली क्षेत्र में नहीं जाने की अपील

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) इन दिनों नेपाली हाथियों के उत्पात से जूझ रहा है, जिससे वनकर्मी के साथ स्थानीय लोग भी परेशान हैं। इस बिच गोनौली वन क्षेत्र में स्थित एसएसबी कैंप के समीप हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया, जिसमें चेक पोस्ट और स्थानीय दुकानों को काफी नुकसान पहुंचा। इसके बावजूद वीटीआर के लिए यह घटनाएं शुभ संकेत भी लेकर आ रही हैं। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व का वनक्षेत्र हाथियों के अधिवास के लिए अनुकूल साबित हो रहा है, क्योंकि नेपाल के चितवन राष्ट्रीय निकुंज से लगातार हाथियों का झुंड यहां आ रहा है। इससे यह जाहिर होता है कि वीटीआर का पर्यावरण हाथियों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल निवास स्थान बनता जा रहा है। वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डॉ. नेशामणी के. ने भी इस बात की पुष्टि की है कि नेपाल से हाथियों का आना इस बात का संकेत है कि वीटीआर का जंगल उनके लिए एक उपयुक्त वातावरण प्रदान कर रहा है।वीटीआर प्रशासन ने हाथियों की लगातार आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा के उपाय तेज कर दिए हैं और वनकर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही जंगल से सटे गांवों के लोगों से अपील की जा रही है कि वे जंगलों और सरेहों की ओर जाने से बचें।

नालंदा में पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार, एक माह पहले सड़क पर मिली थी लाश

नालंदा। जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र में हुई कंपाउंडर की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। यह हत्या पुरानी रंजिश में बताई जा रही। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 31 जुलाई और 1 अगस्त के दौरान रात को अस्थावां थाना क्षेत्र के चुलिहारी गांव में 24 वर्षीय सुमन कुमार गिरी की हत्या कर दी थी। मृतक का शव 1 अगस्त की सुबह चुलिहारी रोड पर मिला था। जांच के दौरान पता चला कि मृतक अपने पिता के कहने पर इलाज के लिए किशनपुर (महानन्दपुर) गांव गया था, जहां से नहीं लौटा। सदर डीएसपी ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करते हुए जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने 26 वर्षीय दीपक कुमार को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। पूछताछ में दीपक ने अपना जुर्म कबूल लिया और बताया कि उसके साथी विक्रम कुमार ने भी इस हत्या में मदद की थी। विक्रम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह हत्या एक साल पहले हुई घटना का बदला थी। दीपक के भाई रोहित को गोली मारी गई थी, जिसमें वादी (मृतक के पिता) का हाथ था। दीपक ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर वादी के बेटे सुमन की हत्या कर बदला लिया।

जमुई में 6 दिन पहले प्रेमी संग भाग गई थी महिला, पति के बुलाने पर पहुंची थी घर

जमुई। में एक महिला और उसके पति को ग्रामीणों ने अर्धनग्न कर ढोल-नगाड़े के साथ पूरे गांव में घुमाया। इससे पहले महिला के बाल काटे गए और दोनों को चप्पल की माला भी पहनाई गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। ग्रामीणों ने दंपती पर समाज को गंदा करने का आरोप लगाया है। दरअसल, महिला कोर्ट मैरिज करने के बाद एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। सोमवार देर शाम वो घर पति के पास वापस पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों ने बैठक कर निर्णय लिया कि महिला, उसके पति और प्रेमी को अर्धनग्न कर पूरे गांव घुमाया जाए। इस बात की जानकारी होने पर प्रेमी केदार मंडल फरार हो गया। घटना झाझा थाना क्षेत्र की है। पीड़िता और केदार मंडल (प्रेमी)

ने एक माह पहले कोर्ट मैरिज किया था। केदार मंडल महिला को भगा कर पटना ले गया था। इस बात की जानकारी महिला के पति को हुई। फिर पति ने पत्नी से कहा कि बच्चा रो रहा है, तुम आ जाओ। सोमवार को महिला प्रेमी के साथ गांव पहुंची। जिसके बाद पंचायत में फैसला हुआ कि दोनों को गांव से भगा दिया जाए। रात 8 बजे से देर रात साढ़े 12 बजे तक ड्रामा चला। महिला के बाल काट दिए गए। दंपती के चेहरे पर कालिख पोता गया। जूते-चप्पल की माला पहनाई गई और पूरे गांव में उन्हें घुमाया गया। गांव वालों ने पति को इसलिए सजा दी कि उसने महिला को घर बुलाया था। महिला और उसका प्रेमी दोनों शादीशुदा है। महिला के दो बच्चे हैं, जबकि प्रेमी के चार। फिर भी प्रेम-प्रसंग में दोनों एक-दूसरे के साथ फरार हो गए थे। दोनों सात दिन बाद जब लौटें तो ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि गांव की कुछ महिलाएं महिला के बाल काट रहीं। अन्य महिलाएं उसकी साड़ी उतार रही हैं। उसके पति को सभी लोग अपमानित कर रहे थे। वीडियो सोमवार रात का है, जो अब सामने आया। झाझा थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पीड़िता के आवेदन पर 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस कार्रवाई में लगी हुई है। पीड़ित महिला ने कहा कि मैं काफी छोटी थी, तभी मेरी शादी हुई थी। मेरे बच्चे की उम्र दो और तीन साल है। जब महिला से पूछा गया कि पति को क्यों सजा दी गई, तो कहा कि हम भी यही सोच रहे कि उसे क्यों सजा दी। मेरे साथ इंसाफ होना चाहिए। मुझे अब केदार के साथ ही रहना है। बच्चों की देखभाल उसके पहले पिता करेंगे। वहीं, केदार की पत्नी ने कहा कि 'मेरे पति कहते हैं कि हम उसी के साथ रहेंगे, तुम्हें नहीं रखेंगे। केदार किसी की बात को नहीं मान रहा था। उस महिला के साथ सही हुआ। मेरे चार बच्चे हैं। मैं अपने पति के साथ रहना चाहती हूं। झाझा एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि 'मामला संज्ञान में आया है, जिसमें एक महिला और उसके पति के साथ मारपीट कर गांव में घुमाया गया है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। कानूनी कार्रवाई की जाएगी, अभी स्थिति सामान्य है। अब तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।'

श्री कृष्णजन्म स्थान से संबंधित मुकदमों की अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी

श्री कृष्ण जन्मस्थान मस्जिद मामले में हुई आज सुनवाई

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का केस लड़ रहे पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने बताया कि आज हाईकोर्ट में श्री कृष्णा स्थान से संबंधित मुकदमोनों की सुनवाई हुई, उन्होंने बताया कि पिछली डेट पर माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सभी मुकदमों को मेंटेबल मान लिया है, न्यायालय द्वारा एक ऐतिहासिक फैसला दिया गया था जिसमें न्यायालय ने कहा था कि यहां पर वरशिप 1991, लिमिटेशन एक्ट और वर्क बोर्ड एक्ट प्रभावी नहीं है, मुस्लिम पक्ष और हिंदू पक्ष की अधिवक्ताओं के मध्य में लंबी बहस सुनने के बाद में न्यायालय ने यह स्वीकार किया था कि यह सभी मुकदमे सुनने योग्य हैं, मुस्लिम पक्ष में बरसे 1991 लिमिटेशन एक्ट और वर्क बोर्ड एक्ट के बहाने इन मुकदमों को खारिज करने का अनुरोध किया था, हिंदू पक्ष ने भी अपनी-अपनी दलीलें रखी, लंबी बहस सुनने के बाद न्यायालय ने स्वीकार किया कि यह सभी मुकदमे सुने जायेंगे. हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि मुस्लिम पक्ष यही चाहता है कि यह सभी मुकदमे खारिज हो जाएं लेकिन न्यायालय सबूत के आधार पर फैसला करता है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने देश में ऐसा काला कानून पूजा उपासना अधिनियम 1991 बनाया जिसकी वजह से मंदिरों की लड़ाई लड़ना बहुत ही कठिन हो गया है, दिनेश शर्मा फलाहारी ने बताया कि अब हम आधी लड़ाई जीत चुके हैं, अब हमको इंतजार है सर्वे का, जब भी माननीय न्यायालय सर्वे का आदेश देगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. मुस्लिम पक्ष ने कहा कि अभी मामला सुप्रीम कोर्ट में विचारा धीन है, इसलिए इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होनी चाहिए, हिंदू पक्ष की तरफ से कुछ पक्षकार ने अपने कागज जमा किए. दोनों पक्षों को सुनने के बाद अगली सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय ने 23 सितंबर की डेट लगा दी है.इस मौके पर राष्ट्रीय मंत्री गंगा रानी चतुवेर्दी,राष्ट्रीय मंत्री डॉक्टर जमुना शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक,महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर,राहुल गौतम, महंत हरिदास बाबा, विश्व हिंदू परिषद के नेता जयराम शर्मा, बलराम चौधरी, मीडिया प्रभारी ऋचा शर्मा, प्रदेश मंत्री विनीता शर्मा आदि मौजूद रहे.

अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ, श्री कृष्ण जन्मभूमि मामले में गवाही देगा

मथुरा। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ की बैठक श्री गोवर्धन नाथ जी मंदिर छता बाजार मैं आयोजित हुई जिसमें कृष्ण जन्मभूमि ईदगह विवाद मे गवाहों के रूप में श्री कृष्ण जन्म भूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा के आवाहन पर अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ अपनी गवाही देने का संकल्प लिया तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं प्रयाग नाथ चतुवेर्दी रंगाचार्य लोकेंद्र नाथ कौशिक ने कहा कि भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण जन्मभूमि की लड़ाई मैं प्रत्येक बृजवासी ततपर होकर हर संभव श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के साथ है ' पक्षकार दिनेश शर्मा ने कहा कि बृजवासियों के आशीर्वाद से भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि की लड़ाई को आगे बढ़ाया जा रहा है जबरन मुगल आकांत' की निशानी भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण की जन्मभूमि पर नहीं रहने
दिया जाएगा, लोकतांत्रिक भारतवर्ष में न्याय को ही सर्वोच्च मानकर हम न्यायालय में ही पूर्ण विश्वास रखते हैं निश्चित रूप से जीत सनातन धर्म की होगी भगवान योगेश्वर श्री कृष्णा अपने मूल गर्भ ग्रह में विराजमान होंगे ऐसा हमें विश्वास है वेद प्रकाश कौशिक, ब्रज प्रांत अध्यक्ष लालजी भाई शास्त्री, यज्ञ तत्व शास्त्री, पंडित मुरारी लाल उपाध्याय, विनोद चतुवेर्दी ने बैठक को संबोधित किया बैठक का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक ने किया में प्रमुख रूप से घनश्याम हरियाणा,मनीष शंकर शास्त्री, नटवर न'गर ठाकुर नरेश सिंह, पंडित जयराम शर्मा, महेश कुमार बघेल, आदि उपस्थित थे

खंडेलवाल ट्रैक्टर शोरूम में हजारों की चोरी

मथुरा। फर्म श्री खंडेलवाल ट्रैक्टर सौंख रोड राधिका विहार के शोरूम में बीती रात्रि अज्ञात चोर ने हजारों रुपए की नगदी और चांदी के सिक्के चोरी कर लिए। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी गई है। चोरी की घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है जिसके आधार पर पुलिस चोर की तलाश में जुट गई है। कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में शोरूम के पार्टनर मुकेश खंडेलवाल ने बताया है कि शोरूम में पर निर्माण का कार्य चल रहा है। बीती रात्रि शोरूम के पीछे वाली साइड से रात्रि सवा बजे के लगभग एक अज्ञात चोर 90 हजार रु की नगदी , चांदी के छोटे बड़े कई सिक्के चुरा कर ले गया है। शोरूम पर चौकीदार करीब 10 दिन से अस्वस्थ होने के कारण नहीं आ पा रहा। चोरी की इस घटना से व्यापारियों में आक्रोश फैल गया है।

रिस्पैक्ट एज इंटरनेशनल के द्वारा अंतरराष्ट्रीय वसुंधरा रत्न अलंकरण समारोह 10 सितम्बर को

डॉ. गोपाल चतुवेर्दी

वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीगौरी गोपाल आश्रम में रिस्पैक्ट एज इंटरनेशनल (अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समिति) का 62 वां वार्षिकोत्सव व अंतरराष्ट्रीय वसुन्धरा रत्न पुरुस्कार समारोह 10 सितम्बर 2024 को दोपहर 2:30 बजे से आयोजित किया गया है। जानकारी देते हुए डॉ. गोपाल चतुवेर्दी ने बताया है कि स्व. हरि शंकर गुप्ता और डॉ. गिरीश गुप्ता द्वारा संस्थापित संस्था रिस्पैक्ट एज इंटरनेशनल के वार्षिकोत्सव के अंतर्गत वृहद संत-विद्वत सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।जिसमें देश के कई प्रांतों के प्रख्यात संतो, विद्वानों एवं धमार्चार्यों के द्वारा आर्तपुकार- कौन हमें वृद्धाश्रम में भेजने से रोकेगा? संतजन, समाज, शिक्षक, सरकारें मौन हैं? विषय पर विचार-विमर्श किया जाएगा। रिस्पैक्ट एज इंटरनेशनल के सह संस्थापक डॉ. गिरीश गुप्ता व कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. वी.डी. अग्रवाल ने बताया कि समारोह के अंतर्गत विश्वविख्यात भागवताचार्य व गौरी गोपाल आश्रम के संस्थापक आचार्य अनिरुद्धाचार्य महाराज को अंतरराष्ट्रीय वसुंधरा रत्न पुरूस्कार -2024 प्रदान किया जाएगा। जिसके अंतर्गत आचार्य अनिरुद्धाचार्य महाराज को संस्था की ओर से 101001 रूपए की धनराशि, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया है कि समारोह के मुख्य अतिथि मां वृष्णौ देवी धाम मंदिर के संस्थापक जे.सी. चौधरी होंगे।

संस्कृति विश्वविद्यालय में विभाजन की विभीषिका पर मंथन

मथुरा। देशभर में इस वर्ष मनाए जा रहे काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के अंतर्गत संस्कृति विश्वविद्यालय में देश के विभाजन की विभीषिका पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने जहां देश के विभाजन की बारीकियों पर चर्चा की वहीं शिक्षा में भारतीयता तथा नागरिकों के चरित्र में राष्ट्रीयता की प्रधानता की आवश्यक पर बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. रजनीश कुमार त्यागी ने विभाजन की विभिषिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का विभाजन केवल मजहबी कारणों से नहीं हुआ था बल्कि इसके पीछे विदेशी ताकतों की साजिश भी शामिल थी। उन्होंने ब्रिटेन की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्रिटेन को डर था कि भारतीय सेना, जिसने द्वितीय विश्व युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी, कहीं स्थल मार्ग से सीधे यूरोप में न प्रवेश कर जाए। इस आशंका से बचने के लिए पाकिस्तान का निर्माण एक दीवार के रूप में किया गया, ताकि भारतीय सेना की शक्ति को सीमित किया जा सके। इसके बाद, डॉ. त्यागी ने प्रोफेसरों की राष्ट्रभक्ति में भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही वे लोग हैं जो नई पीढ़ी के राष्ट्रभक्तों को तैयार करने में सक्षम हैं। उनके अनुसार, यदि शिक्षक अपनी भूमिका को सही ढंग से निभाएं, तो वे राष्ट्र के भविष्य को सशक्त बना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रभक्ति सभी के लिए नहीं होती; यह एक विशेष विचारधारा है जिसे समझने और अपनाने के लिए मुट्ठी भर लोग ही पर्याप्त होते हैं। इन चंद लोगों के समर्पण और संघर्ष से ही देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। डॉ. त्यागी ने अपने संबोधन में चीन और पाकिस्तान की साजिशों का भी जिक्र किया। सेमिनार में विद्यार्थियों, शिक्षकों, और शोधकताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिन्होंने विभाजन विभीषिका और वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर गहन विचार किया।

संक्षिप्त डायरी

मथुरा महानगर में हुआ सदस्यता अभियान का औपचारिक शुभारंभ

मथुरा। भाजपा के सदस्यता अभियान का विधिवत शुभारंभ प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर किया गया। गुरुवार को धोली प्याऊ स्थित एक होटल में भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी द्वारा सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में आए प्रदेश परिषद सदस्य गोपाल अंजान ने राज्यसभा सांसद चौधरी तेजवीर सिंह एवं गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह को मिस कॉल के द्वारा पार्टी की सदस्यता दिलवाई। भाजपा नेता गोपाल अंजान ने सभी से ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इस अभियान के जरिए जो लक्ष्य का रखा गया है, उसे पूरा करें। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से इस बार सदस्यता का नया रिकॉर्ड बनेगा और भाजपा फिर विश्व की सबसे बड़ा राजनीतिक पार्टी बनेगी। राज्यसभा सांसद चौ तेजवीर सिंह ने कहा कि पार्टी अपनी रीति और नीति के साथ आगे बढ़ रही है इसलिए देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार है और आम जनता के लिए लगातार काम कर रही है।

डीएम ने चार श्रमिकों के हितलाभ आवेदन किए स्वीकृत

मथुरा । सहायक श्रमायुक्त एम0 एल0 पाल ने अवगत कराया है कि ई-श्रम में पंजीकृत 04 श्रमिकों का जिलाधिकारी द्वारा हितलाभ के आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया है। अगस्त 2021 से मार्च 2022 के मध्य पंजीकृत व इसी अवधि में दुर्घटना के परिणाम स्वरूप मृत व्यक्तियों के परिजनों को भारत सरकार द्वारा एक्स ग्रेशिया के रूप मे रुपए 2,00,000/- (रुपए दो लाख) का हितलाभ प्रदान किया जाता है। सहायक श्रमायुक्त एम०एल०पाल द्वारा बताया गया है कि ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों को क्षेत्रीय श्रम प्रवर्तन अधिकारियों से जॉच करायी गयी, जिसमें 04 श्रमिक पात्र पाये गये थे तथा जिलाधिकारी द्वारा सभी आवेदन पत्रों को ऑनलाइन स्वीकृत कर दिया गया है, भारत सरकार द्वारा लाभर्थियों के खाते में धनराशि भेजी जायेगी।

चट्टा चौथः पुष्पक विमान में विराजमान होंगे गणेश जी

गणेश चतुर्थी पर निकाली जाएगी शोभायात्रा

मथुरा। श्रीकृष्ण की नगरी को गणेष चतुर्थी के पर्व पर गणेशमय करने के लिये ब्रजवासी सेवा समिति द्वारा दो दिवसीय श्री गणेश महोत्सव भव्य रूप में मनाने का निर्णय लिया है। स्थानीय होटल में हुई बैठक में समिति के संस्थापक शशिभानु गर्ग ने कहा कि सात` सितम्बर श्री गणेश चतुर्थी पर्व पर प्रातः आठ बजे जेबी प्लाजा डोरी बाजार से श्री गणेश जी कि भव्य शोभायात्रा बैण्ड बाजो, नंगाड़ो के साथ चौक बाजार, मण्डी रामदास, डीग गेट होते हुये अंगूरी वाटिका पहुंचेंगी व वहां से सरस्वती कुण्ड स्थित अग्रवाटिका पहुंचकर श्री गणेश जी की स्थापना की जायेगी जिसकी जोरदार तैयारियां चल रही है। अध्यक्ष पराग गुप्ता ने बताया कि शोभायात्रा में हापुड़, दिल्ली, गाजियाबाद के मशहूर बैण्डों से साथ भांगड़ा पार्टी, बीन पार्टी, डोल मजीरा पार्टी आदि को भी शामिल किया गया है सम्पूर्ण मार्ग को तोरण द्वार व बंदरबान से साजने की व्यवस्था कि जा रही है। उपाध्यक्ष अनूप अग्रवाल व मनोज अग्रवाल ने बताया कि गणेष जी कि दिव्य व भव्य गणेश मूर्ति का निर्माण ईको फ्रेडली तरीके से महाराष्ट्र के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। प्रतिमा को स्वर्ण, चांदी व माणिक से श्रृंगार के साथ महाराष्ट्रीय स्वाफा आकर्षण का केन्द्र रहेगा। श्री गणेश जी के लिये विशेष रूप से नाथ द्वारा शैली में रथ का निर्माण कराया जा रहा हैं। मंत्री सोनल अग्रवाल व उपमंत्री गगन बंसल ने कहा कि गणेश स्थापना के पश्चात सायं बॉलीवुड के मशहूर कलाकारों द्वारा गणेश जी का गुणगान किया जायेगा व समिति के नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा शानदार गणेश स्तुति व भारत के विभिन्न प्रांतों के परिवेश में फैंसी ड्रेस शो का आयोजन होगा।

महावन में हुई सीमेंट सप्लायर की हत्या का खुलासा

मुठभेड़ में दो हत्यारोपी गोली लगने से हुए घायल

मथुरा। एक सितम्बर को महावन क्षेत्र में हुई सीमेंट सप्लायर की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सीमेंट सप्लायर की हत्या कर लूटपाट की गई थी। कारोबारी का कार के अंदर बरेली जयपुर हाईवे पर शव मिला था। गमछा से गला घोटकर हत्या की गई थी। थाना महावन पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम की थाना महावन क्षेत्रान्तर्गत अभियुक्त हरेन्द्रपाल उर्फ गांधी पुत्र महीपाल निवासी मनोहरपुर थाना महावन व गीतम सिंह पुत्र स्व. राजबहादुर निवासी मनोहरपुर थाना महावन लक्ष्मीनगर महावन रोड पर नगला पापरी तिराहा के पास मुठभेड़ के दौरान घायल हो गये। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त गीतम सिंह के दोनों पैर में व अभियुक्त हरेन्द्रपाल उर्फ गांधी के एक पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं। इनके कब्जे से मृतक से लूटी गयी एक चैन व एक अंगूठी व नगदी तथा असलाह, कारतूस तथा एक मोटर साईकिल बिना नम्बर की बरामद हुई है। दोनों को उपचार के लिए पुलिस निगरानी में जिला अस्पताल मथुरा भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक मृतक जितेन्द्र सिंह की कर्मयोगी बालाजीपुरम मथुरा में बिल्डिंग मिटेरियल व थोक में सीमेन्ट बिक्री की दुकान है। हरेन्द्रपाल की ग्राम मनोहरपुर में बिल्डिंग मिटेरियल की दुकान है। हरेन्द्रपाल करीब दो वर्ष से मृतक जितेंद्र सिंह से सीमेंट खरीदता चला आ रहा था, करीब एक महीने से हरेन्द्रपाल ने मृतक जितेन्द्र सिंह से सीमेन्ट खरीदना बन्द कर दिया तथा मृतक जितेन्द्र सिंह से पूर्व में खरीदे गये सीमेंट के करीब 75000 रुपये बकाया थे। हरेन्द्रपाल नहीं दे रहा था, उधारी के रुपयों का मृतक जितेन्द्र सिंह लगातार तगादा कर रहा था।`

हिंदू पक्ष ने ट्रायल के लिए रखे अपने पॉइंट, मुस्लिम पक्ष जवाबी हलफनामा दाखिल करेगा

प्रयागराज। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद के मामलों में दाखिल याचिकाओं पर बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच दोपहर दो बजे से मामले की सुनवाई करेगी। 12 अगस्त को ट्रायल शुरू होने पर वाद बिंदु तय करने के मुद्दे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। शुरू हुए ट्रायल को लेकर हिंदू पक्ष ने कोर्ट के सामने सुनवाई के लिए पॉइंट रखे थे। वहीं मस्जिद पक्ष ने लिखित कथन (जवाबी हलफनामा) दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। मंदिर पक्ष ने इसका विरोध किया था और कहा था कि जवाब दाखिल करने का समय बीत चुका है। 1 अगस्त को हिंदू पक्ष की याचिकाओं को मंजूर करने के बाद से इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुकदमे का ट्रायल शुरू हो गया है। 18 सिविल वादों की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन कर रहे है। पिछली सुनवाई में क्या हुआ था इलाहाबाद हाईकोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से संबंधित वाद पर चार घंटे सुनवाई चली थी। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षकारों ने वाद बिंदु के लिए अपने प्रस्ताव कोर्ट को दिए। आज की सुनवाई में शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी ने अपनी आपत्ति दाखिल की है। मस्जिद कमेटी ने कोर्ट को दलील दिय कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से फैसला आने तक मुकदमों का ट्रायल न किया जाए। हिंदू पक्ष की तरफ से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल पर रोक नहीं लगाई है, इसलिए मुकदमों का ट्रायल चलते रहना चाहिए। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच में दोनों पक्षकारों की तरफ से दलीलें दी जाती रहीं। पिछली सुनवाई में इस वाद में शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता नसीरुज्जमा ने शिकायत किया था कि वाद की प्रति उन्हें देने के आदेश का पालन नहीं किया गया। इसी कारण वह कोर्ट में जवाब दाखिल नहीं कर पाए। वादी अधिवक्ता शशांक सिंह ने कहा था कि वाद की प्रति विपक्षी अधिवक्ता को दी जाएगी। इसी मामले पर सोमवार को दलीलें रखी जाएंगीं। 6 जुलाई को हुई सुनवाई में क्या हुआ थामथुरा के ठाकुर केशव देव जी महाराज विराजमान मंदिर कटरा केशव देव और अन्य, भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव सिविल वाद संख्या तीन और दस की सुनवाई हुई थी। तब इस मामले में आगरा की जामा मस्जिद के अरकसर्वे की मांग उठ गई थी। कहा गया था कि श्रीकृष्ण मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद में दफनाया गया। मामले में शाही ईदगाह मस्जिद की प्रबंध समिति को पक्षकार बनाने की अर्जी पर वादी अधिवक्ता आरएस यादव व महेंद्र प्रताप सिंह ने आपत्ति दाखिल करने का समय मांगा। साथ ही एएसआई के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने भी जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा था। आगरा की जामा मस्जिद से जुड़ गया विवाद मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने सात दिन का समय देते हुए अगली सुनवाई कि तिथि 12 अगस्त नीयत की है। इस मामले में आगरा की जामा मस्जिद की सीढ़ियों की एएसआई सर्वे की मांग की गई है। वादी का कहना है कि मथुरा में श्रीकृष्ण भगवान का मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दफनाया गया है। जिसकी सांटिफिक जांच से पता चल सकेगा। वादी अधिवक्ताओं का कहना था कि शाही ईदगाह मस्जिद समिति का इस मामले से कोई सरोकार नहीं है। उसे पक्षकार बनाने की जरूरत नहीं है। केवल केस लटकाये रखने के लिए वह पक्षकार बनना चाहती है। कोर्ट ने वादी की तरफ से दाखिल आपत्ति में त्रुटि होने पर नाराजगी जताई। कहा कि उपयुक्त आवेदन शपथपत्र के साथ दाखिल करें। अधिवक्ता का दावा है कि 1670 में औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का विध्वंस किया था। इस दौरान गर्भगृह के विग्रह को खंडित कर हिंदू धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने के लिए जामा मस्जिद आगरा की सीढ़ियों में लगा दिया गया था। उन्होंने याचिका दाखिल कर जांच के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने व एएसआई जांच कराने की मांग की है।

पूर्व राष्ट्रपति एवं महान् शिक्षाविद् , दार्शनिक स्व.डॉ राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को यादगार दिवस के रूप में इसे शिक्षकों को समर्पित किया गया हैं। दिनोदिन शिक्षक की गरिमा उसके योगदान, महत्व का हास होता जा रहा हैं जिसके लिये कुछ तो स्वयं शिक्षक जिम्मेदार हैं तथा सम्पूर्ण समाज तो जिम्मेदार हैं ही।

शिक्षक दिवस

मिट्टी के समान शिष्य को गुरु ही शिक्षा से मानव बनाता

5 सितम्बर शिक्षक दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार ''शिक्षक'' का स्मरण मान सम्मान औपचारिक रूप से किया जाता हैं। केवल एक दिवस के मान-सम्मान से शिक्षक पूरे वर्ष संतुष्ट एवं खुश रहने में ही अपना बडप्पन महसूस कर जीता रहता हैं। पूर्व राष्ट्रपति एवं महान् शिक्षाविद् , दार्शनिक स्व.डॉ राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को यादगार दिवस के रूप में इसे शिक्षकों को समर्पित किया गया हैं। दिनोदिन शिक्षक की गरिमा उसके योगदान, महत्व का हास होता जा रहा हैं जिसके लिये कुछ तो स्वयं शिक्षक जिम्मेदार हैं तथा सम्पूर्ण समाज तो जिम्मेदार हैं ही।

प्राचीन समय गुरू महिमा से मंडित था । उस युग में सच्चे अर्थो में गुरू समाज निर्माता के रूप में पूजनीय था। शिक्षा व्यवस्था उच्च कोटि की थी, और शिष्य गुरू के चरणों में, गुरू एवं गुरूमाता की सेवा में रहकर अपने आप को गौरवान्वित करता था। सच्चें अर्थो में केवल किताबी ज्ञान ही नही दिया जाता था, वरन् सम्पूर्ण जीवन की विद्याओं को विकसित किया जाता था जिससे जीवन के हर क्षैत्र में कही कोई कमी या कच्चापन न रह सकें। इसका गुरू पूरा ध्यान रखता था। गुरू के चरणों में ही रहकर भगवान के अवतार श्रीराम-कृष्ण ने सम्पूर्ण जीवन की शिक्षा पाई थी। यही कारण है कि आज भी उस समय के गुरू-शिष्य संबंधो को उच्च आदर्श के रूप में देखा जाता हैं। ऐसे शिष्यों के कारण आज गुरू विश्वामित्र, सांदिपनी, द्रोणाचार्य, चाणक्य आदि को अमरत्व का दर्जा मिला हुआ हैं।

आज भी गुरू-शिष्य के रूप में विश्वामित्र-राम, सांदिपनी-कृष्ण, द्रोणाचार्य-अर्जुन-चाणक्य , रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद इसी गुरू शिष्य परम्परा के आदर्श उदाहरण हैं।

अर्वाचीन भारत जगत गुरू के रूप में जाना जाता हैं। इन्ही गुरूओं ने हमें वेद, पुराण, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, गीता, कुरान, बाईबिल, गुरूग्रंथ साहिब सरीखे अमूल्य उपहार - रत्न हमें दियें हैं, जों आज हमारी ही नही विश्व-शान्ति के रूप में अपना सर्वोच्च स्थान बनाये हुए हैं।

गुरू महिमा इसी से सिद्ध होती हैं कि

'' गुरू-गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पांय।
बलहारी गुरू आपकी , गोविन्द दियो बताय।। अर्थात गुरू और गोविन्द (भगवान) दोनों पास-पास खडें हैं शिष्य के मन में यह दुविधा है कि पहले किसके पांव पडू। ऐसी दुविधा को गोविन्द(भगवान) ने सरलता से समाधान निकाल दिया है कि पहले गुरू के श्रीचरणों में नमन करो, बाद में मेरे (गोविन्द) चरणों में नमन करो।

आज भी गुरू-शिष्य के रूप में विश्वामित्र-राम, सांदिपनी-कृष्ण, द्रोणाचार्य-अर्जुन-चाणक्य , रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद इसी गुरू षिष्य परम्परा के आदर्श उदाहरण हैं।

इसे कहते है '' गुरू '' गुरू को इस रूप में भी महत्व प्राप्त हैं-

साधु ऐसा चाहिये, जैसे सुप सुभाय,
सार-सार गहि लहै, थोथा देय उडाय।।

गुरू को साधु रूप में महत्व प्रदान किया गया हैं, जो सार को ग्रहण कर थोथा यानि व्यर्थ और हल्की वस्तु को उड़ा देता हैं। अर्थात् शिष्य के मन मस्तिष्क में व्यर्थ और अज्ञान को पास में फटकने नही देता।

गुरू(शिक्षक) को इस तरह भी याद किया जाता हैं-

गुरू उस कुंभकार की तरह है जो अपनी कृति(मटकी) को बाहर से चोट मारता हैं और भीतर से संभालता सहलाता हैं। गुरू अनुशासन प्रिय होता हैं। बाहर से वह कितना ही कठोर क्यों न हो भीतर से वह कुंभकार की तरह ही होता हैं। आधुनिक युग में शिक्षक (गुरू) अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा हैं, जो मान सम्मान उसे अपने शिष्य एवं समाज से प्राप्त होना चाहिये , उसके लियें वह तरस रहा हैं। अपने अल्पवेतन के सहारे अपना जीवन व्यापन करने को मजबूर हो रहा हैं। अनुशासन की छड़ी उसके हाथ से छीन ली गई हैं, जिसके कारण वह प्रायः तिरस्कृत एवं अपमानित होता हैं। आज शिक्षा का स्वरूप बदलता जा रहा हैं। आज शिक्षा बेची जा रही हैं। जगह जगह षिक्षा के नाम पर पैसे कमाने वाली मशीन की तरह गली कूंचे में शिक्षा की दुकाने खुली हुई हैं। आज शिक्षा अर्थोपार्जन का आधार बनती जा रही हैं। यही कारण हैं कि जिसके पास पैसा है वही नीजी संस्थाओं मे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा हैं, और जो श्रीहीन हैं वे उच्च शिक्षा से वंचित हो रहें हैं।

यदि शिक्षक समाज में उचित मान सम्मान मिले, प्रोत्साहन मिलें, परिवार-पोषण की चिंता से वह मुक्त हो जाय तो वह वास्तविक रूप में राष्ट्रनिर्माता बन सकता हैं। समाज और राष्ट्र को सही दिशा दे सकता हैं, जिसकी आज समाज एवं राष्ट्र को खास जरूरत हैं।

गुरू ब्रह्मा , गुर्रू विष्णु, गुर्रू देवो महेश्वरः।
गुर्रू साक्षत् परब्रह्माः, तस्में श्री गुरूवे नमः।।

क्या ऐसा कभी हो सकेगा कि समाज और राष्ट्र इसका उत्तर खोजेगा?

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण के युग मे शिक्षको को भी अपने दायित्व को भली-भाँति निर्वहन करना होगा। अपनी चिर परिचित प्रतिष्ठा और गौरव की रक्षार्थ शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को समझना होगा।

जीवन के सभी कार्यकलाप धर्म से ओत-प्रोत थे, धर्म से नियंत्रित थे। धर्म द्वारा, धर्म के लिए और धर्ममय जीवन शैली प्राचीन भारत की विशेषता थी। वर्तमान जीवन में राजनीति का प्रभुत्व है। धर्म, समाज, अर्थ आदि सभी में राजनीति का प्रवेश है। सभी पर राजनीति हावी है। प्राचीन युग की प्रधानता होने से राजनीति में हिंसा और शत्रुता, द्वेष और ईर्ष्या, परिग्रह और स्वार्थ का बहुल्य न होकर, प्रेम, सदाचार त्याग और अपरिग्रह महत्वपूर्ण थे। उदात्त भावनायें बलवती थीं। दिव्य सिद्धान्त जीवन के मार्गदर्शक थे। सामाजिक व्यवस्था में व्यक्ति प्रधान नहीं था, अपितु वह परिवार और समाज के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करने को तत्पर था। उदात्त वृत्ति की सीमा सम्पूर्ण वसुधा थी। जीवन का आदर्श 'वसुधैवकुटुम्बकम्' था।

प्राचीन भारतीय शिक्षा दर्शन

जीवन-दर्शन और शिक्षा-दर्शन के मध्य वैषम्य की कोई कल्पना नहीं की जा सकती है। वे एक-दूसरे के पूरक हैं और एक-दूसरे को प्रभावित भी करते हैं। जीवन-दर्शन की दृष्टि से प्राचीन भारतीय दर्शन के विभिन्न कालों के बीच गहरी रेखायें नहीं खींची जा सकती हैं। प्राचीन भारत की संस्कृति शाश्वत और सतत् रही है, अविभाज्य रही है। विद्वानों ने वैदिक संस्कृति से महाकाव्य (रामायण और महाभारत) कालीन संस्कृति में प्राथक्य स्थापित करने के प्रयत्न किये हैं, किन्तु बाद वाले काल में भी वैदिक संस्कृति और जीवन शैली का स्पष्ट प्रभाव है; साम्य भी है। वैदिक जीवन शैली महाकाव्यकालीन जीवन शैली में प्राचुर्य है। यह सत्य है कि रामायण और महाभारत में वर्णित कुछ जीवन पद्धतियाँ वैदिक काल में नहीं हैं। अत- वेदकालीन जीवन-दर्शन का अस्तित्व पृथक से स्वीकार किया जा सकता है। इसी तारतम्य में यदि हम महाकाव्यकालीन युग का पृथक अस्तित्व भी स्वीकार करते हैं तब भी वैदिक संस्कारों का युग में भी विद्यमान होना स्वीकार करना ही होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में प्राचीन भारत के इतिहास को एक इकाई के रूप में होना चाहिए। इसी तारतम्य में प्राचीन भारतीय शिक्षा-दर्शन को भी सर्वप्रथम एक इकाई के रूप में ही मान्य किया जाना चाहिए। यह हो सकता है कि सूक्ष्म दृष्टि से विचार करने के लिए उपर्युक्त दोनों युगों की सीमायें निर्धारित की जायें किन्तु विशेषकर बाद वाले युग में प्रथम युग की इतनी अधिक विशेषतायें विद्यमान हैं कि दोनों युगों के जीवन-दर्शन और शिक्षा-दर्शन पर एक साथ विचार करना भी उपयोगी होगा।

प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन धर्ममय था। जीवन के सभी कार्यकलाप धर्म से ओत-प्रोत थे, धर्म से नियंत्रित थे। धर्म द्वारा, धर्म के लिए और धर्ममय जीवन शैली प्राचीन भारत की विशेषता थी। वर्तमान जीवन में राजनीति का प्रभुत्व है। धर्म, समाज, अर्थ आदि सभी में राजनीति का प्रवेश है। सभी पर राजनीति हावी है। प्राचीन युग की प्रधानता होने से राजनीति में हिंसा और शत्रुता, द्वेष और ईर्ष्या, परिग्रह और स्वार्थ का बहुल्य न होकर, प्रेम, सदाचार त्याग और अपरिग्रह महत्वपूर्ण थे। उदात्त भावनायें बलवती थीं। दिव्य सिद्धान्त जीवन के मार्गदर्शक थे। सामाजिक व्यवस्था में व्यक्ति प्रधान नहीं था, अपितु वह परिवार और समाज के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करने को तत्पर था। उदात्त वृत्ति की सीमा सम्पूर्ण वसुधा थी। जीवन का आदर्श 'वसुधैवकुटुम्बकम्' था। जीवन का उद्देश्य धर्म था। धर्ममय जीवन भौतिक उपलब्धियों से श्रेष्ठ माना जाता था।

प्राचीन भारत का शिक्षा-दर्शन भी धर्म से ही प्रभावित था। शिक्षा का उद्देश्य धर्माचरण की वृत्ति जाग्रत करना था। शिक्षा, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के लिए थी। इनका

क्रमिक विकास ही शिक्षा का एकमात्र लक्ष्य था। धर्म का सर्वप्रथम स्थान था। धर्म से विपरीत होकर अर्थ लाभ करना मोक्ष प्राप्ति का मार्ग अवरुद्ध करना था। मोक्ष जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य था और यही शिक्षा का भी अन्तिम लक्ष्य था। प्राचीन काल में जीवन-दर्शन ने शिक्षा के उद्देश्यों को निर्धारित किया था। जीवन की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का प्रभाव शिक्षा दर्शन पर भी पड़ा था। उस काल के शिक्षकों, ऋषियों आदि ने चित्त-वृत्ति-निरोध को शिक्षा का उद्देश्य माना था। शिक्षा का लक्ष्य यह भी था कि आध्यात्मिक मूल्यों का विकास हो। उस समय भौतिक सुविधाओं के विकास की ओर ध्यान देना किंचित भी आवश्यक नहीं था क्योंकि भूमि धन-धान्य से पूर्ण थी, भूमि पर जनसंख्या का भार नहीं था। किन्तु इसका यह भी अर्थ नहीं था कि लोकोपयोगी शिक्षा का आभाव था। प्रथमतः लोकोपयोगी शिक्षा परिवार में, परिवार के मध्यम से ही सम्पन्न हो जाती थीं। वंश की परंपरायें थीं और ये परम्परायें पिता से पुत्र को हस्तान्तरित होती रहती थीं। व्यवसायों के क्षेत्र में प्रतियोगिता नहीं के बराबर थीं। सभी के लिए काम उपलब्ध था। सभी की आवश्यकताएँ पूर्ण हो जाती थीं।

चाहे वैदिक युग में हो अथवा महाकाव्य काल में हो, प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति में ऋषिगण समाज के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। वे सभी शिक्षक के समधर्मी थे। वे सदा ही आध्यात्मिक सत्ता के गुण गाते थे। उनका जीवन भौतिकता से मुक्त और आध्यात्मिकता में लिप्त रहता था। समाज को भी वे यही शिक्षा और मार्गदर्शन देते थे। वैदिक काल से प्रारम्भ होकर, महाकाव्य काल में यह जीवन-दर्शन परवान चढ़ा। इस प्रकार प्राचीन काल में भारतीय जीवन-दर्शन पूर्णतः आध्यात्मिक रहा और शिक्षा को भी यही दिशा मिली। गुरु परंपरा अत्यंत ही महत्वपूर्ण रही। वेदों का प्रादुर्भाव भी गुरु परंपरा से ही हुआ। तत्पश्चात भी शिक्षा गुरु परम्परा के माध्यम से ही दी जाती रही।

यद्यपि व्यवसायों का शिक्षण अधिकतर गृह प्रांगण में ही होता था किन्तु गुरु-गृह भी गृहस्थी की शिक्षा के समुन्नत केन्द्र थे। भारत उस काल में भी कृषि प्रधान देश था। कृषि, वनोपज और पशुपालन का शिक्षण प्रायः गुरु-गृह में निवास कर प्राप्त होता था। मानव प्रकृति की गोद से दूर नहीं रहता था। गुरु-गृह अधिकतर बस्तियों से दूर रहते थे। उनमें रहने वाले विद्याभ्यामी प्रकृति के प्रांगण में निवास करते थे, विचरते थे, शिक्षा प्राप्त करते थे और अभ्यास एवं अनुप्रयोग करते थे। चाहे धनवान-पुत्र हो या निर्धन-पुत्र, कृषि कार्य एवं वनवास और वनविचरण के कार्यों एवं प्रवृत्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त करते थे। दोनों ही वर्ग के शिष्यों के लिए ऐसे कार्यों द्वारा श्रम का गौरव आत्मसात करना और व्यवहार में लाना उपयोगी माना जाता था। श्रम का गौरव समाज में पूर्णरूपेण प्रतिष्ठित और महिमा मण्डित था। इसके अतिरिक्त सेवा-कार्य को भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त था। गुरु-गृह में गुरु, गुरु-परिवार तथा सहपाठियों की सेवा को उत्कृष्ट कार्य माना जाता था। गुरु की गायों की सेवा भी शिष्य का कर्त्तव्य था। गुरुकुल में मानवोपयोगी पशुओं की संख्या सैकड़ों और हजारों में होती थी।

सामूहिकता का अत्याधिक महत्व था। गुरु सैकड़ों की संख्या में गौपालन इसलिए नहीं करता था कि उसे निजी लाभ हो और उसका परिवार भौतिक सुविधायें भोग सके अपितु इस उद्यम का लाभ गुरुकुल में निवास करने वाले सभी शिष्य आदिवासियों को मिलता था। छान्दोग्य उपनिषद् में महासन्त सत्यकाम की कथा का वर्णन है। प्रारम्भ में तो वे गुरु की गौवों की रक्षा में रत रहते थे बाद में उनकी देख-रेख में सहस्त्र गायों का पालन करते थे। विभिन्न प्रकार के दानों में गौदान का सार्वाधिक महत्व था। गौदान को स्वर्णदान से भी अधिक महान माना जाता था। शिक्षा की आर्थिक व्यवस्था में गोधन सर्वोपरि था। गृहस्थाश्रम के लिए उपयुक्त इस शिक्षा की पृष्ठभूमि में वही सिद्धान्त था जिसको वर्तमान में हम 'क्रिया से शिक्षा' की संज्ञा देते हैं। उच्चतम शिक्षा में भी 'शारीरिक श्रम' और 'क्रिया' का अत्याधिक महत्व था। आध्यात्मिक उन्नति में संलग्न ऋषि एवं शिष्य भी शारीरिक श्रम से दूर नहीं रहते थे।

इसका यही अर्थ है कि शिक्षा केवल सैद्धान्तिक नहीं थी।

व्यवहार और वास्तविकता का भी शिक्षा से उतना ही गहन संबंध था जितना सैद्धांतिक अध्ययन-अध्यापन का। किसी भी कार्य को छोटा नहीं समझा जाता था। ऋग्वेद में ऐसे उदाहरण हैं कि ऋषि स्वयं कवि थे, उनके पिता चिकित्सक थे, उनकी माता उपल प्रक्षिणी अर्थात् आटा पीसने वाली थी और परिवार के तीनों ही सदस्य शिक्षा दान में कार्यरत थे।

क्रिया द्वारा शिक्षा के लिए जीवन एक प्रयोगशाला के समान था। ऋषि कुल में जीवनयापन के मध्य शिक्षा संबंधी प्रयोग और परीक्षण सम्पन्न होते थे।

वाहनों की स्क्रैपिंग और नए वाहन खरीदी पर छूट ग्राहकों को पसंद नहीं

विशेषज्ञों ने कहा- प्रोत्साहन 10 फीसदी बढ़ाने से आएगा सार्थक बदलाव

नई दिल्ली।

वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए वाहन विनिर्माताओं द्वारा दी गई छूट ग्राहकों को लुभाने के लिए काफी नहीं है। वाहन क्षेत्र के विशेषज्ञों का तर्क है कि उपभोक्ताओं को अपने मौजूदा वाहन चलाते रहने या उन्हें किसी को बेचने से ज्यादा दाम मिल सकता है, जिससे स्क्रैपिंग का विकल्प कम आकर्षक बन जाएगा। वाणिज्यिक और यात्री वाहन विनिर्माताओं ने हाल ही में नए वाहन खरीदने पर एक्स-शोरूम कीमत पर 1.5 फीसदी से 3.5 फीसदी तक की छूट देना शुरू किया है। अगर ग्राहक पुराने वाहन को स्क्रैप करते हैं, तो उन्हें यह छूट मिलेगी। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रोत्साहन को करीब 10 फीसदी तक बढ़ाने से व्यावहारिक रूप में ज्यादा सार्थक बदलाव आएगा।

एसऐंडपी ग्लोबल मोबिलिटी के निदेशक ने कहा कि मौजूदा प्रोत्साहन उपभोक्ताओं को अपनी कारों को बेचने या उनका इस्तेमाल जारी रखने के बजाय स्क्रैपिंग का विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बहुत से लोग अपने पुराने वाहनों को मुख्य रूप से इसलिए रखते हैं क्योंकि उनके पास नई खरीदारी के लिए पैसा कम होता है।

उन्होंने कहा कि अगर इस प्रोत्साहन को 10 फीसदी तक बढ़ा दिया जाए, जैसा कि चीन में देखा गया है, तो यह उपभोक्ता व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। मारुति सुजूकी, टाटा मोटर्स और हुण्डैय मोटर समेत देश की प्रमुख कार विनिर्माताओं को छूट के साथ बेचे गए वाहनों की कुल संख्या के बारे में भेजे गए सवाल के संबंध में खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं मिला है। एक अगस्त, 2022 से 45 हजार से कम निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया है, जो इस कार्यक्रम की धीमी रफ्तार को दर्शाता है।

501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली ।

बीते दिनों ईथर एनर्जी ने महाराष्ट्र के पुणे में मीट रिज्टा कार्यक्रम में कुल 501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी करके नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी का दावा है कि यह कंपनी के इतिहास में एक दिन में सबसे बड़ी डिलीवरी है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भाग लेने वाले ग्राहकों ने कहा कि इससे उन्हें ब्रांड की उन्नत तकनीक और डिजाइन दर्शन का गहरा अनुभव और गहरी समझ मिली है। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोग, इलेक्ट्रिक वाहनों के शौकीन और नए रिज्टा मालिक शामिल थे। नया ईथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर तीन वेरिएंट्स- एस, झेड और रिज्टा झेड (लॉन्ग रेंज) में उपलब्ध है। 2.9केडब्ल्यूएच एस मॉडल की कीमत 1,10,156 रुपये, 2.9केडब्ल्यूएच झेड मॉडल की कीमत 1,25,156 रुपये और 3.7केडब्ल्यूएच टॉप मॉडल झेड की कीमत 1,45,157 रुपये एक्स-शोरूम है। बता दें कि ईथर रिज्टा फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर इसी साल अप्रैल में लॉन्च किया

गया था। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को लोगों का खूब प्यार मिल रहा है।

घरेलू बाजार में सोने में तेजी, चांदी में नरमी

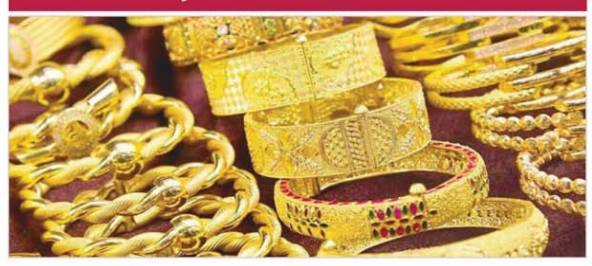

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने के वायदा भाव की आज बढ़त के साथ शुरुआत हुई। वहीं चांदी के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव आज 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेजी से शुरुआत हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 19 रुपये की तेजी के साथ 71,400 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,466 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,400 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 94 रुपये की गिरावट के साथ 83,158 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 103 रुपये की कमी के साथ 83,149 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 83,208 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 83,128 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,524.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,523 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 3.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,526.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.39 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 28.34 डॉलर था।

वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ अनुमान बढ़ा दिया है। पहले वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने के अनुमान जताया था। अब वर्ल्ड बैंक ने अपने अनुमान को अपडेट करते हुए भारतीय इकनॉमी के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है।

बता दें कि जीडीपी ग्रोथ में गिरावट की वजह लोकसभा चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में कमी और खपत रुकना मानी जा रही है। केंद्रीय बैंक आरबीआई ने जून तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया था। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, लोकसभा चुनावों के दौरान सरकारी खर्च में गिरावट के कारण अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि धीमी होकर 6.7 प्रतिशत रह गई। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि कृषि क्षेत्र में सुधार और ग्रामीण मांग में वृद्धि से भारत की अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। वर्ल्ड बैंक की तरफ से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में कहा कि भारत की ग्रोथ रेट 2024-25 में 7 प्रतिशत पर मजबूत रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि कृषि में सुधार से उद्योग में मामूली नरमी आंशिक रूप से कम हो जाएगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सर्विस सेक्टर मजबूत बना रहेगा और कृषि में अपेक्षित सुधार की बदौलत ग्रामीण निजी खपत में सुधार होगा। भारत की अप्रैल-जून तिमाही के लिए अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की तरफ से पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.7प्रतिशत की दर से बढ़ी।

भारत में कार्यस्थल पर 58 फीसदी लोग करते हैं थका-थका महसूस

रिपोर्ट में खुलासा- बातचीत और लगातार सहयोग से होती है थकान

नई दिल्ली।

फिक्की-बीसीजी रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि कम से कम 58 फीसदी भारतीय लोग सुस्ती और कार्यस्थल पर थकान महसूस करते हैं, जो वैश्विक औसत 48 फीसदी के मुकाबले काफी ज्यादा है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की साझा रिपोर्ट 'इंडिया एचआर रिवोल्यूशनः बिल्डिंग वर्कप्लेस फॉर द फ्यूचर' में कहा गया है कि भारतीय लोगों में थकावट ज्यादा काम करने से नहीं बल्कि लगातार सहयोग और बातचीत की बढ़ती जरूरत के कारण होती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते सहयोगात्मक पदचिह्न ने तनाव के स्तर को बढ़ाने में मदद की है क्योंकि इसमें किसी भी काम को पूरा करने के लिए ज्यादा और बार-बार बातचीत की जरूरत होती है। इसमें कई छोटी, नियमित बातचीत भी शामिल हैं, जिन्हें सूक्ष्म तनाव के तौर पर परिभाषित किया गया है और ये कर्मचारियों को महत्त्वपूर्ण तौर पर प्रभावित करते हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि थकावट और समावेशन के लिए निरुत्साहित रहने के बीच गहरा संबंध है। अगर किसी कर्मचारी को ऐसा लगता है कि वह अपने कार्यस्थल पर ज्यादा सक्रिय है और कंपनी या संस्था भी उसकी मदद के लिए तत्पर है तो उसे कम थकावट महसूस होती है। समावेशन सिर्फ भर्ती से काफी आगे तक होना चाहिए और इसमें कर्मचारियों की बातों को लगातार सुनना और उनकी समस्याओं को हल करना शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों के प्रति गहरी समझ हासिल करनी चाहिए जिस तरह वे अपने ग्राहकों को समझते हैं, ताकि उन्हें भी खुश, प्रेरित और अपने साथ बनाए रखा जा सके। संस्था या संगठन को यह मूल्यांकन करना चाहिए कि वे इन भावनाओं पर कितना खरा उतरते हैं, कमी का पता लगाना चाहिए और सभी कर्मचारियों की मदद के लिए उनके बच्चों की देखभाल वाली सेवाओं, वित्तीय परामर्श और लचीली काम की अवधि जैसी सुविधाएं प्रदान करना चाहिए।

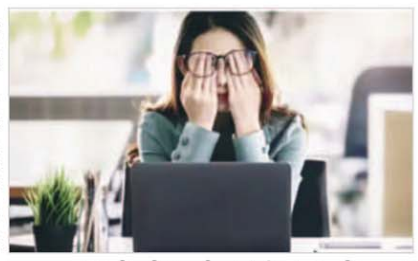

रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि संस्था या संगठन अब अपनी मानव संसाधन (एचआर) प्रक्रियाओं में भी जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेन-एआई) को लागू करना चाहते हैं। करीब 45 फीसदी भारतीय कंपनियां अपनी मानव संसाधन प्रक्रियाओं में जेनरेटिव एआई को लागू कर चुकी हैं या संचालित कर रही हैं। जेन एआई के साथ करीब 93 फीसदी कंपनियों ने बेहतर दक्षता और उत्पादकता दर्शाई है।

पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के मुकाबले अगस्त में बढ़ा

नई दिल्ली । भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ी। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार दिखाई दिया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम अंक का आशय संकुचन दिखाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही। सर्वेक्षण में कहा गया, ''भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही। जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही।'' वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही। इस बीच, एचएसबीस इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई की तरह ही अगस्त में भी 60.7 रहा। अगस्त के सर्वेक्षण के आंकड़ों से यह भी पता चला कि भारतीय वस्तुओं तथा सेवाओं के लिए दाम जुलाई की तुलना में कम बढ़े।

बीमा पॉलिसियों की गलत तरीके से बिक्री खतरनाक स्तर पर : इरडा

नई दिल्ली ।

बीमा पॉलिसियों की गलत तरीके से बिक्री खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। बीमा नियामक आईआरडीएआई के सदस्य (वितरण) के मुताबिक, जीवन बीमा से जुड़ी शिकायतें अक्सर उत्पादों से जुड़ी होती हैं मगर गैर जीवन बीमा की शिकायतें आमतौर पर दावों के भुगतान से संबंधित होती हैं। एक कार्यक्रम में अधिकारी ने कहा, 'जीवन बीमा में शिकायत उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री के लिए है और मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। आईआरडीएआई की वित्त वर्ष 2023 की सालाना रिपोर्ट में बीमा भरोसा पोर्टल पर आई शिकायतों के बारे में दिए ब्यौरे के मुताबिक जीवन बीमा कंपनियों के पास कुल 1,24,293 शिकायतें आई थीं, इसमें से अनुचित व्यापार दस्तूर से जुड़ी शिकायतों की हिस्सेदारी 20 फीसदी थी। वहीं गैर जीवन बीमाकर्ताओं को 78,347 शिकायतें मिलीं, इसमें दावा भुगतान से जुड़ी शिकायतों की तादाद 66 फीसदी थी। जीवन बीमा क्षेत्र के मुकाबले दावा भुगतान से जुड़ी शिकायतें गैर जीवन बीमा क्षेत्र के लिए अधिक हैं। इनमें दावों को खारिज करने से लेकर कम दावा राशि का भुगतान शामिल है। अधिकतर शिकायतें स्वास्थ्य बीमा से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा के लिए कैशलेस सुविधाएं तैयार करने में स्वास्थ्य मंत्रालय, बीमा नियामक और अन्य हितधारकों के प्रयासों से यह सुनिश्चित होने की संभावना है कि आबादी का बड़ा हिस्सा जल्द ही स्वास्थ्य बीमा के दायरे में आ जाए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.32 फीसदी 81.15 अंक नीचे आकर 25,198.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 202.80 अंक नीचे आकर 82,352.64 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में केवल 11 शेयर जबकि निफ्टी में 18 शेयर ही आज बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं

इंट्रा डे कारोबार के दौरान आज सेंसेक्स 82,408.54 के उच्च 81,833.69 के नियम स्तर जबकि निफ्टी 25,216 के उच्च और 25,083.80 के निचले स्तर पर रहा था। बीएसई पर आज कुल 4,047 शेयरों में कारोबार हुआ इसमें से 2,043 शेयरों में गिरावट आई जबकि, निफ्टी पर कुल 2804 में से 1,401 शेयरों में गिरावट रही। माना जा रहा है कि ये गिरावट अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग डेटा के नीचे आने के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की आशंकाओं से आई है। इसी का विपरीत प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। अब निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का इंतजार कर रहे हैं।

सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो शेयर बाजार में आज ज्यादातर सेक्टर्स में गिरावट रही। आज सबसे बड़ी गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक में आई। पीएसयू बैंक के शेयर 1.69 फीसदी नीचे आये। इसके बाद निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.75फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.65 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर में बढ़त रही। निफ्टी फार्मा में 0.74फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी में 0.41फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.74फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.08 फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स 0.82 फीसदी की बढ़त रही।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी में एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। एशियन पेंट्स के शेयर 2.50 फीसदी की बढ़त के साथ 3,233.80 के स्तर पर बंद हुए। वहीं इंट्रा डे कारोबार में इसके शेयर 3,252 के उच्च स्तर तक पहुंच गए थे।

इसके अलावा अन्य शीर्ष शेयरों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलिवर, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, सनफार्मा, अपोलो हॉस्पिटल्स, डिविज लैब , हीरो मोटोकॉर्प जैसे शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर विप्रो के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। विप्रो का शेयर आज 3.06 फीसदी की गिरावट के साथ 519.65 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा, कोल इंडिया, ओएनजीसी, हिंडाल्को, एलटीआई माइंडट्री, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। जानकारों के अनुसार गत पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका के चलते कमजोर मैन्युफैक्चरिंग डेटा के बाद भारी बिकवाली हुई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 710 अंक या 0.86 फीसदी की भारी गिरावट के साथ ही 81,845 पर खुला। वहीं, दूसरी तरफ 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 175 अंक या 0.69 फीसदी नीचे आकर 25,104 पर खुला।

गिफ्ट निफ्टी वायदा सुबह 7:05 बजे 25,171 पर कारोबार कर रहा था, निफ्टी वायदा के पिछले बंद भाव से लगभग 200 अंक नीचे था, जिससे इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 के गिरावट के साथ कारोबार करने लगा।

केंद्र सरकार जीआईसी में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये के भाव में बेचेगी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये प्रति शेयर के भाव में बेचेगी। ओएफएस के तहत 11.90 करोड़ से अधिक शेयर यानी 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी जाएगी। यह पेशकश संस्थागत निवेशकों के लिए खुलेगी। खुदरा निवेशक बृहस्पतिवार को बोली लगा सकेंगे। शेयर बिक्री से 395 रुपये प्रति इक्विटी के भाव पर सरकारी खजाने को लगभग 4,700 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सरकार के पास वर्तमान में जीआईसी में 85.78 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जीआईसी अक्टूबर, 2017 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। सरकार ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से 9,685 करोड़ रुपये जुटाए थे। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''जनरल इंश्योरेंस कॉपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) के लिए बिक्री पेशकश कल खुलेगी। गैर-खुदरा निवेशक बोली लगा सकेंगे जबकि खुदरा और जीआईसी के कर्मचारी बृहस्पतिवार को बोली लगाएंगे। न्यूनतम शेयर भाव मंगलवार को बंद भाव से 6.23 प्रतिशत कम है। सरकार 3.39 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही जबकि ज्यादा बोली आने पर 3.39 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का विकल्प रखा गया है।

मोबाईल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करेगा एक्स

नई दिल्ली । अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी एक्स अब आपके मोबाईल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करने जा रही है। अब यूजर्स अपने टीवी पर एक्स को चला सकेंगे। एक्स के मालिक एलन मस्क ने कन्फर्म भी कर दिया है। उन्होंने एक्स पर बताया कि एक्स टीवी ऐप का बीटा वर्जन एंड्रॉइड टीवी के लिए पहले ही लाइव किया जा चुका है। बीटा वर्जन अभी एलजी, अमेज़ॅन फायर टीवी और गूगल टीवी जैसे डिवाइस पर लाइव है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि यह ऐप अभी और भी ज्यादा डिवाइस पर आने वाली है। हालांकि, ऐप किस दिन लॉन्च होगी उस तिथि की पुष्टि नहीं की गई है लेकिन यह अलग-अलग डिवाइसों पर अलग-अलग समय पर आ सकता है। बीटा वर्जन के लिए भी ऐसा ही किया गया है। अमेजन में यह ऐप उनके डिवाइस पर जुलाई के अंत में ही आ गयी थी जबकि एलजी पर यह 29 अगस्त को आई। नेटफ्लिक्स और अन्य ओटीटी ऐप की तरह एक्स भी अब टीवी पर देखा जा सकेगा।

सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में एफडीआई ने दिखाया दम

- इस साल अप्रैल-जून में 47.8 फीसदी बढ़कर 16.17 अरब डॉलर पर रहा

नई दिल्ली।

सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में बेहतर पूंजी प्रवाह से एफडीआई बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एफडीआई 47.8 फीसदी बढ़कर 16.17 अरब डॉलर रहा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून के दौरान एफडीआई प्रवाह 10.94 अरब डॉलर था। मई में विदेशी निवेश बढ़कर 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इस अवधि में 2.67 अरब डॉलर और 3.16 अरब डॉलर था। एफडीआई प्रवाह अप्रैल में मामूली गिरावट के साथ 4.91 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1 अरब डॉलर था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों की माने तो कुल एफडीआई प्रवाह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 फीसदी बढ़कर 22.49 अरब डॉलर रहा, जो वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून में 17.56 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेश आय और अन्य पूंजी शामिल है। इस अवधि में मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, केमैन द्वीप और साइप्रस समेत प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह बढ़ा। हालांकि, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी से एफडीआई में कमी आई है। अगर क्षेत्रवार देखा जाए तो सेवा, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, औषधि और रसायन क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में महाराष्ट्र को सबसे ज्यादा 8.48 अरब डॉलर का पूंजी निवेश मिला। इसके बाद कर्नाटक 2.28 अरब डॉलर, तेलंगाना 1.08 अरब डॉलर और गुजरात 1.02 अरब डॉलर का स्थान रहा। दिल्ली और राजस्थान में पिछले साल की तुलना में एफडीआई में गिरावट आई है।

टीचर्स डे' पर शेमारू उमंग की अभिनेत्री ने माता-पिता को कहा धन्यवाद!

मुंबईः शेमारू उमंग के शो 'शमशान चंपा' में तृप्ति मिश्रा को दर्शकों द्वारा खूब सराहनाएं मिली। टीचर्स डे नजदीक है इसपर हुई एक खास बातचीत में तृप्ति ने अपने जीवन के मार्गदर्शकों का आभार प्रकट करते हुए कहा। उन्होंने अपनी मां से मिली कीमती सीख और अपने पिता द्वारा मिले अटूट समर्थन को याद किया और इस खास दिन के महत्व को समझाया।

तृप्ति मिश्रा ने अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, स्टीचर्स डे केवल एक दिन मनाया जाने वाला दिन नहीं है, यह निरंतर सीखने के महत्व पर जोर देता है। मेरे लिए, मेरी सबसे बड़ी शिक्षक हमेशा मेरी माँ रही हैं। वह मेरी मार्गदर्शक रही हैं, जिन्होंने मुझे आत्म-प्रेम का महत्व सिखाया और यह भी कि दूसरों के लिए अपने आपको कितना समर्पित करना चाहिए। यह सभी सीख मेरे लिए बहुत खास रही है और इंडस्ट्री में इसकी खास जरुरत है जो आपसे बहुत कुछ मांगती है। उन्होंने आगे कहा, स्मैं अपने पिता के प्रति भी बहुत आभारी हूं, जो इस इंडस्ट्री में मेरे गुरु रहे हैं। उनके मार्गदर्शन और मेरे स्कूल के शिक्षकों के समर्थन से, मुझे पढ़ाई और शूटिंग के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिली।

भ्रष्टाचार रोकने को यूपी का रास्ता अपनाना होगा

अशोक मधुप

हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा। उसे प्रेरित करना होगा कि वह समझे कि भ्रष्टाचार गलत है। भ्रष्टाचारी के प्रति होने वाली कार्रवाई से भी उसे अवगत कराया जाए, ताकि बचपन से ही इस कुरूति के प्रति उसके मन में गलत धारणा बन सके। ऐसा होने पर ही इसे रोका जा सकेगा।

आज आमजन भ्रष्टाचार पीड़ित है। ऐसा लगने लगा है कि कोई काम अब रिश्वत दिए बिना नही होता। भ्रष्टाचार देश की जड़ तक पहुच गया। सभी इससे परेशान हैं किंतु इसके रोकने के लिए कोई पहल नही कर रहा। ईमानदारी का चोला पहन कर राजनीति में आई आम आदमी पार्टी खुद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। आप के सर्वे सर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं दिल्ली के शराब घोटाले में जेल में हैं।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई व्यवस्था की है। ये बहुत अच्छी व्यवस्था है हालाकि अभी इसमें बहुत कुछ करना होगा। उत्तर प्रदेश के इस माडल को पूरे देश को स्वीकारना होगा। भ्रष्टाचार करने वालों के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की कार्रवाई को अन्य प्रदेशों को अपने यहां लागू करना होगा, हालाकिं अभी उत्तर प्रदेश में शुरूआत है। इस आदेश के परिणाम आने में समय लगेगा।

अपराधियों और माफियाओं के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुलडोजर चलाया। उनके द्वारा खड़ी की गई अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। ये प्रयोग इतना सफल रहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध घटे। अपराधी प्रदेश छोड़कर भागने लगे। प्रदेश की कामयाबी देख अन्य कुछ राज्यों ने भी यही बुलडोजर की कार्रवाई को स्वीकारा। इसे अपने यहां लागू किया। स्वयं सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों के बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के एक्शन की प्रशंसा की।

प्रदेश में भ्रषटाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक आदेश में राज्य के आईएएस, आईपीएस, पीपीएस, पीसीएस अफसरों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। हालाकि शिक्षकों, निगम कर्मचारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को अभी इसमें शामिल नहीं किया गया। सरकार ने इसके लिए समय सीमा निर्धारित करते हुएए इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी।

आदेश के बाद भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार ने इनकी सैलरी रोकने का आदेश किया दी। पहले खबर आई थी इनका प्रमोशन भी रोका जा रहा है। अब यूपी सरकार ने कर्मचारियों को एक महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से

आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मात्र 71 फीसदी कर्मचारियों ने ही अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी अपलोड की है। 2, 44, 565 राज्य कर्मचारियों की संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाया।

उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि सभी सरकारी कर्मचारी 31 अगस्त तक चल-अचल संपत्ति घोषित करें नहीं तो उनका प्रमोशन नहीं होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी भी नहीं आएगी। सरकारी कर्मियों को संपत्ति घोषित करने का निर्देश पहले भी दिया जा चुका है लेकिन संतोषजनक रिस्पांस नहीं मिलने पर सरकार ने कड़ा फैसला लिया है।

यूपी सरकार ने अब राज्य कर्मचारियों को एक महीने की छूट दी है और आदेश दिया है कि कर्मचारी दो अक्तूबर तक संपत्ति का ब्योरा दे सकेंगे। पहले ब्योरा न देने वालों कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोकने का आदेश दिया गया था। संपत्ति का ब्यौरा देने में टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग के कार्मिक सबसे आगे रहे। जबकि, शिक्षा विभाग के कार्मिक अपनी संपत्ति को छिपाने में आगे हैं। इस लिहाज से सबसे फिसड्डी बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग साबित हुए।

17 अगस्त को जब यह आदेश जारी हुआ था, तब 131748 यानी 15 फीसदी राज्य कर्मियों ने ही पोर्टल पर अपनी संपत्ति दर्ज की थी। 20-31 अगस्त के बीच यह बढ़कर 71 फीसदी हो गया। शासन के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कार्मिकों का वेतन रोकने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। सभी विभागों को इसका अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश में कुल 846640 राज्य कर्मी हैं। इनमें से 602075 ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया। विवरण दर्ज कराने के आदेश पर जीपी मुख्यालय ने नियुक्ति विभाग को पत्र भेजकर उनके कार्मिकों के लिए संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए कुछ और समय दिए जाने का अनुरोध किया है।

पत्र में कहा गया है कि त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा के कारण तमाम पुलिस कर्मी समय से अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दे पाए। माना जा रहा है कि गृह विभाग के लिए यह तिथि बढ़ाई जा सकती है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन रोका गया, इसे तभी जारी किया जाएगा, जब वे संपत्ति का ब्यौरा दे देंगे। उनकी संपत्ति का ब्यौरा मिलने पर वेतन देने का फैसला संबंधित विभाग शासन से वार्ता के बाद ले सकेंगे। लगता है कि इसी पत्र के बाद विवरण दर्ज कराने के लिए एक माह का और समय दिया गया है।

आदेश सही है किंतु इसमें अभी सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए अभी उत्तर प्रदेश को बहुत कुछ करना होगा। कर्मचारियों के अपनी चल और अचल संपत्ति के मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज कराने से काम नही चलेगा। इसके लिए उसके परिवार के सभी सदस्यों की संपत्ति का ब्योरा दर्ज कराना होगा। ये आदेश राज्य सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जानी चाहिए। वास्तव में यह कार्य सेवा में आने से पूर्व होना चाहिए। सेवा में आने के बाद शादी होने पर कर्मचारी अपनी पत्नी की प्रत्येक प्रकार की संपत्ति दर्ज कराए। बच्चे होने पर उनका विवरण दर्ज हो। इतना ही नही जन प्रतिनिधियों, जन सेवकों पर भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। आज हालत यह है कि देख गया है कि प्रधान या स्थानीय निकाय का चेयरमैन बनते ही उसके पास लंबी चौड़ी गाड़ी आ जाती है। यह तभी रूकेगी जब, उसके और उसके परिवार की चल अचल संपत्ति चुने जाते ही शपथ से पूर्व घोषित की जाए। विधायकों और विधान परिषद सदस्य, विभिन्न बोर्ड के पदाधिकारी और सदस्यों पर भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

समाज में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए देश को सख्त निर्णय लेने होंगे। भ्रष्ट हुई व्यवस्था अब बिना सख्ती के ठीक नही होगी। इसकी जड़े आज बहुत गहराई तक पहुंच गई हैं। भ्रष्टाचार की इन जड़ों को ही हमें नही काटना होगा, अपितु इनकी जड़ों का मिल रहा खाद पानी भी रोकना होगा। एक बात और कि ऐसी भी व्यवस्था कानून में होनी चाहिए की रिश्वत देने वाला सरकार को बताए कि उससे रिश्वत मांगी जा रही है। उसके द्वारा दी गई सूचना गुप्त रखी जाए। सूचना पर कार्रवाई होने के बाद सूचना देने वाले को सम्मानित भी किया जाए। अगर नही बताता है तो पता चलने पर उसके विरूद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए।

एक चीज और हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा। उसे प्रेरित करना होगा कि वह समझे कि भ्रष्टाचार गलत है। भ्रष्टाचारी के प्रति होने वाली कार्रवाई से भी उसे अवगत कराया जाए, ताकि बचपन से ही इस कुरूति के प्रति उसके मन में गलत धारणा बन सके। ऐसा होने पर ही इसे रोका जा सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मुस्तैद हो सुरक्षा

पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से बलात्काररोधी विधेयक पारित कर दिया है जिसमें पीड़िता की मौत होने या उसके कोमा जैसी स्थिति में जाने पर दोषियों के लिए मृत्युदंड़ का प्रावधान किया गया है। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक, 2024 का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह विधेयक भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 कानूनों और पॉस्को (यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण) अधिनियम, 2012 के पश्चिम बंगाल में क्रियान्वयन में संशोधन करने का प्रस्ताव करता है। इसका मकसद त्वरित जांच, जल्द से जल्द सुनवाई और दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलवाना है। कोलकाता के सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से देश भर में रोष है। उसे न्याय दिलाने के लिए चिकित्सकों ने हड़ताल और प्रदर्शन भी किए। हालांकि यह विधेयक आसानी से पारित तो हो गया है मगर अभी इसे लागू करने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति से मंजूरी लेना जरूरी है, जो मंत्रियों की सलाह पर काम करते हैं। सो, यह केंद्र सरकार तय करेगी कि यह विधेयक अधिनियम बनेगा या नहीं। दरअसल तो यौन अपराधों के खिलाफ अब सख्त कानून पहले से ही मौजूद हैं परंतु इस मामले में ममता सरकार पर शुरूआत से ही जांच में कोताही, आरोपियों को बचाने के प्रयास और साक्ष्य छिपाने की कोशिशों के आरोप लग रहे हैं। सबसे बड़ी अदालत के सख्ती से यह कहने के बाद भी कि इस घटना का राजनीतिकरण न किया जाए राजनीतिक दलों द्वारा इसे चुनावी मुद्दा बनाने के प्रयास जारी हैं। यह कहने में गुरेज नहीं है कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने में देश की तमाम राज्य सरकारें बुरी तरह असफल साबित हुई हैं। इसलिए कि वे सिर्फ कड़े.कानून बनाकर ही अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेना चाहती रही हैं। लेकिन हकीकत यह है कि केवल कानून द्वारा ही अपराधियों को काबू में नहीं किया जा सकता। सुरक्षा व्यवस्था में कोताही के प्रति जिम्मेदार लोगों पर भी लगाम कसी जानी जरूरी है। दोषियों को मृत्युदंड़ देने से बेहतर है, अपराधों की रोक-थाम के हर जरूरी प्रयास किया जाए। सामूहिक तौर पर सुरक्षित समाज की परिकल्पना को साकार करने के बेहतर उपाय किए जाएं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

सेबी पर लगे आरोपों की जांच जेपीसी की कसौटी में

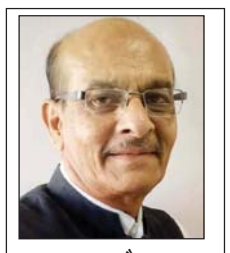

सनत जैन

सेबी अर्थात भारतीय प्रतिभूति- विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन श्रीमती माधवी बुच के उपर लगे आरोपों ने, देश के वित्तीय और राजनीतिक माहौल में तूफान पैदा कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के सवालों ने सेबी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता, माधवी बुच के कामकाज को लेकर गंभीर आरोप लगाकर सेबी के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। श्रीमती बुच, सेबी में आने के पहले आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत थीं। सेबी में उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पवन खेड़ा का आरोप है, कि उन्होंने सेबी की पूर्णकालिक निदेशक बनने के बाद, आईसीआईसीआई बैंक से आर्थिक लाभ प्राप्त किए हैं। जो कि नियमों के खिलाफ हैं। अगर ये आरोप सही हैं तो माधवी बुच को सेबी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। वह इस्तीफा नहीं देती हैं, तो सरकार को उन्हें हटाना ही पड़ेगा। सेबी जैसी संस्था के कामकाज, निष्पक्षता और ईमानदारी को लेकर जो आरोप लगे हैं वह नियामक संस्था सेबी के लिए एक बड़ा काला धब्बा साबित हो सकता है। देश के पूंजी बाजार की निगरानी और छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए बनाई गई सेबी के कामकाज को लेकर पहली बार इतने बड़े गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जो आरोप लगे हैं, क्या इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी? अब तक सरकार, या सेबी प्रमुख श्रीमती बुच की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। जिससे जनता के मन में संदेह बढ़ता जा रहा है। जी न्यूज के प्रमुख सुभाष चन्द्रा, पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भी बड़े गंभीर आरोप माधवी बुच की कार्य प्रणाली को लेकर लगाए हैं। उन्होंने तो रिश्वत का सीधा आरोप भी लगा दिया है। ऐसी स्थिति में क्या यह संभव है, एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच शुरू हो जाएगी। सरकार ने जिस तरीके की चुप्पी साध रखी है। सेबी प्रमुख की ओर से भी कोई सफाई नहीं आ रही है। सरकार जिस तरीके से माधवी बुच का बचाव कर रही है। इतने भयंकर आरोप क्या राजनीतिक रस्साकशी में उलझकर रह जाएंगे?

सरकार और संबंधित संस्थानों पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं। उनकी जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दोषियों को दंड मिले। सेबी जैसी संस्था की साख और देश के करोड़ों निवेशकों का विश्वास बनाए रखना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत आवश्यक है। सेवी के कामकाज पारदर्शिता और जवाबदेही की संवैधानिकता और निष्पक्षता बनाए रखना जरुरी है। सरकार द्वारा तुरन्त कार्यवाही नहीं की गई, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को बचा पाना मुश्किल हो सकता है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थानों का बहुत बड़ा निवेश शेयर बाजार में है। बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, वित्तीय संस्थानों, म्युचुअल फंड एवं छोटे निवेशकों के खरबों रुपयों के निवेश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष माध्यम से शेयर बाजार में निवेष हैं। जिस तरह की गड़बड़ी सामने आ रही है। यदि यह आरोप सच साबित हुए, तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भयंकर तूफान आना तय है। दुनिया के देश वैसे भी भयंकर आर्थिक मंदी की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे समय पर शेयर बाजार की कोई भी अस्थिरता अर्थ व्यवस्था को तहस-नहस कर सकती है। आने वाले दिनों में क्या यह सब देखने को मिलेगा? आरोपों का क्या नतीजा निकलता है। देश की जनता इसका जवाब चाहती है। हिडनबर्ग ने जो आरोप इसके पूर्व लगाए थे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जो जांच की जा रही थी। अभी तक वह जांच पूरी नहीं हो पाई है। अब इस मामले में खुद सेवी प्रमुख माधवी बुच पर दस्तावेजी आरोप लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आरोप सही हैं या गलत, इसका खुलासा निष्पक्ष जांच के माध्यम से ही सम्भव है। यह जांच जेपीसी के बिना संभव नहीं है। सेवी को विशिष्ट संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। सेबी प्रमुख की जांच ईडी और सीबीआई भी नहीं कर सकती है। पहले भी शेयर बाजार से संबंधित घोटाले की जांच जेपीसी के माध्यम से हुई है। जल्द ही सरकार को इसकी घोषणा करनी चाहिए, अन्यथा गंभीर आर्थिक और राजनीतिक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

जद(यू) को संजीवनी देगी बीजेपी

संजय गोस्वामी

बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 35 सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में । बीजेपी, 17, जद (यू), 16, .एलजेपी, 6 हम 1सीट, आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी, 12 जद (यू), 12, .एलजेपी, 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी और बिहार में जब ढेरों परियोजना का एनडीए द्वारा शुभारम्भ हुआ है तो सत्ता भी नहीं जाने देगी औ? जद(यू) को संजीवनी देकर एनडीए सरकार को बनाए रखना चाहेगी ताकि बिहार में इन्वेस्टमेंट हो औ? रोजगार मिल सकेबिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 35 सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में । बीजेपी, 17. जद (यू), 16, .एलजेपी, 6 हम 1सीट,आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी, 12 जद (यू), 12, .एलजेपी, 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी ।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म को लेकर बोले राजकुमार राव, भेड़िया 2 या स्त्री 3

राजकुमार राव इन दिनों अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। वहीं लोग उनसे एक ही सवाल पूछ रहे हैं, स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म कौन-सी होगी? क्योंकि 'स्त्री 2' के खत्म होने के बाद 2 पोस्ट क्रेडिट सीन्स दिखाए गए हैं। एक वरुण धवन से जुड़ा हुआ है और एक अक्षय कुमार से। ऐसे इंटरव्यू के दौरान, राजकुमार से पूछा गया कि स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म 'भेड़िया 2' होगी या फिर 'स्त्री 3'?

राजकुमार राव ने पहले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता है। लेकिन फिर उन्होंने कहा कि शायद 'भेड़िया 2' पहले आएगी। उन्होंने इसके पीछे का कारण समझाते हुए कहा, 'स्त्री' का दूसरा पार्ट आ चुका है, लेकिन 'भेड़िया' का दूसरा पार्ट अभी तक नहीं आया है। ऐसे में 'स्त्री' के तीसरे पार्ट से पहले वरुण धवन की हॉरर कॉमेडी फिल्म का सीक्वल आ सकता है। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें 'स्त्री 3' के बारे में कोई जानकारी है? तब उन्होंने कहा, 'बनेगी, जरूर बनेगी और कोशिश करेंगे कि 'स्त्री 3', 'स्त्री 1' और 'स्त्री 2' से भी बेहतर बने। फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के पास एक आइडिया है। उन्होंने फिल्म की बेसिक स्टोरी भी तैयार कर ली है।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्त्री 2' ने 18 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस से 480.05 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 680 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं

चाहत खन्ना ने बड़े अच्छे लगते हैं, कुबूल है, थैंक-यू और प्रस्थानम जैसे टीवी शो और फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। अपने काम को लेकर चूजी ऐक्ट्रेस दस में एक-दो प्रोजेक्ट को ही हां बोलती हैं क्योंकि अब वह क्वॉलिटी वर्क करना चाहती हैं। वह जितनी तवज्जो काम को देती हैं, उतना ही ध्यान बेटी की पैरंट्स टीजर मीटिंग पर भी देती हैं। यही वजह है कि जिंदगी के व्यस्त शेड्यूल के बावजूद उन्होंने बेटी की एक भी पीटीएम आज तक मिस नहीं की। इन दिनों वह पति, पत्नी और कांड को लेकर चर्चा में हैं। ऐक्ट्रेस ने पहले फोन की यादों से लेकर डांसिंग, ऐक्टिंग और राइटिंग के बारे में बातचीत की।

वर्दी पहनकर रोंगटे खड़े हो गए थे

पति, पत्नी और कांड में मैं डीसीपी की भूमिका में हूं। असल जिंदगी में कई पुलिसवालों से मेरी दोस्ती है। नेता और वकीलों के साथ भी उठना-बैठना है। सच कहूं तो वर्दी पहनने के बाद मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। मैंने कभी सोचा नहीं था कि कॉप का किरदार निभाऊंगी। आप जब वर्दी पहनते हैं, तब पता चलता है कि इस किरदार में करने के लिए क्या-क्या चीजें हैं। मैं सीरीज में ऐक्शन भी कर रही हूं, जिसमें शूटआउट से लेकर एनकाउंटर तक है। मैंने मार्शल आर्ट्स सीखा था। उस दौरान मुझे नहीं लगता था कि यह मेरे करियर के लिए फायदेमंद साबित होगा, लेकिन इसमें उसकी भी जरूरत पड़ गई।

दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं

आपने स्क्रीन पर मुझे बहुत कम देखा होगा। जितने ऑफर स्वीकार करती हूं, उससे ज्यादा नकार देती हूं। एक ही किरदार बार-बार ऑफर होता है तो गुस्सा आता है। इसी वजह से दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं। शुरुआत में सबकुछ करना चाहती थी लेकिन पिछले एक दशक से क्वॉलिटी वर्क पर ध्यान दे रही हूं। कई बार रिलीज के बाद काम उतना निखरकर नहीं आता या उसको फेम नहीं मिलता। हालांकि, बतौर कलाकार आप संतुष्ट रहते हैं कि अच्छा काम किया। हिट होना, ना होना प्रोजेक्ट की किस्मत है।

50 की उम्र का अनुभव 30 में ही कर लिया

हां, यह सच है कि लोगों ने मुझसे सोशल मीडिया पर बच्चों की फोटोज डालने को मना किया था। इस तरह की बातों पर मुझे अपनी मां की दी हुई सीख याद आती है। ये सच है कि सुनो सबकी करो अपनी। मैं उसी बात को फॉलो करती आ रही हूं। हालांकि, कभी-कभी भूल जाती हूं लेकिन फिर मां की बात याद आ जाती है। मां तो मां ही होती है। उन्हें लगता है कि मैंने जीवन में बहुत संघर्ष किया है लेकिन मैं ऐसा नहीं मानती, मुझे लगता है कि संघर्ष आगे करना है और करते रहना है। मेरा करियर जल्दी शुरू हो गया था। इस वजह से जो लोग 50 साल की उम्र में देखते-सीखते हैं, मैंने 30 में ही कर लिया था।

बचपन से ही लिखने का शौक रहा

टीवी इंडस्ट्री से मैं पिछले काफी समय से दूर हूं। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि मैं टीवी, फिल्म या ओटीटी के लिए काम कर रही हूं। अगर मुझे काम से संतुष्टि मिलती है तो मैं स्टेज पर भी परफॉर्म करने के लिए तैयार हूं। इन दिनों मैं थिएटर भी कर रही हूं और आगे नाटकों का निर्देशन भी करने की इच्छा है। ऐक्टर से पहले मैं राइटर थी। मुझे बचपन से ही लिखने का शौक रहा है। मैंने कई सारी स्क्रिप्ट लिख रखी हैं लेकिन अभी तक कुछ भी डायरेक्ट नहीं किया है। जल्द ही लोगों के सामने कुछ नया लेकर आऊंगी।

सामाजिक मुद्दों को लेकर आयुष्मान ने रखी अपनी राय

आयुष्मान खुराना इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्हें उनके बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए काफी पसंद किया जाता है। अभिनेता ने अपनी फिल्मों के जरिए ये साबित भी किया है। उनकी फिल्मों में अक्सर समाज के लिए एक संदेश होता है। हाल में ही अभिनेता एक बयान दिया है, जिस पर काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि वह एक कार्यकर्ता नहीं हैं, लेकिन लोग उनसे अपेक्षा करते हैं कि वो हर मुद्दे पर अपनी राय जाहिर करें। आयुष्मान अक्सर पर्दे पर ऐसी भूमिकाएं करते हैं, जिनमें वह किसी सामाजिक मुद्दे पर लोगों का ध्यान आकर्षित कराते हैं। हाल में ही वह दिल्ली में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर अपनी सक्रियता और समाज में एक कलाकार की भूमिका को लेकर बात की। उन्होंने कहा,मैं एक कार्यकर्ता नहीं हूं, मैं एक अभिनेता और एक कलाकार हूं। मुझे जो कुछ भी कहना है, मैं अपनी कविता, संगीत या फिल्मों के माध्यम से कहता हूं। अभिनेता ने आगे कहा एक अभिनेता या कलाकार से लगातार उनकी राय जाहिर करने की अपेक्षा करना थोड़ा भोलापन है।

अभिनेता ने आगे कहा कि कलाकारों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता अक्सर बौद्धिक बुद्धिमत्ता से बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, हम भावनाओं से निपटते हैं, हम भावनाओं को बेचते हैं, हम भावनाओं का निर्माण करते हैं और यही हमारा मुख्य काम है, लेकिन साथ ही मैं एक सामाजिक रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाने की सर्वश्रेष्ठ कोशिश करता हूं।

सलमान खान-एटली की फिल्म पर लगी मुहर

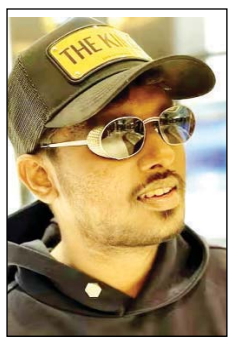

जवान के बाद एटली के फैंस को उनकी नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में यह खबर सामने आई थी कि वह अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए सलमान खान से बातचीत कर रहे हैं। तब मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दो हीरो वाली फिल्म की स्टोरीलाइन और आइडिया भाईजान को काफी पसंद आया था। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। खबरों की मानें तो सलमान को फिल्म की पटकथा बहुत पसंद आई है और उन्होंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी है। फिलहाल, इस फिल्म में सलमान का किरदार कैसा होगा इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो सलमान खुद इस फिल्म के लिए कमल हासन से बात कर रहे हैं। यह एटली की छठी फिल्म है। इसलिए इसे ए6 कहा जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो निर्देशक इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अक्तूबर के महीने से शुरू करना चाहते हैं। निर्माताओं का प्लान है कि पहले इस फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया जाए। उसके बाद से फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से शुरू की जाए। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान इस समय एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बन रही फिल्म सिकंदर में काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले हो रहा है। इसमें रश्मिका मंदाना भी हैं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है। सलमान को आखिरी बार टाइगर 3 में देखा गया था। एक्शन से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया था। फिल्म में शाहरुख खान भी पठान के रूप में कैमियो करते हुए नजर आए थे।

अक्टूबर में होगी अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग, शामिल होंगे संजय

इन दिनों अजय देवगन अपनी आगामी कॉमेडी-एक्शन फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 से शुरू होगी। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की शूटिंग के दौरान संजय दत्त के भी शामिल होने की बात सामने आई है। फिल्म सन ऑफ सरदार ने साल 2012 को रिलीज के बाद सिनेमाघरों में जमकर कमाई की थी। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट आ रहा है, जिसकी शूटिंग इस साल अक्टूबर के महीने में पंजाब में शुरू की जाएगी। वहीं माडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त अक्टूबर 2024 में पंजाब में शूटिंग शुरू करने के लिए अजय देवगन और कलाकारों के साथ शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीजा संबंधी समस्याओं के कारण संजय को यूके की शूटिंग से बाहर होना पड़ा, जिससे फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं, लेकिन उनकी भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण होगी। प्रशंसक अजय और संजय की शानदार जोड़ी को फिर से स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सन ऑफ सरदार 2 पिछले पार्ट से जुड़ा हुआ नहीं होगा। इसमें बिहारी और पंजाबी डॉन के बीच एक गैंगवार भी शामिल होगा। इसके अलावा, रवि किशन का मूल किरदार, जो पहले विजय राज को सौंपा गया था, अब संजय मिश्रा के लिए फाइनल किया गया है। संजय पहले पार्ट की तरह ही डॉन की भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी में गहराई और रोमांच जोड़ेंगे। फिल्म की शूटिंग फिलहाल यूके में चल रही है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं।

मिर्जापुर 3 को मिली प्रतिक्रियाओं पर बोलीं रसिका

मिर्जापुर अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे लोकप्रिय भारतीय वेब सीरीज में से एक है। दर्शकों के द्वारा इसके पहले और दूसरे सीजन को काफी ज्यादा प्यार मिला था। इसके बाद इस सीरीज का तीसरा सीजन भी इस साल प्रीमियर हुआ। हालांकि, पहले दो सीजन के मुकाबले तीसरे सीजन को दर्शकों से उतना ज्यादा प्यार नहीं मिला। इस पर सीरीज में अहम किरदार में नजर आईं अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हाल में ही अपने विचार साझा किए हैं।

मिर्जापुर 3 को मिली है मिश्रित प्रतिक्रिया

मिर्जापुर में एक से बढ़कर सितारों की लंबी-चौड़ी सूची रही है। अली फजल, पंकज त्रिपाठी, विजय वर्मा आदि कलाकारों के अभिनय से सजी इस सीरीज में रसिका दुग्गल भी बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आईं। इस साल रिलीज हुए तीसरे सीजन में भी उन्होंने अपने किरदार को आगे बढ़ाया। इस सीजन से दर्शकों को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन शो को दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली।

हर तरह की प्रतिक्रिया अच्छी और स्वागत योग्य है

दूसरे सीजन की रिलीज के लगभग चार साल के लंबे अंतराल पर इसका तीसरा सीजन रिलीज किया गया था। रसिका दुग्गल ने शो को मिले मिश्रित प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए कहा कि इस शो के फैंस काफी प्रतिबद्ध हैं, शो के तीन सीजन देखने और सराहने के बाद ये शो दर्शकों का भी उतना ही है, जितना उनका है। उन्होंने कहा, दर्शको ने सीजन 3 को पसंद किया है और कुछ ने टिप्पणी की है कि यह उनकी अपेक्षा से कैसे अलग था। मुझे लगता है कि हर तरह की प्रतिक्रिया अच्छी और स्वागत योग्य है। पिछले महीने ही अमेजन प्राइम इंडिया ने रसिका और अली फजल की कुछ तस्वीरें जारी की थीं। इन तस्वीरों ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। लोग कयास लगाने लगे थे कि इसके आने वाले सीजन में निर्माता जरूर कुछ नया प्लान कर रहे हैं। इस पर बात करते हुए रसिका ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें अच्छा लगता है कि मिर्जापुर से जुड़ा हर पोस्ट इस शो को लेकर एक नई चर्चा को जन्म देता है। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगता है कि मिर्ज़ापुर के बारे में हर पोस्ट आने वाले समय के बारे में बातचीत को बढ़ावा देती है। हमारे पास सबसे अच्छे दर्शक है। इन तस्वीरों का उद्देश्य गुड्डू-बीना के रिश्ते को अब तक के स्टाइलिश रूप में पेश करना था।

सूर्या ने किया खुलासा - अपनी तय तारीख पर रिलीज नहीं होगी कंगुवा

सूर्या स्टारर फिल्म कंगुवा का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। मगर इसे लेकर दर्शकों का उत्साह थोड़ा कम हो सकता है, क्योंकि ये फिल्म अब अपनी रिलीज से आगे खिसका दी गई है। हालांकि, इसकी नई रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई खुलासा नहीं किया गया है। जल्द ही मेकर्स दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए घोषणा कंगुवा की नई रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। सूर्या ने खुद इस खबर की पुष्टि करते हुए इसके पीछे की वजह बताई है। दरअसल, कंगुवा और रजनीकांत की वेट्टैयन 10 अक्टूबर को एक ही तारीख पर दस्तक देने वाली थीं। मगर रजनीकांत की फिल्म के चलते कंगुवा ने फिल्म की रिलीज स्थगित कर दी है। सूर्या ने फिल्म मैयाझागन के ऑडियो लॉन्च पर बताया कि रजनीकांत उनसे वरिष्ठ हैं, इसलिए निर्माताओं ने रिलीज को स्थगित करने और वेट्टैयन के लिए रास्ता बनाने का फैसला किया है। अपने भाई कार्थी की फिल्म मैयाझागन के ऑडियो लॉन्च पर बोलते हुए सूर्या ने कहा, ढाई साल से भी ज्यादा समय से 1000 से ज्यादा लोगों ने तमिल सिनेमा में एक खास फिल्म पेश करने के लिए कांगुवा के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की है। मुझे यकीन है कि आप वो प्यार और सम्मान देंगे। जब वो आएगा, तो उसे सब कुछ मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, 10 अक्टूबर को वेट्टैयन आ रही है। हमें सम्मान के लिए फिल्म को आगे बढ़ाना चाहिए।

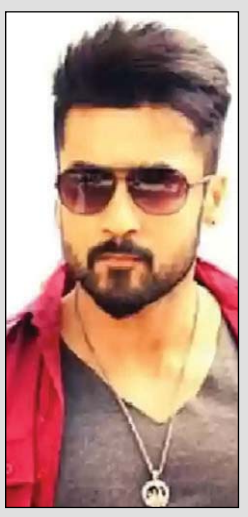

दलिप ट्रॉफी 2024 में अक्षर पटेल का कमाल का प्रदर्शन, फिफ्टी पूरी कर इंडिया डी के लिए बने संकटमोचक

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में आज इंडिया सी वर्सेस इंडिया डी के बीच मैच खेला जा रहा है। अनंतपुर में खेले जा रहे इस मैच में इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। जहां इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर और इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंडिया डी की शुरुआत बेहद खराब रही और 48 रनों तक टीम ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए अक्षर पटेल और उन्होंने साबित कर दिया कि क्यों उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। अक्षर ने 118 गेंदों पर 86 रनों की पारी खेली।

एक समय तो ऐसा लगा रहा था इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया।

अक्षर का साथ
निभाया, जिन्होंने 33 गे
अर्शदीप के अलावा श्री
जैन ने भी 13-14 रनों व
ने अपनी पारी के दौरान
किया और इस दौरान उन
इतने ही छक्के निकले। इंट
अक्षर इस तरह की मुश्कि
इंडिया को बाहर निकाल
साथ-सात गेंद से भी कर

ंदीप सिंह ने भी
र 13 रन बनाए।
भरत और सारांश
ारियां खेलीं। अक्षर
8 गेंदों का सामना
ल्ले से 6 चौके और
ानल क्रिकेट में भी
ारिस्थितियों से टीम
क हैं। अक्षर बैट के
करने में माहिर हैं।

हेड के तूफान से ऑस्ट्रेलिया ने 9.4 ओवर में ही स्कॉटलैंड को हराकर बनाया विश्व रिकार्ड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में 7 विकेट से जीत के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक नया रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पावरप्ले में ही 36 गेंदों पर 113 रन बना दिये। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती 10 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। ट्रेविस हेड के 80 और मिचेल मार्श के 39 रनों की आक्रामक पारी से ऑस्ट्रेलिया ने केवल 9.4 ओवर में तीन विकेट पर 156 रन बना लिए। इस प्रकार उसने सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। हेड ने 17 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्के लगाये।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड की टीम ने 9 विकेट पर 154 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुनसे ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाये जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 27 रनों की पारी खेली। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से शीन एबॉट ने 3 विकेट जबकि जेवियर बार्टलेट और एजम जाम्पा ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने तूफानी शुरुआत करते हुए 6 ओवर में ही 113 रन बना दिये। इससे पहले पावरप्ले में साल 2023 में दक्षिण् अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 102 रन बनाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज की टीम रही। उसने साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ पावरप्ले में 98 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज हेड ने केवल 17 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया।

ऋषभ पंत की 20 महीने बाद रेड बॉल क्रिकेट में वापसी, सस्ते में लौटे पवेलियन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 के मुकाबले 5 सितंबर से शुरू हो गए हैं। जिसका पहला मैच इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच से ऋषभ पंत ने रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। पंत ने इससे पहले आखिरी बार मीरपुर में 22-25 दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। जिसके बाद वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।

ऋषभ पंत की रेड बॉल क्रिकेट में वापसी सुखद नहीं रही। उन्होंने चौके से खाता तो खोला, लेकिन बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच थमा बैठे। पंत 10 गेंद में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आकाश दीप की गेंद पर पंत ने गेंद को बाउंड्री के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते हुए डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। नीचे दिए वीडियो में भी आप शुभमन गिल को पंत का कैच पकड़ते हुए देख सकते हैं।

बीसीसीआई एजीएम 29 सितंबर को: सचिव का चुनाव नहीं, नए एनसीए का होगा उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।

दो दशक से अधिक समय पहले अस्तित्व में आने के बाद से एनसीए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर से संचालित हो रहा है। एजीएम में बीसीसीआई के नए सचिव का चुनाव नहीं होगा लेकिन इस बैठक में चुनाव के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) की तारीख तय की जा सकती है। निवर्तमान सचिव जय शाह के सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुने जाने के बाद नए सचिव की नियुक्ति अनिवार्य हो गई है।

शाह हालांकि एमजीएम में बीसीसीआई सचिव की अपनी मौजूदगी भूमिका नहीं छोड़ेंगे क्योंकि उन्हें आईसीसी चेयरमैन का प्रभार एक दिसंबर से संभालना है। सभी राज्य संघों को भेजे गए बैठक के 18 सूत्री एजेंडे में अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति है क्योंकि शाह अब उस भूमिका के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि के लिए बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी के नाम पर चर्चा हो सकती है या यह पद नए सचिव को मिल सकता है। लेकिन 69 वर्षीय बिन्नी के लिए उम्र उनके पक्ष में नहीं है क्योंकि प्रशासन में शामिल होने के लिए अधिकतम उम्र 70 वर्ष है। इन दो महत्वपूर्ण मामलों के अलावा एजीएम में आईपीएल की संचालन परिषद में आम सभा के दो और भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। एजीएम में बोर्ड की कुछ नियमित गतिविधियां भी शामिल होंगी जैसे 2024-25 के लिए वार्षिक बजट को स्वीकृति और लोकपाल तथा आचरण अधिकारी की नियुक्ति। बैठक में बीसीसीआई संविधान के अनुसार क्रिकेट समिति और स्थायी समिति की नियुक्ति की जाएगी, साथ ही नियम 27 के तहत नई अंपायर समिति का गठन किया जाएगा। एजीएम में घरेलू क्रिकेट से संबंधित शीर्ष परिषद द्वारा बनाए गए नियमों को मंजूरी देने के अलावा 'यौन उत्पीड़न रोकथाम नीति के तहत गठित बीसीसीआई की आंतरिक समिति की रिपोर्ट' पर भी विचार किया जाएगा।

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय दल का प्रदर्शन ओलंपिक दल से भी बेहतर रहा, सरकार से मिले सहयोग की भी रही अहम भूमिका

पेरिस । इस बार पेरिस ओलंपिक में भारतीय पैरालंपिक दल का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय पैरालंपिक दल ने अब तक 15 पदक पदक जीत लिये हैं जबकि अभी चार दिन और खेल होने हैं। भारतीय दल में 32 महिला खिलाड़ी भी शामिल रही हैं। सरकार ने पैरालंपिक दल को भी ओलंपिक दल की तरह ही सुविधाएं दी हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भी दल के सदस्यों का हौंसला बढ़ाया और उन्हें जीत पर बधाई दी। भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तर का प्रशिक्षण और विदेशी कोच की भी सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं। भारतीय पैरालंपिक दल दल का प्रदर्शन ओलंपिक दल से कहीं बेहतर रहा है। सरकार ने पैरालंपिक खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, उपकरण और विदेशी एक्सपोज़र के लिए हर संभव सहायता प्रदान की है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से इन एथलीटों को प्रशिक्षण के लिए शानदार सुविधाएं दी गई। पहली बार पैरालंपिक खिलाड़ियों के लिए एक समर्पित रिकवरी सेंटर बनाया गया, इसमें खेल विज्ञान उपकरण और विशेष पोषक आहार भी शामिल किये गये। एथलीटों में से 50 फीसदी पहली बार खेलों में भाग ले रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी इस बार ब्लाइंड जूडो, साइक्लिंग और रोइंग जैसे खेलों में भी शामिल हुए।

केशव महाराज, जेडेन सील्स और डुनिथ वेलालागे आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

दुबई । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर केशव महाराज के साथ डुनिथ वेलालागे और जेडेन सील्स को बृहस्पतिवार को आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। श्रीलंका के हरफनमौला वेलालागे ने भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में प्रभावित किया था। वेलालागे ने 108 रन बनाए और सात विकेट लिए थे जिससे श्रीलंका ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भारत को हराया। उन्होंने पहले वनडे में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 67 रन की पारी खेलने के साथ रोहित शर्मा और शुभमन गिल के विकेट भी लिए। बाएं हाथ के स्पिनर महाराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीतने में सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्होंने दो मैचों में 13 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज सील्स ने दूसरे टेस्ट में नौ विकेट समेत कुल 12 विकेट चटकाए।

विराट सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कमाई के मामले जितने आगे हैं। उतने ही आयकर भरने को लेकर भी हैं। विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेटर सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ का टैक्स भरा है। विराट कोहली सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद महेन्द्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर हैं। धोनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विराट कोहली के बाद सबसे अधिक 38 करोड़ का टैक्स भरा है। वहीं तेंदुलकर ने 28 करोड़, गांगुली ने 23 करोड़ और हार्दिक पांड्या ने 13 करोड़ का टैक्स भरा है। इस सूची में ऋषभ पंत 10 करोड़ के टैक्स के साथ 6ठे स्थान पर हैं। हैरानी की बात ये है कि इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं।

टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल अभी संन्यास नहीं लेंगे

-अगले माह एशियाई चैम्पियनशिप मे भाग लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिगगज भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे। शरत ने कहा कि वह अभी एक और सत्र में भाग लेंगे। इसी के बाद उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप के लिए पुरुष टीम की कप्तानी दी गयी है। एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन सात अक्टूबर से अस्ताना में किया जाएगा।

शरत एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी भाग लेंगे। शरत ने दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने की भी योजना बनायी है। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। इसके साथ ही मैं भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) के साथ एक ढांचा बनाने का प्रयास करुंगा जिससे खेल प्राधिकरण (साई) और टीटीएफआई के बीच अंतर कम किया जा सके और अधिक से अधिक कारपोरेट प्रायोजक सामने आएं।

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में शामिल पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में भी शामिल रहे हैं और निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह साल 2026 एशियाई खेलों में भाग ले सकते हैं पर साल 2028 ओलंपिक में शामिल नहीं होंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी नॉमिनेट ही नहीं हुए, 21 साल में पहली बार हुआ ऐसा

स्पोर्ट्स डेस्क । क्रिस्टियानो रोनाल्डो और न ही लियोनेल मेसी 2024 में बैलन डी ओर पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए 30 उम्मीदवारों की सूची में जगह नहीं बना पाए। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेत कप्तान लियोनेस मेसी ने किसी भी अन्य खिलाड़ी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021 और 2023) की तुलना में सबसे अधिक बार बैलन डी ओर जीता है। लियोनेल मेसी को पिछले साल आठवीं बार विजेता घोषित किया गया था। तब उन्होंने 2022 के अंत में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप में जीत दिलाई थी। पुर्तगाली दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पांच बार (2008, 2013, 2014, 2016 और 2017) ये पुस्कार जीता है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक लगातार क्रिस्टियानो रोनाल्डो या लियोनेल मेसी के नाम ही ये खिताब रहा था। साल 2018 में क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने ये पुस्कार जीता था। फ्रांस फुटबॉल ने 2024 के लिए बुधवार 4 सितंबर 2024 को सूची जारी की। इसमें जूड बेलिंगहैम, विनीसियस जूनियर, किलियन एमबाप्पे, लैमिन यामल, निको विलियम्स और डेनी ओल्मो जैसे नाम शामिल हैं। पिछले सीजन में चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतने वाले रियल मैड्रिड के पास किसी भी अन्य क्लब की तुलना में अंतिम 30 में अधिक उम्मीदवार थे। इस गर्मी में यूरो जीतने वाली स्पेनिश टीम के 6 खिलाड़ियों को अंतिम 30 में नामित किया गया था। जिसमें यमल, विलियम्स और ओल्मो के अलावा रॉड्री, एजेजांद्रो ग्रिमाल्डो और दानी कार्वाजल शामिल थे।

पाकिस्तान में नहीं होगी क्रिकेट, इंग्लैंड टीम अब श्रीलंका या यूएई में खेलेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टेस्ट श्रृंखला की मेजबानी के लिए श्रीलंका या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे विकल्पों पर विचार करने की योजना बना रहा है। पाकिस्तान के टेस्ट मुख्य कोच के रूप में जेसन गिलेस्पी के पहले कार्यभार में, शान मसूद की अगुवाई वाली टीम अपनी घरेलू धरती पर बांग्लादेश के खिलाफ वाइटवॉश झेलने के बाद निचले स्तर पर पहुंच गई है।

2 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान पीसीबी को दूसरे टेस्ट को रावलपिंडी में स्थानांतरित करना पड़ा, जो मूल रूप से कराची में आयोजित होने वाला था। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची नेशनल स्टेडियम में निर्माण कार्य चल रहा था ऐसे में वहां मुकाबला करवाना ठीक नहीं था। चूंकि पाकिस्तान के कराची नेशनल स्टेडियम, लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम और रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नवीनीकरण का काम चल रहा है। इसलिए संभव है कि मसूद और उनकी टीम को श्रीलंका या यूएई में खेलना पड़े।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के तहत पाकिस्तान ने तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करनी है। पहला टेस्ट 7 अक्टूबर से मुल्तान में प्रस्तावित था जबकि दूसरा टेस्ट 15 अक्टूबर से कराची में तो तीसरा 24 अक्टूबर को रावलपिंडी में होना है। अगर पीसीबी यूएई में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करता है, तो आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के कारण अबू धाबी एकमात्र विकल्प होगा। क्योंकि क्रिकेट का महाकुंभ उत्सव 3 से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में होने वाला है। बांग्लादेश के खिलाफ हालिया हार के बाद पाकिस्तान वापसी करने को उत्सुक होगा। पाकिस्तान आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया जोकि 1965 के बाद से इस प्रारूप में उनकी सबसे निचली रैंकिंग है।

जीवन चुनौती है लेकिन आपको इससे लड़ना होगा, पैरालंपिक में सिल्वर जीतकर बोले प्रणव

पेरिस (एजेंसी)। दुर्घटना के कारण व्हीलचेयर का सहारा लेने के लिए मजबूर प्रणव सूरमा अपने अंतिम नाम के अनुरूप खेलते हैं और अब पैरालंपिक खेलों में पदार्पण करते हुए रजत पदक जीतने के बाद उन्हें उचित प्रसिद्धि मिलेगी। सक्षम खिलाड़ियों के तार गोला फेंक की तरह की पैरा स्पर्धा क्लब थ्रो में बुधवार को प्रणव ने रजत पदक जीता जबकि उनके हमवतन धर्मबीर ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रणव जब सिर्फ 16 साल के थे तब सीमेंट की शीट उनके ऊपर गिर गई जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उनके पैर और हाथ हिलना बंद हो गए। यहां तक कि लकड़ी के डंडे को पकड़ना भी उनके लिए बहुत मुश्किल काम है और उन्हें इसे पकड़ने और प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गोंद का इस्तेमाल करना पड़ता है। प्रणव ने फाइनल में 34.59 मीटर के थ्रो से रजत पदक जीतने के बाद कहा, 'हमने इस लम्हे के लिए दिन-रात काम किया है क्योंकि चिकित्सा स्थिति को देखते हुए बहुत सारी चीजें चल रही हैं और नियमित ट्रेनिंग तथा व्यायाम हमारी चिकित्सा स्थिति में एक बहुत बड़ी चुनौती है।'

कॉमर्स में स्नातक की डिग्री और बैंक में सहायक प्रबंधक हैं प्रणव

फरीदाबाद के प्रणव ने प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कॉमर्स में स्नातक की डिग्री हासिल की है और वह एक राष्ट्रीयकृत बैंक में सहायक प्रबंधक भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए जीवन 'अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है।' प्रणव ने कहा, 'इसलिए इनसे उबरना और सही व्यायाम, सही रिकवरी, सही पोषण की तलाश करना... ये सभी मिलकर एक खिलाड़ी बनने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए हमने उन सभी चुनौतियों को पार किया और गौरव हासिल किया।'

गोंद उस तरह से काम नहीं कर पाया जैसा मैं चाहता था

उन्होंने कहा, 'हम एफ51 श्रेणी में खेलते हैं जो पैरा खेलों में सबसे गंभीर दिव्यांगता है। हमारी अंगुलियों में पकड़ नहीं है इसलिए हम अपने उपकरणों को पकड़ने के लिए एक चिपचिपी गोंद जैसी चीज का उपयोग करते हैं जो लकड़ी का क्लब होता है और हम थ्रो करते हैं।' प्रणव ने कहा कि मौसम की स्थिति के आधार पर गोंद एक चुनौती बन जाती है। उन्होंने कहा, 'अत्यधिक गर्मी में गोंद ढीला हो जाता है, जब बहुत अधिक ठंड होती है, तो गोंद सख्त हो जाता है और जब बारिश होती है तो यह फिसलन भरा हो जाता है।' प्रणव ने कहा, 'इसलिए हमें इसके अनुकूल होने और सर्वोत्तम संभव प्रयास करने की आवश्यकता है। मुझे लगता है कि गोंद उस तरह से काम नहीं कर पाया जैसा मैं चाहता था लेकिन हम किसी तरह अपना सर्वश्रेष्ठ संभव प्रयास करने में कामयाब रहे।'

कोहली को मानते हैं अपना आदर्श

प्रणव की सफलता उनके पिता संजीव की दृढ़ता का भी परिणाम है। संजीव ने प्रणव की देखभाल के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी क्योंकि परिवार के पास किसी व्यक्ति को इस काम पर रखने के लिए पैसा नहीं था। अगर कोई खिलाड़ी है जिसके प्रणव प्रशंसक हैं तो वह हैं दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली।

प्रणव ने कहा, 'मैं बहुत लंबे समय से (माइकल) जोर्डन (एनबीए के सर्वकालिक महान खिलाड़ी) का प्रशंसक रहा हूं। अगर मैं खेलों में सबसे बड़े आदर्श की बात करूं तो मुझे लगता है कि वह मेरे लिए विराट कोहली ही हैं। उन्होंने भी अपने खेल करियर में उतार-चढ़ाव देखे हैं इसलिए उन्होंने इस पर काम किया, उन्होंने अपना समय लिया और आखिरकार किसी से भी ज्यादा मजबूत और बेहतर बनकर उभरे। इसलिए वह दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं और मैं उन्हें अपना आदर्श मानता हूं।'

पाकिस्तान की इस महिला क्रिकेटर को रोहित-विराट को बधाई देना पड़ा महंगा, ट्रोल होने पर कर दी पोस्ट डिलीट

मुम्बई । पाकिस्तान की महिला क्रिकेटर निदा डार एक्स पर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। वहीं निदा को सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि भारत के फैंस भी जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसके पीछे कारण टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। दरअसल, निदा ने इन दोनों खिलाड़ियों को एक्स पर बधाई दी है जिसके बाद से ही उन्हें ट्रोलर्स के सामना करना पड़ रहा है। निदा डार ने एक्स पर रोहित शर्मा और विराट कोहली और भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि, भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर बहुत बधाई। रइन लोगों ने वर्ल्ड क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है। उनकी लीडरशिप स्किल और डेडिकेशन से इस दुनिया को बहुत प्रेरणा मिलती है। हैप्पी रिटायरमेंट्स लेजेंड्स। बता दें कि, निदा ने दो महीने बाद टीम इंडिया को बधाई दी है। भारत ने 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप जीता था। यही कारण है कि फैंस ने निदा को आड़े हाथों लिया और कहा कि दो महीने बाद यादा आया है। वहीं कुछ के मुताबिक निदा टाइम ट्रैवल करने गईं और वहीं अटक गईं। हालांकि, कुछ समय बाद निदा ने ये पोस्ट डिलीट कर दी।

पुतिन की सबसे खास और भरोसमंद जासूस के शरीर पर मिले कई छेद और खून के धब्बे

मॉस्को। दुनियाभर में प्रसिद्ध व्हाइट बेलुगा व्हेल, जो ह्वाल्दिमीर के नाम से भी जानी जाती थी, की मौत चर्चा का विषय बना हुआ है। नार्वे के एनिमल राइट्स ग्रुप ने आशंका जाताई है कि उसकी हत्या की गई है। वहीं, जब एक्सपर्ट ने उस व्हेल की डेड बॉडी की जांच किया तो उस पर शरीर पर छेद और खून के धब्बे दिखे। वहीं, कई एनिमल डॉक्टर, जीवविज्ञानी और बैलिस्टिक एक्सपर्ट्स ने ह्वाल्डिमिर की चोटों के नमूने की जांच की। उनका कहना है कि इस व्हेल की मौत का कारण एक क्रिमिनल एक्टिविटी है। ह्वाल्दिमीर ने 2019 में पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। 14 फुट लंबी और 2,700 पाउंड वजनी व्हेल के शरीर पर 5 साल पहले कैमरे लगाने वाले फीता के साथ दिखाई दी थी और फिर उसके रूस के हिस्से वाले समुद्री हिस्सों में पाए जाने के बाद से उसे रूसी जासूस माना गया था। ह्वाल्दिमीर व्हेल का नाम भी रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन के नाम को मिलाकर रखा गया है। इसके नाम के लिए नार्वेयाई भाषा के शब्द 'ह्वाल' और व्लादिमिर पुतिन के नाम व्लादिमीर को मिलाकर रखा गया था। वहीं, रूसी जासूस को लेकर एक सवाल पर नार्वे के दक्षिण-पश्चिमी पुलिस डिस्ट्रिक्ट अधिकारी ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया था। आपको बताते चलें कि ह्वाल्दिमीर व्हेल की डेड बॉडी शनिवार को दक्षिणी नॉर्वे के रिसाविका खाड़ी में मछली पकड़ रहे पिता और पुत्र ने बहते हुए दिखा था। डेड बॉडी को क्रेन की मदद से पानी से बाहर निकाला गया था। वहीं, मरीन माइंड ने बताया कि ह्वालदिमीर के मौत का कारण तुरंत पता लगाना संभव नहीं था, और इसलिए जब तक विभाग अपना काम पूरा नहीं कर लेता, तब तक अटकलों से बचना ज़रूरी है।

हिम्मत की बात ... जंग के बीच गाजा में 187,000 बच्चों को पोलियो टीका लगाया गया

जेनेवा। तीन दिवसीय पोलियो टीकाकरण अभियान के पहले चरण में गाजा पट्टी के 187,000 बच्चों को पोलियो टीका लगाया गया। टीका लगाए गए सभी बच्चे 10 साल से कम उम्र के थे। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र ने दी। यूएन ऑफिस फॉर द कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमन अफेयर्स (ओसीएचए) ने बताया कि अब यह अभियान गुरुवार से तीन दिनों के लिए गाजा के दक्षिणी क्षेत्र में शुरू होगा, जिसके बाद उत्तरी क्षेत्र में चलेगा। 640,000 से अधिक बच्चों को टीके की दो खुराक (प्रत्येक खुराक चार सप्ताह के अंतराल पर) देने का लक्ष्य रखा गया है। ओसीएचए ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने अब तक 187,000 बच्चों को टीका लगाया है। यह अभियान 10 महीने के बच्चे के पोलियो से आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हो जाने के बाद शुरू किया गया था। ओसीएचए ने कहा कि टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए मध्य गाजा में 510 टीमें तैनात की गईं। इसमें 40 हेल्थ पार्टनर भाग ले रहे हैं। 17 स्वास्थ्य सेवा केन्द्र टीकाकरण संचालित कर रहे हैं और 23 अभियान के बारे में समुदायों को जानकारी दे रहे हैं। गौरतलब है कि गाजा में लड़ाई जारी रहने के बावजूद टीकाकरण किया जा रहा है। हमास नियंत्रित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में 42 लोग मारे गए हैं तथा युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 40,861 लोग मारे गए हैं। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की मुख्य एजेंसी के प्रमुख फिलिप लाज़ारिनी ने लिखा, बहुत बढ़िया प्रगति! गाजा के मध्य क्षेत्रों में हर दिन, अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो के खिलाफ टीके लग रहे हैं।

पाकिस्तान की पहली मोटर बाइकर बनी जेनिथ इरफान, अकेले बाइक से नाप दिया पूरा पाकिस्तान

लाहौर। लाहौर की रहने वाली जेनिथ इरफान पाकिस्तान की पहली मोटर बाइकर बन गई हैं, जिसने अकेले बाइक से पूरा पाकिस्तान नाप दिया। 29 साल की जीनत इरफान कई सालों से अकेले ही बाइक पर ट्रेवल करती हैं। उनकी जिंदगी पर 'मोटरसाइकल गर्ल' नाम से फिल्म भी बन चुकी है। जीनत 12 साल की उम्र से बाइक चला रही हैं। देशभर में उन्होंने अकेले सफर किया। तूफ़ानों के बीच से गुजरीं। बारिश हो या तेज हवा, वो चलती गईं। जब वो सिर्फ 20 साल की थीं, तो बाइक पर अकेले ही नॉर्दर्न पाकिस्तान नाप दिया था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का ट्रिप भी बाइक से पूरा किया। आज लोग उनके जज्बे को सलाम करते हैं।

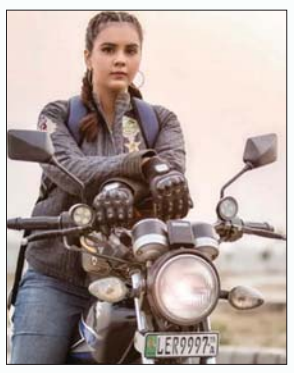

जीनत का जन्म यूएई के शारजाह में हुआ था, लेकिन 12 साल की उम्र से ही वो पाकिस्तान में रह रही हैं। ब्लैक और ग्रे राइडिंग जैकेट में जब बाइक लेकर जीनत सड़कों पर निकलती हैं, तो लोग उन्हें देखकर खुश हो जाते हैं। उनकी तारीफ करते नहीं थकते। जीनत बताती हैं कि उनके पिता का सपना था कि बाइक पर वर्ल्ड टूर करें। उनकी ख़्वाहिश को पूरा करने के लिए उन्होंने होंडा-125, सीडी-70 और सुजुकी जीएस-150 से सफर किया। उन जगहों पर भी गईं, जहां जाना लड़कियों के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता। जेनिथ ने फेसबुक पर नदी पार करते हुए, कबीलाइयों के साथ और ट्रक ड्राइवर्स के साथ फोटोज शेयर किए हैं, जिसे हजारों लाइक्स मिले हैं। जीनत सोशल मीडिया पर अपनी ट्रैवल स्टोरी शेयर करती रहती हैं। उनके जुनून ने जल्द ही जेनिथ को राष्ट्रीय स्टार बना दिया है। जेनिथ ने कहा, मेरी मां काफी लिबरल हैं। उनसे ही मुझे ये ताकत मिली। मैं उस वक्त से बाइक चला रही हूं, जब पाकिस्तान में लड़कियों को पर्दे में रखा जाता था। लेकिन मेरे इस जुनून ने कई लोगों की सोच बदल डाली।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से विश्व में फैल रही गंभीर बीमारियां : अध्ययन

लंदन। पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी के चलते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव इंसानों पर गंभीर बीमारी बनकर कहर बरपा रहे है। हर उम्र के लोग किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। सर्दी, जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इन बीमारियों की वजह से हर साल करोड़ों लोग जान गंवा रहे हैं। विश्व का कोई भी कोना हो, हर तरफ बीमारियों की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मेडिकल साइंस की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमारियों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों हो रहा है? एक ताजा अध्ययन में बीमारियां फैलने की सबसे बड़ी वजह का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। एक मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि बढ़ती बीमारियों की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन है। स्टडी में पता चला है कि दुनियाभर में इंसानों को प्रभावित करने वाली 375 संक्रामक बीमारियों में से 58 फीसदी डिजीज का प्रकोप क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़ गया है। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संबंधी खतरों को बढ़ा रहा है, जिसके कारण इंसान मौत के मुंह में जा रहे हैं। बैक्टीरिया और वायरस फैलने के लिए क्लाइमेट में बदलाव काफी हद तक जिम्मेदार हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में अगर क्लाइमेट चेंज को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो परिस्थितियां ज्यादा गंभीर हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने इन्फ्लुएंजा, मलेरिया और सार्स जैसे रोगों को प्रभावित करने वाले जलवायु खतरों की तलाश में 77000 से ज्यादा स्टडीज की जांच की। इनमें पता चला कि ज्यादा गर्मी, सूखा, जंगल की आग, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, तूफान। समुद्र के लेवल में वृद्धि, महासागरीय जलवायु परिवर्तन और भूमिगत बदलाव बीमारियों की प्रमुख वजह बनकर सामने आए हैं। इन कारणों की वजह से मलेरिया, इंफ्लुएंजा, सार्स, अस्थमा, स्किन एलर्जी जैसे रोग गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन रहे हैं।

मिस्र में चीन की पीएलए की वायुसेना के विमान करतब दिखाते हुए।

पुतिन यूक्रेन से बातचीत को तैयार... लेकिन 2022 के समझौते पर

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन के साथ वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन केवल उस समझौते के आधार पर जो 2022 में इस्तांबुल में रूस और कीव के वार्ताकारों के बीच तय हुआ था। पुतिन ने कहा, क्या हम उनके साथ बातचीत के लिए तैयार हैं? हमने कभी मना नहीं किया, लेकिन कुछ अस्थायी मांगों के आधार पर नहीं, बल्कि उन दस्तावेजों के आधार पर जो इस्तांबुल में सहमत और प्रारंभ किए गए थे। रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने कुर्स्क क्षेत्र में घुसपैठ की, जिससे सुरक्षा स्थिति में खलल पड़ा और बातचीत की संभावनाओं को प्रभावित किया। घटना के बाद रूस ने वार्ता की संभावना को कम कर दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। पुतिन ने स्पष्ट किया है कि रूस बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन केवल उन दस्तावेजों के आधार पर जो पहले से सहमत हो चुके हैं। उनका कहना है कि अस्थायी और नई मांगों पर चर्चा नहीं होगी। रूस का साफ कहना है कि वार्ता के लिए पूर्व में सहमत दस्तावेज और शर्तों के आधार पर ही चर्चा की जाएगी। इस संघर्ष के कारण वैश्विक समुदाय, विशेषकर यूरोपीय देशों और अमेरिका ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध और राजनयिक दबाव डाला है। इसके साथ ही यूक्रेन को सैन्य और मानवीय सहायता भी प्रदान की जा रही है।

क्या है इस्तांबुल समझौता?

2022 में इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता के दौरान एक समझौते पर सहमति बनी थी, जिसे दोनों पक्षों ने प्रारंभ किया था। इस समझौते में संघर्ष को कम करने और बातचीत के जरिए समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इस समझौते को लागू नहीं किया जा सका, और दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहा। पुतिन का कहना है कि वह केवल इसी समझौते के आधार पर बातचीत के लिए तैयार हैं, और किसी भी नई मांग या शर्तों को मानने से इंकार करते हैं।

कनाडा की ट्रूडो सरकार पर गहराया संकट, एनडीपी ने लिया समर्थन वापस

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो को बड़ा झटका लगा जब उनकी अल्पमत सरकार को समर्थन देने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। इसके बाद ट्रूडो को सरकार गिरने का डर सताने लगा है और वह नए गठबंधन की तलाश में जुट गए है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह ने 2022 में ट्रूडो के साथ किए समझौते को रद्द करने का ऐलान करते हुए कहा कि उनका धैर्य अब खत्म हो गया है। ट्रूडो ने शुरुआती चुनाव की बातों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता कनाडाई जनता के लिए सामाजिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हम कनाडाई लोगों के लिए काम करेंगे और उम्मीद करते हैं कि अगले चुनाव तक हम अपने कार्यक्रम पूरा कर लेंगे।

समर्थन वापसी के बाद ट्रूडो अब विपक्षी दलों पर निर्भर हो गए हैं।

खासकर जब संसद में विश्वास मत की जरूरत होगी। यदि अब चुनाव होते हैं, तो हालिया सर्वे के मुताबिक ट्रूडो की लिबरल पार्टी को हार का सामना करना पड़ सकता है। कनाडा में अगला चुनाव अक्टूबर 2025 में होना है। ट्रूडो 2015 से कनाडा के पीएम हैं, पिछले कुछ सालों से विपक्षी दलों, विशेष रूप से कंज़र्वेटिव पार्टी द्वारा महंगाई और आवास संकट को लेकर आलोचना का सामना कर रहे हैं।

एनडीपी के समर्थन से उनकी सरकार ने कई सामाजिक कार्यक्रमों को लागू किया है, जिनमें से एक राष्ट्रीय डेंटल प्रोग्राम भी है। जगमीत सिंह ने खासकर खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर उनकी निराशा सबसे ज्यादा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि जस्टिन ट्रूडो ने बार-बार कॉर्पोरेट लालच के सामने घुटने टेक दिए हैं। लिबरल्स ने जनता को धोखा दिया है और उन्हें दूसरा मौका नहीं मिलना चाहिए। हालिया सर्वे के मुताबिक एनडीपी तीसरे स्थान पर है, जबकि सिंह ने पीएम पद के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया है। कंज़र्वेटिव नेता पियरे पोलीएवर ने भी सिंह और ट्रूडो पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ने मिलकर देश की आर्थिक स्थिति को खराब किया है और जनता को संकट में डाला है। उन्होंने कार्बन टैक्स चुनाव की मांग की, ताकि जनता यह तय कर सके कि वे मौजूदा गठबंधन को चुनते हैं या कॉमन सेंस कंज़र्वेटिव सरकार को।

रूस के यूक्रेन पर घातक हमले से पौलेंड हुआ सतर्क, वायुसेना को किया अलर्ट

वारसा (एजेंसी)। रूस के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल हमलों के बाद पोलैंड ने अपनी सीमा पर वायुसेना को एक्टिव कर दिया है और विमान भेज दिए हैं। इस साल यूक्रेन पर रूस का यह सबसे घातक हमला था जो मंगलवार को किया गया। पोल्टावा के केंद्रीय शहर में एक सैन्य संस्थान पर हमला किया गया। बैलिस्टिक मिसाइलों के इस हमले में 50 से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए हैं। रूस ने अभी तक पोल्टावा पर और कीव पर किए गए हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रूस लंबे समय से जोर देता रहा है कि उसके हमले केवल सैन्य, एनर्जी और ट्रांसपोर्ट बुनियादी ढांचे को टारगेट करते हैं, न कि आम नागरिकों को।

पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र को सुरक्षित करने सभी कदम उठाए हैं, क्योंकि हाल ही में रुसी सेना ने यूक्रेन पर मिसाइलों से हमला किया था। पोलैंड की वायुसेना ने पश्चिमी यूक्रेन को निशाना बनाने वाली रूसी मिसाइलों से देश के हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए जेट विमानों को तैनात किया है। दक्षिण-पूर्वी पोलैंड में वायुसेना गश्त कर रही है जो यूक्रेन की सीमा से सटा हुआ है।

रूस के हमले में पोलैंड को कोई नुकसान तो नहीं हुआ है, लेकिन उत्तरी यूक्रेनी शहर खार्किव में एक बड़े स्टोर पर रूसी हमले में 12 लोग मारे गए और 43 घायल हो गए थे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने हवाई हमले को पुतिन का पागलपन बताया है। पोलैंड ने 520 मिलियन डॉलर के नए सैन्य सौदों की घोषणा हाल ही में की है। वह अपनी सुरक्षा के लिए सभी बंदोबस्त कर रहा है। पोलैंड वर्तमान में अपने जीडीपी का 4 फीसदी रक्षा पर खर्च करता है। यह किसी भी नाटो मेंबर का सबसे ज्यादा अनुपात है और अगले साल यह संख्या 4.7 फीतसदी तक बढ़ सकती है।

भारत में मुंह पर ताला लगा कर रहे हसीना... राजनैतिक बयानबाजी सही नहीं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पांच अगस्त को हुए तख्तापलट के बाद से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में हैं। इस बीच बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को लेकर कड़ा बयान दिया है।

यूनुस का कहना है कि शेख हसीना भारत में बैठकर बांग्लादेश को लेकर राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं, जो सही नहीं है। उन्हें दोनों मुल्कों के बीच सौहार्द को बनाए रखने के लिए मुंह पर ताला लगाकर बैठना होगा। हम भारत सरकार से उनके प्रत्यर्पण का अनुरोध करने वाले हैं। यूनुस ने कहा कि अगर भारत हसीना को उनके बांग्लादेश प्रत्यर्पण तक रखना चाहता है तब इसके लिए शर्त यही है कि शेख हसीना को चुप रहना होगा। यूनुस ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ मजबूत संबंधों को तरजीह देता है। भारत को भी उस नैरेटिव से ऊपर उठकर देखना होगा, जिसमें वह अवामी लीग को छोड़कर बांग्लादेश की अन्य पार्टियों को इस्लामिक पार्टियों के तौर पर देखता है। भारत सोचता है कि हसीना के बिना बांग्लादेश एक तरह से अफगानिस्तान में तब्दील होगा। उन्होंने कहा कि हम भारत में शेख हसीना के रुख से सहज नहीं है। हम उनका जल्द से जल्द प्रत्यर्पण चाहते हैं ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। अगर वे भारत में चुपचाप बैठती तब हम उन्हें भूल चुके होते। बांग्लादेश के लोग भी उन्हें भुला चुके होते लेकिन भारत में बैठकर वह लगातार बयान दे रही हैं। यह किसी को पसंद नहीं है। बांग्लादेश की सरकारी नौकरियों में उन लोगों के परिवारों को आरक्षण मिलता था, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ आजादी की लड़ाई में भूमिका निभाई थी। इस कोटे के खिलाफ वहां उग्र प्रदर्शन शुरू हुए थे।

पोप फ्रांसिस का संदेश... अपना धर्म दूसरों पर न थोपें

जकार्ता (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया को पोप फ्रांसिस ने धार्मिक अतिवाद के खिलाफ नसीहत दी है। पोप फ्रांसिस ने इंडोनेशिया के नेताओं से कहा कि वे लोगों को धार्मिक अतिवाद से बचाएं। धार्मिक अतिवाद ने धोखे और हिंसा के माध्यम से लोगों की मान्यताओं को बदला है। पोप फ्रांसिस 9 दिनों के दक्षिण पूर्व एशिया दौरे पर हैं, जहां ईसाई समुदाय अल्पसंख्यक है। पोप पहली बार दक्षिण पूर्व एशिया में इतने लंबे समय के लिए पहुंचे हैं। अपने दौरे में उन्होंने स्थानीय कैथोलिक ईसाइयों से कहा कि वे अपना धर्म दूसरों पर न थोपें।

पोप ने कहा कि कैथोलिक चर्च अलग-अलग धर्मों के बीच बातचीत बढ़ाने में अपना सहयोग बढ़ाएगा ताकि धार्मिक अतिवाद को रोकने में मदद मिले। जकार्ता के राष्ट्रपति भवन में दिए अपने भाषण में 87 साल के पोप ने कहा, इस तरह हम पूर्वाग्रहों को खत्म कर सकते हैं, आपसी सम्मान और विश्वास का माहौल बढ़ सकता है। धार्मिक अतिवाद और असहिष्णुता जैसी आम चुनौतियों का सामना करने के लिए यह जरूरी है। ये चुनौतियां धर्म को बदलवाकर धोखे और हिंसा का

इस्तेमाल कर अपने विचारों को थोपने की कोशिश करती है।

बात दें कि इंडोनेशिया की आबादी 28 करोड़ है जिसमें से 87 प्रतिशत लोग मुस्लिम समुदाय से हैं। मुस्लिमों की बहुलता के बावजूद इंडोनेशिया इस्लामिक देश नहीं है, बल्कि इसके संविधान में सभी धर्मों के पालन की आजादी की बात कही गई है।

इंडोनेशिया में दो दशक पहले इस्लामी हिंसा के बड़े मामले देखने को मिलते थे। 2002 में बाली में बमबारी हुई थी जिसमें 88 ऑस्ट्रेलियाई सहित 202 लोग मारे गए थे। हालांकि, उसके बाद से धार्मिक चरमपंथ में बहुत हद तक गिरावट आई है।

पोप से मुलाकात के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने इजरायल-गाजा युद्ध में युद्धविराम के आह्वान के लिए फ्रांसिस को धन्यवाद दिया।

पोप घुटने और पीठ के दर्द से पीड़ित हैं, इसकारण वे राष्ट्रपति भवन में व्हीलचेयर पर पहुंचे। अपने भाषण में पोप ने किसी खास हिंसक घटना का जिक्र नहीं किया लेकिन अतिवाद, असहिष्णुता और धर्मांतरण पर बात की।

उन्होंने कहा, कई बार ऐसा होता है जब भगवान में आस्था को...दुर्भाग्य से शांति, एकता, बातचीत, सम्मान, सहयोग और भाईचारे को आगे बढ़ाने के बजाय विभाजन और नफरत को बढ़ावा देने में बदल दिया जाता है।

अपने धर्म को दूसरों पर थोपना...

राष्ट्रपति भवन में भाषण देने के बाद पोप फ्रांस जकार्ता के चर्च के स्थानीय कैथोलिकों से मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि चर्च की शिक्षाओं का पालन करने का मतलब कतई ये नहीं है कि अपने धर्म को दूसरों पर थोपा जाए या इस दूसरों का विरोधी बना दिया जाए।

कमला हैरिस को हराना चाहते हैं पुतिन? अमेरिका ने लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे पावरफुल देशों में से एक अमेरिका की सबसे ताकतवर कुर्सी पर जो बैठेगा, उससे ग्लोबल राजनीतिक और पावर पॉलिटिक्स के समीकरण भी तय होंगे। जो बाइडन एडमिनिस्ट्रेशन ने व्लादिमीर पुतिन पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में हस्तक्षेप करने और इसे 'प्रभावित' करने का आरोप लगाया है। आखिर क्या वजह है कि डेमोक्रेटिक कैंडिडेट और अमेरिका में प्रेजिडेंट पद की मजबूत दावेदार, युवा अमेरिकियों की खास पसंद बनकर उभरीं कमला हैरिस को रूस हराना चाहते है। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है। राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबला होगा। 10 सितंबर को कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण प्रेजिडेंशल डिबेट होनी है।

अमेरिका में अवैध तरीके से एंट्री करना, नरक के बीच में जिंदगी गुजरना

-डंकी रूट पर डकैती, रेप जैसे घटनाओं का करना पड़ता है सामना

वाशिंगटन (एजेंसी)। सपने, समृद्धि, सफलता दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर खींचती है। जिसकी चाहत में लोग दुनिया के किसी भी कोने में जाने को तैयार रहते हैं। सपनों को साकार करने सैकड़ों भारतीय भी इन लोगों में शुमार हैं। अपने ख्वाबों को पूरा करने के लिए हजारों भारतीय अपनी जान पर खेलकर अवैध रूप से अमेरिका पहुंच रहे हैं। डंकी रूट का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो घने जंगलों, कठिन रास्ते वाले इलाकों और उबड़-खाबड़ पानी से होकर गुजरता है।

एक एजेंट ने खुलासा किया कि अमेरिका में अवैध तरीके से एंट्री करने वाले 10-12 फीसदी लोग रास्ते में ही मारे जाते हैं। मानव तस्कर अवैध प्रवासियों को अमेरिका ले जाने के लिए करीब 50 हजार से एक लाख डॉलर यानी करीब 40 लाख से 80 लाख रुपए लेते हैं। शाहरुख खान स्टारर फिल्म डंकी डंकी रूट या डंकी फ्लाइट पर आधारित है, जिसे हजारों भारतीय हर साल अमेरिका, ब्रिटेन या किसी अन्य यूरोपीय देश तक पहुंचने के लिए अपनाते हैं।

इस सफर में तमाम देशों से होते हुए कई पड़ावों से गुजरना पड़ता है, जिनमें पनामा, कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर और ग्वाटेमाला जैसे मध्य अमेरिकी देश शामिल हैं, इस खतरनाक सफर में दो साल तक लग जाते हैं। इसमें कई जोखिम होते हैं, जिसमें डकैती, गंभीर चोटें, रेप और आपराधिक गिरोहों के हाथों मौत शामिल है। यह एकमात्र रास्ता नहीं है, जिसके जरिए अवैध अप्रवासी अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हैं। अवैध अप्रवासी कनाडा के जरिए भी अमेरिका में प्रवेश करते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में करीब 725,000 अनधिकृत भारतीय अप्रवासी हैं, जो उन्हें मेक्सिको और अल साल्वाडोर के बाद तीसरा सबसे बड़ा ग्रुप बनाता है। 2023 में रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। 36 वर्षीय अवैध प्रवासी सुभाष ने बताया कि उन्होंने अपनी सेविंग खर्च की और पैसे उधार लेकर एक गिरोह को 50,000 डॉलर दिए, जिससे वह अमेरिका पहुंच सके। हालांकि, पैसे देने के बाद, उन्हें नेपाल के काठमांडू ले जाया गया, जहां उनका अपहरण कर लिया गया और फिरौती के लिए रखा गया।

अमेरिका पहुंचने और ख्वाबों को पूरा करने की बेताबी भारत में बेरोजगारी, कम आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में संकट से प्रेरित है। कई परिवार इन अवैध प्रवास सर्विसेज का भुगतान करने के लिए अपनी जमीन, गहने और यहां तक अपने घर भी बेच देते हैं। इस सफर में जोखिम बहुत हैं। अवैध प्रवासियों को सफर के वक्त पकड़े जाने, प्रताड़ित किए जाने, जेल जाने या मारे जाने की आशंका का सामना करना पड़ता है।

जोगिंदर ने यौन हमलों के बारे में बताया कि माफिया, बॉर्डर्स को कंट्रोल करते हैं। रास्ते में कई गलत घटनाएं होती हैं और महिलाओं के साथ

भयानक चीजें होती हैं, मैं यहां यह नहीं कह सकता. लेकिन उन्हें अमेरिका पहुंचने के लिए यह सब सहना पड़ता है। छात्र मलकीत सिंह को अमेरिका पहुंचने की कोशिश में तस्करों ने मार डाला। अमेरिका पहुंचने का यह ख्वाब एक नरक से होकर गुजरता है, लेकिन यह उन हजारों लोगों को नहीं रोक पाता, जो अमेरिका पहुंचने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं।

बीमार पति को ले जा रही महिला से एम्बुलेंस कर्मियों ने की छेड़छाड़

-अखिलेश का तंज, यूपी में कहीं कोई सरकार है क्या?

लखनऊ । यूपी के सिद्धार्थनगर जिले की महिला ने निजी एम्बुलेंस कर्मियों पर छेड़छाड़ और अभद्रता का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि वह अपने बीमार पति को लेकर लखनऊ से एम्बुलेंस से लौट रही थी। तभी रास्ते में उसके साथ गलत हरकत की गई। विरोध करने पर उसके पति, भाई और महिला को बस्ती के छावनी इलाके में हाइवे किनारे जबरन उतार दिया। जिसके बाद पीड़ित महिला ने डायल 112 पर फोन कर सूचना दी। लेकिन तब कोई खास सुनवाई नहीं हुई। हालांकि, मामले के तूल पकड़ने के बाद अब लखनऊ के गाजीपुर थाने में एफआईआर दर्ज हुई है। दरअसल, पूरा मामला 28 अगस्त का है जब महिला अपने बीमार पति का बस्ती के अस्पताल में इलाज कराने पहुंची थी। जहा हालत बिगड़ते देख वहां अपने पति हरीश साहनी को लखनऊ मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचती है। लेकिन बेड न खाली होने के चलते एडमिट नहीं किया जा सका। मजबूरी में वह अपने पति को लखनऊ के ही एक निजी चिकित्सालय ले जाकर भर्ती कराती है। यहां 2 दिन के उपचार में ही अस्पताल एक लाख रूपये से अधिक ले लेता है। रुपये खत्म होते देख महिला डाक्टरों से पति को डिस्चार्ज करने को कहती है। अस्पताल के काउंटर से प्राइवेट एम्बुलेंस कर्मी का नंबर मिलता है। वह अपने बीमार पति को लेकर एम्बुलेंस से घर चल देती है। तभी एम्बुलेंस चालक बीमार पति के साथ पीछे बैठी पत्नी व उसके भाई से कहता है कि महिला को आगे की सीट पर बैठा दीजिए, ताकि रात में पुलिस परेशान न करे। क्योंकि, एम्बुलेंस प्राइवेट है, रास्ते में कागज वगैरह को लेकर दिक्कत हो सकती है ये सुनकर मजबूर महिला आगे बैठ जाती है। तभी रास्ते में उसके साथ छेड़खानी की जाती है। एम्बुलेंस का मिरर बंद होने से पीछे बैठे महिला के भाई तक उसकी चीख नहीं पहुंचती है। आखिर में महिला दरवाजा पीटने लगती है। तब एम्बुलेंस कर्मी छावनी में हाइवे के किनारे गाड़ी रोककर महिला, उसके भाई और बीमार पति को उतारकर भाग जाते हैं। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सरकारी एम्बुलेंस से बस्ती जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से डाक्टरों ने पति को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां कुछ घंटो के उपचार के बाद महिला के पति ने दम तोड़ दिया। मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लिखा, ऐसी घटना कि शब्द भी शर्मसार हो जाएं। शब्दों की सीमा से परे निंदनीय। यूपी में कहीं कोई सरकार है क्या?

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश से 32 की गई जान... कई लोगों का सब कुछ खत्म

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में भारी बारिश ने व्यापक तबाही मचा दी है, जिससे राज्य के कई क्षेत्रों में भयंकर बाढ़ आ गई है। लगातार हो रही बारिश ने निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया है, परिवहन को बाधित कर दिया है और हजारों निवासियों को विस्थापित कर दिया है। नदियों के उफान पर होने और जल स्तर बढ़ने के कारण अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और प्रभावित समुदायों को निकालने और राहत उपाय प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। आंध्र में अभूतपूर्व मूसलाधार बारिश और बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है और राहत शिविरों में निकाले गए लोगों की संख्या बढ़कर 45,369 हो गई है। सबसे अधिक प्रभावित विजयवाड़ा वाले एनटीआर जिले में 24 मौतें हुईं, गुंटूर (सात) और पालनाडु (एक) मौत हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 4 से 8 सितंबर तक उत्तरी तटीय आंध्र के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अहम बैठक की

इसके पहले मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बैंकरों और बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उनसे अनुरोध किया कि वे क्षतिग्रस्त वाहनों और अन्य पर बीमा दावों का 10 दिनों में निपटान करें और उन्हें एक पखवाड़े में हल करें। उन्होंने बैंकों से बाढ़ पीड़ितों के ऋणों को पुनर्निर्धारित करने का भी अनुरोध किया क्योंकि उनमें से कई ने अपना सब कुछ खो दिया है और वे अपना जीवन फिर से शुरू करने की कगार पर हैं।

ओडिशा में पांच वर्षों में आकाशीय बिजली गिरने से 1,625 लोगों की मौत हुई : मंत्री

भुवनेश्वर। ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में बताया कि राज्य में पिछले पांच वर्षों में आकाशीय बिजली गिरने से 1,625 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक टंकधर त्रिपाठी के एक सवाल में मंत्री ने कहा कि 2019-20 से 2023-24 के दौरान पूरे राज्य में आकाशीय बिजली गिरने से कुल 1,625 लोगों की मौत हुई। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 372 लोगों, 2020-21 में 338 लोगों और 2021-22 के दौरान 294 लोगों की जान गई। पुजारी ने सदन को लिखित जवाब में बताया कि राज्य में 2022-23 में 334 और 2023-24 के दौरान 287 लोग आकाशीय बिजली गिरने के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रश्न पर चर्चा के दौरान मंत्री ने कहा कि इस अवधि के दौरान राज्य में आकाशीय बिजली गिरने के कारण मौत का आंकड़ा देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में खनिज भंडार अधिक हैं, वहां बिजली गिरने से होने वाली मौतें अधिक होती हैं, क्योंकि खनिज विद्युत के अच्छे संवाहक होते हैं।

ट्रेनों में वसूली करने वाले किन्नरों के खिलाफ रेलवे ने चलाया अभियान 59 को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली(ईएमएस)। किन्नरों द्वारा यात्रियों को परेशान शिकायतें लगातार मिल रही हैं। बड़े स्टेशनों के आसपास से किन्नर ट्रेनों में सवार हो जाते हैं और आउटर पर पहुंचने पर उतर जाते हैं। जिससे ये स्टेशनों में पकड़ में नहीं आते हैं। इनको पकड़ने के लिए आरपीएफ चलती ट्रेनों में अभियान चला रहा है। यात्रियों को सुविधजनक और सुरक्षित यात्रा करने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। रेलवे किन्नरों के अलावा भीख मांगने वाले और स्टेशनों पर करतब दिखाने वालों पर भी कार्रवाई करेगी। इस तरह की शिकायतें भी रेलवे के पास आ रही हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी होती है। इनकी वजह से कई बार ट्रेन से सामान चोरी होने की आशंका रहती है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में चलने वाली ट्रेनों में किन्नरों का 'खेल' चल रहा था। सफर कर रहे यात्रियों से ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने इसकी शिकायत की। इसके बाद आरपीएफ ने चेकिंग अभियान शुरू किया। जिसमें 59 किन्नरों को रंगेहाथ पकड़ा गया। इनमें से कुछ को जेल भेजा गया। रेलवे के अनुसार इस तरह की कार्रवाई लगातार चलती रहेगी। रेल यात्रियों को यात्रा के दौरान किन्नरों द्वारा जबरदस्ती पैसे वसूलना, परेशान करना, भद्दे इशारे करना और गलत तरीके से छूने की शिकायतें आरपीएफ को मिली। इसे गंभीरता से लेते हुए उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मण्डलों प्रयागराज, आगरा एवं झांसी में किन्नरों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 59 किन्?नरों को रंगेहाथों पकड़ा, जो यात्रियों को भद्दे इशारे और गलत तरीके से छू रहे थे। इन पर रेल अधिनियम-1989 की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत गिरफ्तार किया गया। इनके 6900 रुपये जुर्माना वसूला गया और 20 किन्नरों को जेल भेजा गया। रेलवे मंत्रालय के अनुसार इस तरह के अभियान रेलवे के सभी 17 जोनों में चलाए जाएंगे।

सुलतानपुर सर्राफा डकैती कांड का आरोपी और एक लाख का इनामी बदमाश एनकाउंटर में ढेर

सुलतानपुर। सर्राफा व्यवसाई भरत सोनी डकैतीकांड में 28 अगस्त को दिन दहाड़े दुकान में घुसकर पांच बदमाशों ने असलहे के बल पर करोड़ों का जेवरात और नगदी लूटने वाले बदमाश मंगेश को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। मंगेश अयोध्या, प्रयागराज व वाराणसी मंडल का हार्डकोर शूटर अपराधी था। एक लाख के इनामी मंगेश की डकैती कांड में भी मुख्य भूमिका थी। मौके से 32 बोर की एक पिस्टल, कारतूस, 315 बोर का एक तमंचा, बाइक और लूटे गए जेवर बरामद किए गए हैं।सर्राफा व्यवसाई भरत सोनी डकैतीकांड में 28 अगस्त को दिन दहाड़े दुकान में घुसकर पांच बदमाशों ने असलहे के बल पर करोड़ों का जेवरात और नगदी लूट ले गए थे। मंगलवार को घटना का खुलासा करते हुए एसपी ने बताया कि घटना में कुल 15 बदमाश प्रकाश में आए।

अग्निपथ योजना में बदलाव किया तो मव सद में नहीं होंगे कामयाब!

-उच्चाधिकारी ने बदलाव से कि इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरः कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम का तोहफा देने बाद मोदी सरकार अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव कर ती है? ये सवाल आज हर किसी के मन में उठ रहा है। व छले कुछ वक्त से अग्निपथ योजना को लेकर सियासी त ान चढ़ा हुआ है। इस बीच अग्निपथ योजना को लेकर उच्च अधिकारी ने जानकारी साझा की है जिसमें कहा है कि अग्निपथ योजना में किसी तरह का कोई बदलाव किया जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक इस यो में किसी तरह के बदलाव किए जाएंगे तब इसे लागू करने का मकसद कामयाब नहीं हो पाएगा। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि अगर अग्निपथ योजना में किसी तरह का बदलाव होता तो इससे भारत के सुरक्षा हितों को खतरा हो सकता है। हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और झारखंड विधानसभा चुनावों में अग्निपथ स्कीम चुनावी मुद्दा बन सकती है।

सेना का यह भर्ती मॉडल जब से लागू हुआ है तब से ही चर्चा बना हुआ है। इसके तहत युवाओं को कुछ सालों के लिए सेना में भर्ती किया जाता है। इस स्कीम को दो साल पहले सशस्त्र बलों को युवा और युद्ध के लिए तैयार रखने के मकसद से पेश किया गया था। रिपोर्ट में सरकार के एक उच्च अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह योजना चीन का मुकाबला करने की हमारी रणनीति के तहत है। सेना को विवादित सीमा के दुर्गम पहाड़ों में लड़ने के लिए युवाओं की जरूरत है।

अधिकारी ने 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प का उदाहरण देते हुए कहा कि इस घटना ने साबित कर दिया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुश्मन से लोहा लेने के लिए कितनी कठिनाई होती है। उस समय भारत और चीन के सैनिकों के बीच पत्थरों, डंडों और नुकीले तारों से लड़ाई हुई थी। हमारे पैदल सेना के सैनिकों की औसत आयु 29 है, लेकिन उन्हें 21 के करीब होने की जरुरत है। दरअसल अग्निपथ स्कीम के तहत केवल 17 से 21 वर्ष की आयु के युवा पुरुष और महिलाएं सेना में भर्ती के योग्य हैं। अग्निपथ के तहत चुने गए सैनिकों में से 25फीसदी को अगले 15 साल तक नियमित सेवा में बनाए रखने का प्रावधान है।

बता दें भारत सरकार ने अपनी सेना को युवा और चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए अग्निपथ योजना शुरु की थी। इस योजना के तहत, युवाओं को चार साल के लिए सेना में भर्ती किया जाता है, जिसके बाद उनमें से 25फीसदी को स्थायी सेवा में लिया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सेना की औसत आयु को कम करना और उसे चीन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है।

राम रहीम को कई बार पेरोल देने वाले को भाजपा ने बनाया उम्मीदवार

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की है। यहां पर उन्होंने कई नए चेहरों को टिकट दिया है। इन्हीं चेहरों में शुमार हैं सुनील सांगवान। सुनील सांगवान को भाजपा ने दादरी से टिकट दिया है। सुनील सांगवान के नाम की इसलिए भी चर्चा हो रही है। क्योंकि उन्होंने तीन दिन पहले ही जेल अधीक्षक के पद से वीआरएस ले ली थी। रविवार को उन्होंने सरकार को पत्र लिखा और फिर तुरंत उन्हें सरकार ने रिटायर भी कर दिया। सांगवान ने हरियाणा पुलिस में 22 साल तक नौकरी की। राम रहीम को 2017 से लेकर अब तक 10 बार पेरोल-फरलो मिली है, जिसमें छह बार सुनील सांगवान के कार्यकाल में मिली। इस दौरान वह रोहतक जेल में तैनात थे। अहम बात है कि दादरी सीट से वह चुनाव लड़ेंगे और यहां से दंगल गर्ल और महिला पहलवान बबीता फोगाट भी चुनाव लड़ना चाहती थी। 2019 के चुनाव में बबीता यहां से चुनाव हार गई थीं।

गौरतलब है कि तीन दिन पहले ही सुनील सांगवान ने नौकरी से वीआरएस लेने के बाद भाजपा का दामन थामा था और अब उन्हें टिकट दिया गया है। सुनील सांगवान के पिता सतपाल सांगवान हरियाणा में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। वह छह बार दादरी से चुनाव लड़ चुके हैं। बीएसएनएल में एसडीओ की नौकरी छोड़कर सतपाल पहली बार 1996 में दादरी से चुनाव लड़े थे। सतपाल सांगवान दादरी के विधायक बने तो बंसीलाल ने उन्हें बुलडोजर का नाम दिया था। करीब 28 वर्षों की राजनीति में सांगवान लगातार छह चुनाव लड़े, लेकिन दो बार जीत मिली और मंत्री भी बने। पूर्व मुख्यमंत्री स्व। बंसीलाल ने उन्हें सियासत में उतारा था।जानकारी के अनुसार, सुनील सांगवान मौजूदा समय में गुरुग्राम की भौंडसी जेल में तैनात थे। लेकिन इससे पहले, वह रोहतक की सुनारिया जेल में भी जेल अधीक्षक रहे और उनके पांच साल के कार्यकाल के दौरान यहां पर बाबा राम रहीम को छह बार पेरोल दी गई। बता दें कि जेल अधीक्षक की सिफारिश पर ही सरकार किसी भी कैदी को पेरोल और फरलो देती है।

अवैध मस्जिद विवाद पर बोले सीएम सुक्खू, हर धर्म समान, किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं

शिमला (एजेंसी)। संजौली में एक अवैध मस्जिद को गिराने की मांग को लेकर हिंदू दक्षिणपंथी संस्थाओं ने गुरुवार को विधानसभा के आसपास चौरा मैदान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। पूरे मामले को लेकर हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का बयान सामने आया है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि किसी भी समुदाय को परेशान करने का हमारा कोई इरादा नहीं है।' हम प्रदेश में कोई घटना नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन होते रहते हैं लेकिन किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता को राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का कोई अधिकार नहीं है। हमारे स्थानीय विधायक और मंत्री वहां बातचीत कर रहे हैं।

असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि संविधान के मुताबिक, भारत में कोई भी कहीं भी रह सकता है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी समुदाय के किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो। हम इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे। किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जायेगी। हिमाचल प्रदेश में संजौली मस्जिद को लेकर विवाद बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। आज भाजपा कार्यकर्ताओं, हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने संजौली मस्जिद के कथित अवैध निर्माण के खिलाफ शिमला में विरोध प्रदर्शन किया।

बताया जा रहा है कि इसमें शिमला के चारों ओर की पंचायतों से भी लोग शामिल होने गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संजौली में विरोध प्रदर्शन किया और ढांचे को गिराने का आह्वान किया। उनकी मांगों में शुक्रवार की रात व्यवसायी पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करना भी शामिल है, जिससे सिर में गंभीर चोटें आईं। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने शिमला में मुस्लिम प्रवासियों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की और इन व्यक्तियों के पुलिस सत्यापन और पंजीकरण की मांग की थी।

दावा किया जा रहा है कि वक्फ बोर्ड ने उस जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और उस पर एक मस्जिद का निर्माण किया था। कांग्रेसी मंत्री ने विधानसभा से इसकी पुष्टि भी की है। शिमला में संजौली मस्जिद के निर्माण पर हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पिछले काफी समय से संजौली में मस्जिद निर्माण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जहां तक ??संरचनात्मक अवैधता का सवाल है, सरकार कार्रवाई कर रही है।

सीएम सरमा ने क्यों किया, मियां शब्द का प्रयोग... मछलीपालन से जुड़ा मामला

दिशपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने चौंकाने वाला बयान देकर राज्य के नगांव और मोरीगांव में मछलीपालन करने वाले मुसलमानों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि पिछले चार वर्षों में नगांव और मोरीगांव की मछली खाने वालों में गुर्दे की बीमारियां बढ़ी हैं। उन्होंने इन दो जिलों में मछलीपालन करने वालों पर विशेष अपशिष्ट और यूरिया के उपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर यूरिया से भरी हुई मछली जनता तक पहुँचा रहे हैं। जनता को सतर्क रहना चाहिए, सरकार भी कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मछली का उत्पादन बढ़ाने के लिए कई जैविक तरीके हैं। हालाँकि उन्होंने सीधे तौर पर किसी धर्म या जाति का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका बयान असम में मियां की ओर इशारा करता है।

बता दें कि मियां शब्द का प्रयोग अक्सर बांग्लादेशी मूल के अप्रवासी मुसलमानों को संदर्भित करने के लिए अपमानजनक रूप से होता है। यही लोग नागांव और मोरीगांव में मछली उद्योग पर हावी हैं। सीएम सरमा की टिप्पणी 22 अगस्त को नगांव में अल्पसंख्यक समुदाय के तीन युवकों द्वारा 10वीं कक्षा की एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के बाद तनाव की पृष्ठभूमि में आई है।

असम के चार जिलों में जातीय समुदाय संगठनों द्वारा आप्रवासियों को बाहर जाने के लिए कहने के बाद दो जिलों में उत्पादकों ने मछली नाकाबंदी की घोषणा की, जिससे ऊपरी असम में आपूर्ति बंद हो गई। इस स्थिति पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने ऊपरी असम के लोगों से कहा है कि यह अच्छा है अगर वे (नागांव और मोरीगांव) मछली न भेजें। उन्होंने कहा कि इस अवसर का लाभ उठाएं और बाजार पर कब्ज़ा करें, संघर्ष के माध्यम से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त मछली का उत्पादन करके।

कट्टरपंथियों के सामने झुकी कर्नाटक सरकार, हिजाब पर प्रतिबंध करने वाले प्रिंसिपल को सम्मान नहीं

उडुपी (एजेंसी)। कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी एसडीपीआई के विरोध के बाद कर्नाटक सरकार ने हिजाब पर प्रतिबंध लगाने वाली प्रिंसिपल को सम्मानित करने का अपना फैसला वापस ले लिया है। कर्नाटक शिक्षा विभाग ने उडुपी जिले के कुंडापुरा पीयू कॉलेज के प्रिंसिपल बीजी रामकृष्ण को सर्वश्रेष्ठ प्रिंसिपल पुरस्कार के लिए चुना था, लेकिन अब उन्हें सम्मान नहीं दिया जाएगा। कर्नाटक में शिक्षा विभाग हर साल शिक्षक दिवस पर सर्वश्रेष्ठ प्रिंसिपल को सम्मानित करता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल सर्वश्रेष्ठ प्रिंसिपल पुरस्कार के लिए दो शिक्षकों का चयन हुआ था, जिसमें कुंडापुरा पीयू कॉलेज के प्रिंसिपल रामकृष्ण और मैसूर जिले के हुनसुरु पीयू कॉलेज के प्रिंसिपल ए. रामेगौड़ा शामिल हैं। लेकिन जैसे ही यह खबर सामने आई कि रामकृष्ण को सर्वश्रेष्ठ प्रिंसिपल पुरस्कार मिलेगा है, प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई की राजनीतिक शाखा कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी एसडीपीआई ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।

दरअसल रामकृष्ण ने पीयू कॉलेज के नियमों का पालन करते हुए फरवरी 2022 में हिजाब पहनकर आने वाली छात्राओं को कक्षा में प्रवेश नहीं करने दिया था। उनके फैसले के बाद पूरे राज्य में हिजाब बैन को लेकर भारी हंगामा हुआ था। रामकृष्ण ने बताया कि उन्हें शिक्षा विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि तकनीकी कारणों से फिलहाल उन्हें यह पुरस्कार नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि हालांकि उनका पुरस्कार रद्द नहीं हुआ है। दरअसल एसडीपीआई के विरोध के बाद कई कट्टरपंथी ताकतें और अन्य लोग सक्रिय हो गए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर शिक्षा विभाग की आलोचना करते हुए कई पोस्ट किए गए। शिक्षा विभाग के सूत्रों के मुताबिक किसी भी विवाद से बचने के लिए फिलहाल रामकृष्ण को पुरस्कार न देने का फैसला किया गया है।

महाराष्ट्र में बैकफुट पर ठाकरे... सीएम चेहरे पर कांग्रेस और राकांपा की बात मानी

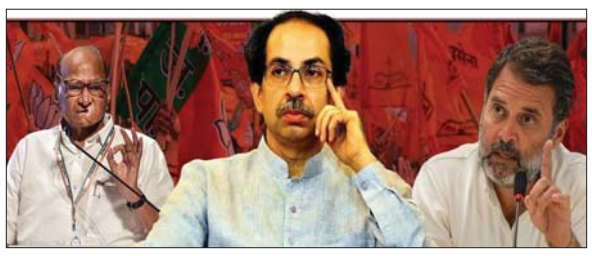

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी हलचल जबरदस्त तरीके से तेज हैं। हालांकि, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के मुख्यमंत्री पद के दावेदार को लेकर खींचतान जारी है, लेकिन एमवीए का दावा है कि तीनों दल भाजपा और शिंदे गुट को हराने के लिए मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जीत का दावा किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि बातचीत बाद में हो सकती है।

राउत ने कहा कि हम सभी का पहला मकसद भ्रष्ट महायुति के नेतृत्व वाली सरकार को हटाना है। उन्होंने कहा कि पवार साहब 100 प्रतिशत सही हैं। यह तीन दलों की सरकार है, लेकिन महाराष्ट्र में एमवीए को बहुमत मिल रहा है। हमारा पहला काम मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकना है। बाद में किसी भी समय सीएम पद के बारे में बात कर सकते हैं। उनकी टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उनकी पार्टी ने इस बात पर अपना रुख नरम कर लिया है कि राज्य में अगली सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

पिछले महीने, उद्धव ठाकरे ने सहयोगी दलों-कांग्रेस और राकांपा (सपा) से मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, और राज्य में शीर्ष पद के लिए उम्मीदवार को अपना समर्थन देने की कसम खाई थी। छत्रपति संभाजीनगर में मौजूद सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि सीएम पद को लेकर एमवीए सहयोगियों के बीच कोई झगड़ा नहीं है। इसके पहले कोल्हापुर में पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला चुनाव नतीजे आने के बाद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एमवीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला इस आधार पर किया जाएगा कि कौन सी पार्टी सबसे अधिक विधानसभा सीटें जीतती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की संभावना है।

दो उग्रवादी संगठनों के साथ समझौता.....त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली। त्रिपुरा और पूरे इलाके में हिंसा समाप्त करने और शांति लाने के प्रयासों में बड़ी कामयाबी मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्य के दो उग्रवादी संगठनों के साथ समझौता हुआ। नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) ने एक समझौते पर साइन किए। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांतिपूर्ण, समृद्ध और उग्रवाद मुक्त नॉर्थ-ईस्ट के विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा। इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉक्टर माणिक साहा, गृह मंत्रालय और त्रिपुरा सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नॉर्थ-ईस्ट के लोगों और दिल्ली के बीच बड़ा फासला था। इस पीएम मोदी ने सड़क, रेल और विमान के जरिए तब कम किया ही। साथ ही दिलों के बीच की दूरी को भी पाटने का काम किया है। शाह ने बताया कि आज का यह समझौता नॉर्थ-ईस्ट के लिए 12वां और त्रिपुरा से जुड़ा तीसरा समझौता है।

ओम पर्वत पर बर्फ से बनी ऊं की आकृति गायब...चिंतित पर्यावरण विशेषज्ञ

अल्मोड़ा (एजेंसी)। अपनी खास बनावट के लिए जाने वाले ओम पर्वत पर बर्फ से बनी ऊं की आकृति हट गई है। जानकारों के अनुसार इसका हटना वैश्विक और स्थानीय पर्यावण के संकट को दर्शा रहा है। अगस्त के तीसरे हफ्ते में यह बर्फ गायब हुई थी।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इस घटना को जलवायु परिवर्तन के असर के तौर पर देखा जा सकता है। ओम पर्वत भारत, चीन और नेपाल की सीमा से लगा हुआ है। यह पर्वत कैलाश मानसरोवर यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। चीन सीमा से सटे लिपुलेख तक सड़क बनने के बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ गई। अल्मोड़ा के जीबी पंत इंस्टीट्यूट में सेंटर फॉर एनवायरमेंटल असेसमेंट एंड क्लाइमेट चेंज सेंटर के जेसी कुनियाल के अनुसार, विश्वभर में मौसमी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का असर ओम पर्वत पर दिखाई दिया है। वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और ग्लेशियर इससे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि जंगलों में आग की घटनाएं और इसका दायरा बढ़ रहा है। जंगल की आग से निकला ब्लैक कार्बन ग्लेशियर पर असर डालता है। ग्लेशियर की अच्छी सेहत के लिए उसके नीचे के बुग्यालों में अच्छी घास होनी चाहिए। अल्पाइन क्षेत्र में वनों की सेहत अच्छी होनी चाहिए। इससे तापमान संतुलित रहता है।

यूएन की रिपोर्ट के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र के एक तिहाई ग्लेशियरों पर ग्लोबल वार्मिंग का संकट है। तापमान बढ़ने से 2000 से ग्लेशियर के पिघलने की दर बढ़ गई है। ग्लेशियर्स से 58 बिलियन टन बर्फ हर साल कम हो रही है। यह फ्रांस और स्पेन में होने वाले पानी की कुल खपत के बराबर है। वहीं द इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डिवेलपमेंट के अनुसार तापमान बढ़ने की दर हिंदुकुश हिमालयी क्षेत्र में वैश्विक दर से काफी अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार बीते साल मॉनसून के बाद अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में उत्तराखंड में तापमान में बदलाव दो डिग्री से अधिक रहा। साथ ही सर्दियों के बाद बारिश भी बेहद कम हुई। इस साल उत्तराखंड के मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ी। देहरादून का तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया। ग्लेशियोलॉजिस्ट डॉ अनिल देशमुख्य के अनुसार देश के अन्य हिस्सों की तुलना में हिमालय में तापमान अधिक तेजी से बढ़ रहा है। जैसे-जैसे ऊंचाई बढ़ती है, तापमान भी बढ़ता जाता है। इसलिए मौसमी बर्फ अब गर्मियों के साथ सर्दियों और वसंत ऋतु में भी तेजी से पिघल रही है। ओम पर्वत पर बर्फ का गायब होना इका प्रमाण है।